



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 50] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 15, 1979 (अग्रहायण 24, 1901)  
No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 15, 1979 (AGRAHAYANA 24, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं० ए० 32014/3/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड ए) श्री जोगिन्दर सिंह को राष्ट्रपति द्वारा 23-10-79 से 22-12-79 तक 2 मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अस्थायी और तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 16 नवम्बर 1979

सं० ए० 32014/1/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड ए) श्री शाम प्रकाश को राष्ट्रपति द्वारा 23-10-79 से 22-12-79 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अनतिम, अस्थायी और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक

सहायक (के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड ए) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्री शाम प्रकाश को नोट कर लेना चाहिए कि वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड ए) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और इससे उन्हें के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड ए में विलियन अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

एस० बालचन्द्रम

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 अक्टूबर 1979

सं० ए० 11016/1/76-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में के० स० सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर

तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नति की अवधि
सर्वश्री		
1.	जी० पी० भाटा	10-10-79 से 24-11-79 तक
2.	एस० एन० घोष	10-10-79 से 24-11-79 तक
3.	ओ० पी० कथरिया	10-10-79 से 24-11-79 तक
4.	राजिन्द्र सिंह	10-10-79 से 24-11-79 तक
5.	ओ० पी० कोटिया	10-10-79 से 24-11-79 तक
6.	एस० एन० पंडित	10-10-79 से 24-11-79 तक
7.	एम० एस० अमनानी	10-10-79 से 24-11-79 तक
8.	कृष्ण लाल I	11-10-79 से 25-11-79 तक
9.	रेमल दास	11-10-79 से 25-11-79 तक

सं० ए० 32014/1/79-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में के० सं० सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निदिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नति की अवधि
सर्वश्री		
1.	एम० एन० अरोड़ा	21-10-79 से 30-10-79 तक
2.	एस० डी० एस० मिन्हास	29-9-79 से 15-10-79 तक

एम० बालचन्द्रन  
अवर सचिव,  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मन्त्रालय  
(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० ए० 19036/3/79-प्रशा०-5—इस कार्यालय की दिनांक 29-10-79 की अधिसूचना सं० ए०-19036/3/79-प्रशासन-5 के अधिक्रमण में, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, आंध्र प्रदेश पुलिस के अधिकारी श्री के० फरीदुद्दीन को दिनांक 7-9-79 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

की० ला० गोवर  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षण, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

सं० ओ० दो-227/69-स्थापना—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री हेमा राम, सूबेदार को उप-पुलिस अधीक्षक के पद पर अस्थायी रूप में आने आदेश जारी होने तक पदोन्नत करते हैं।

2. उन्होंने आने पद का कार्यभार 12 वाहिनी में दिनांक 23-8-79 (अपराह्न) को सम्भाल लिया है।

दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० ओ० दो-253/70-स्थापना—श्री डी० एस० बरार ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक, 22 वाहिनी, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 31-10-79 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 24 नवम्बर 1979

सं० ओ० दो-1050/72-स्थापना—राष्ट्रपति ने श्री के० शंकर, पुलिस अधीक्षक, ग्रुप सक्टर, के० रि० पु० बल, आवड़ी, को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा नियमावली), 1985 के नियम 5(1) कि अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 18-10-79 के पूर्वाह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

सं० ओ० दो-1284/76-स्थापना—भारत सरकार दुःख के साथ यह अधिसूचित करती है कि दिनांक 13-9-79 को श्री एम० एम० बाबा, उप-पुलिस अधीक्षक, 23वां वाहिनी, के० रि० पु० बल का देहान्त हो गया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय  
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 15 नवम्बर 1979

सं० ई०-38013(3)/1/79-कार्मिक—नई दिल्ली से स्था-नांतरित होने पर श्री सेवा सिंह ने 23 अक्टूबर, 1979 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, आई० पी० सी० एल० बड़ीदा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ह०/-अमृतनोय

महानिरीक्षक

के० ओ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० 11/100/79-प्रशा०-1/24488—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के हरियाणा संवर्ग के अधिकारी, श्री ओ० पी० भारद्वाज को तारीख 14 नवम्बर, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक हरियाणा, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री भारद्वाज का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

सं० 11/97/79-प्रशा०-1-24640--राष्ट्रपति, उड़ीसा  
सिविल सेवा के अधिकारी श्री एम० एम० दास को तारीख  
8 नवम्बर, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक प्रति-  
नियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा जनगणना कार्य निदेशालय,  
उड़ीसा, कटक में सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर  
सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री दास का मुख्यालय कटक में होगा।

पी० पद्मनाभ  
महापञ्जीकार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 17 नवम्बर 1979

सं० 1172/ए—श्री आर० ए० पटेल, मुख्य लेखापाल,  
केन्द्रीय मुद्रांक भंडार, नासिक रोड, को केन्द्रीय मुद्रांक भंडार  
में (द्वितीय श्रेणी राजपत्रित पद) सहायक मुद्रांक नियंत्रक  
के पद पर सुधारित वेतन श्रेणी रु० 650-30-740-35-  
810-द०रो०-35-880-40-1000-द०-रो०-40-1200 में तदर्थ  
रूप में 16-11-1979 के पूर्वाह्न से 29-2-1980 तक अथवा  
तब तक नियमित रूप में जब तक इसके पूर्व ही उक्त  
पद की पूर्ति न हो जाये नियुक्त किया जाता है।

ना० राममूर्ति,

ज्येष्ठ उप महाप्रबंधक

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली-11 दिनांक 5 दिसम्बर 1979

सं० जी/29/प्रशासन-II—मुद्रण निदेशक ने श्री बरिन  
कुमार घोष, ओवरसियर को दिनांक 12 नवम्बर, 1979  
के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक, भारत सरकार  
मुद्रणालय, अलीगढ़ में सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) के पद  
पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

पी० बी० कुलकर्णी  
संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

भारत लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं० 2369/सी० ए० 1/96-79--अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को  
पदोन्नत करके लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में नियुक्त करते हैं और आगे आदेश दिये जाने तक प्रत्येक नाम के सामने  
कालम 4 में लिखित कार्यालय में कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं :—

क्रम संख्या	अनुभाग अधिकारी (वाणिज्यिक) का नाम	कार्यालय जहाँ पदोन्नति से पहले कार्यरत हैं।	कार्यालय जहाँ पदोन्नति के बाद लेखा- परीक्षा अधिकारी (या०) के रूप में तैनात किये गये हैं	स्थानापन्न लेखा- परीक्षा अधिकारी (या०) के रूप में तैनाती की तारीख
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	एच० सी० जैन	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक (वाणिज्यिक) लेखापरीक्षा भोपाल	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा भोपाल	23-8-79
2.	ए० के० डे	महालेखाकार-II, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता	महालेखाकार-II, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता	27-8-79
3.	बी० सुन्दर राजन	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा मद्रास	महालेखाकार, उड़ीसा	10-9-79
4.	आर० डी० तरेहन	महालेखाकार, पंजाब, चण्डीगढ़	महालेखाकार, उड़ीसा।	14-9-79
5.	के० आर० बालान	महालेखाकार, केरल, त्रिवेंद्रम	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	14-9-79
6.	आर० एस० त्रिपाठी	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा देहरादून	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, देहरादून	14-9-79
7.	एस० एम० देव	महालेखाकार-II, मध्य प्रदेश, ग्वालियर	महालेखाकार, उड़ीसा	25-9-79

1	2	3	4	5
8.	आर० एल० सिंगला	भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	27-9-79
9.	जी० एल० नरसिम्हम्	महालेखाकार-II, आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद	महालेखाकार-II आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद	16-10-79

दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० 2433 सी० ए०-1/116-79-अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को पदोन्नत करके लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में नियुक्त करते हैं और आगे आदेश दिए जाने तक प्रत्येक नाम के सामने कालम 4 में लिखित कार्यालय में कालम 5 में लिखित तारीखों में उसी रूप में तैनात करते हैं।

क्रम सं०	अनुभाग अधिकारी (वाणिज्यिक का नाम)	कार्यालय जहाँ पदोन्नति से पहले कार्यरत थे।	कार्यालय जहाँ पदोन्नति के बाद तैनात किए गए थे।	स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की तारीख
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	एल० सी० लुन्कर	महालेखाकार राजस्थान	महालेखाकार उड़ीसा	3-10-79
2.	वी० वी० सेशचलपतिराव	महालेखाकार II आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद	महालेखाकार II आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद	16-10-79
3.	एम० वी० अर्धनारी	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा बंगलौर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा बंगलौर	19-9-79
4.	सतीश चन्द्र	महालेखाकार राजस्थान उड़ीसा	महालेखाकार उड़ीसा	3-10-79
5.	एस० नारायणास्वामी	महालेखाकार तमिलनाडु	महालेखाकार उड़ीसा	28-9-79
6.	मुरारी लाल गुप्ता	महालेखाकार राजस्थान	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक (कोयला) लेखापरीक्षा कलकत्ता।	27-9-79
7.	रमेश चन्द्र हसवीर	महालेखाकार पंजाब	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक कलकत्ता।	29-9-79
8.	वी० रामामूर्ती	महालेखाकार कर्नाटका	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा (कोयला) कलकत्ता।	3-10-79
9.	एन० सी० जैन	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा नई दिल्ली	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता	27-9-79
10.	एस० के० पाल	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	27-9-79
11.	ई० एस० राव	महालेखाकार आंध्रप्रदेश हैदराबाद	महालेखाकार II आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद	17-10-79
12.	एम० पी० वेदाचलम	महालेखाकार I तमिलनाडु	महालेखाकार II पश्चिम बंगाल कलकत्ता	28-9-79

एम० एस० गोवर  
उप निदेशक (व०)



## महालेखाकार का कार्यालय केरल

तिरुवनन्तपुरम दिनांक 9 नवम्बर 1979

सं० स्थापना/हकदारी/6/10-3—महालेखाकार, केरल के कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री एन० कमलासनन नायर अधिवर्षिता की आयु में 31 अक्टूबर 1979 अपराह्न को सेवानिवृत्ति हो गये।

पी० जी० एन० नंपूतिरी  
महालेखाकार

## सरकारी व्यय आयोग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० 1(3)-ए०/सी० पी० ई०/79—योजना आयोग से स्थानांतरण होने पर, तदर्थ ग्रेड के अनुसंधान अधिकारी, श्री बी० एन० सिंह, भारतीय आर्थिक सेवा को 26 अक्टूबर, 1979 बौध्दपूर्णा से भगला आदेश होने तक, सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर, सरकारी व्यय आयोग में 1100-500-1600 रुपये के वेतनमान में बरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जगन्नाथ कौल,  
अवर सचिव

## रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 20 नवम्बर 1979

सं० 344016(I)/73-प्रशा-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के निम्नलिखित अधिकारियों को, उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के प्रवरण ग्रेड (सं० 2000-125/2-2250) में, आगामी आदेश पर्यन्त, तारीख 19 नवम्बर 1979 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, तदर्थ आधार पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री बी० बी० अदावी
- (2) श्री के० सुन्दराराजन

आर० एल० बबशी,  
रक्षा लेखा अवर महानियन्त्रक (प्रशासन)

## रक्षा मंत्रालय

[आर्बेनेस फैक्टरी बोर्ड]

भारतीय आर्बेनेस फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 9 नवम्बर 1979

सं० 55/जी-79—राष्ट्रपति निम्नलिखित अफसरों को स्थानांतरित महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड)/बी० जी० पी० ओ०

एफ० स्तर-I के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

1. श्री ज० बी० सक्सेना, स्थानापन्न महाप्रबन्धक 30 अगस्त 1979 (सेलेक्शन ग्रेड) स्तर-II
2. श्री आर० जी० देवलालीकर, स्थानापन्न बी० बी० जी० ओ० एफ० स्तर-II —वही—
3. श्री एस० पी० सिन्हा, स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड) स्तर-II —वही—

सं० 56/जी/79—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित अफसर को स्थानापन्न प्रबन्धक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से अगले आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

श्री यू० के श्रीवास्तव, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक 25 जून 1979

सं० 57/जी/79—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित अफसरों की स्थानापन्न उपप्रबन्धक/बी० ए० डी० जी० ओ० एफ० के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं :—

सर्वश्री :

1. डी० आर० नागपाल सहायक प्रबन्धक (पी०)] 30 जून, 1979
2. के० सी० एम० राव, सहायक प्रबन्धक (पी०) —वही—
3. एस० जोसेफ, सहायक प्रबन्धक (पी०) —वही—
4. जे० पी० शर्मा, सहायक प्रबन्धक [(पी०)] —वही—
5. एन० के० श्रीवास्तव, सहायक प्रबन्धक (पी०) —वही—
6. सी० बी० बसीर, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक —वही—
7. आर० सी० अरोरा, सहायक प्रबन्धक (पी०) —वही—
8. एस० राजागोपालन, सहायक प्रबन्धक (पी०) —वही—
9. मोहर सिंह, सहायक प्रबन्धक (पी०) —वही—
10. महेश प्रसाद, सहायक प्रबन्धक (पी०) —वही—
11. जे० पी० श्री गोवरकर, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक —वही—
12. के० के० गर्ग, सहायक प्रबन्धक (पी०) पहली अगस्त, 1979
13. डी० एम० गुप्त, सहायक प्रबन्धक (पी०) —वही—
14. एस० एन० दत्ता, सहायक प्रबन्धक (पी०) —वही—
15. सुशील ठाकुर, सहायक प्रबन्धक (पी०) —वही—

16. डा० एस० घोष, सहायक प्रबन्धक  
(पी) पहली अगस्त 1979
17. डा० एस० आर० अश्ववर्ती, सहायक प्रबन्धक (पी) --वही--
18. एस० सी० गाजी, सहायक प्रबन्धक  
(पी) --वही--
19. बी० बी० फारस, सहायक प्रबन्धक  
(पी) --वही--
20. एस० के० पाण्डे, सहायक प्रबन्धक  
(पी) --वही--
21. बी० के० पंडित, सहायक प्रबन्धक  
(पी) --वही--
22. एस० एन० पाटिल, सहायक प्रबन्धक (पी) --वही--
23. ए० के० हैकरवाल, सहायक प्रबन्धक  
(पी) --वही--
24. श्री एस० डी० डिमरी, सहायक प्रबन्धक  
(पी) --वही--
25. पी० के० सेठ, सहायक प्रबन्धक (पी) --वही--

दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० 58/79/जी--58 वर्ष की आयु प्राप्त कर श्री ए० एल० बाधु, चौधरी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) तारीख 31-8-79 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,  
सहायक महानिदेशक, आर्डर्स फैक्टरिय

वाणिज्य और नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1979

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 6/1161/79 प्रशा० (राज०)/3115--राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश (सिविल) न्यायिक सेवा के अधिकारी और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय उप-विधि सलाहकार श्री महेंद्र प्रताप सिंह को 15 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से एक वर्ष या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, तबतक जो भी पहले हो, उस अवधि तक के लिए तदर्थ आधार पर उसी कार्यालय में विधि सलाहकार नियुक्त करते हैं।

सी० वैक्टरमन,  
मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1979

सं० 6/414/56/प्रशासन (राज०)/8070--सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर, कुमारी एम० डी० मराठे ने 31 अक्टूबर, 1979 के अपराह्न से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात अहमदाबाद के पद का कार्य-भार सौंप दिया।

दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० 6/786/66-प्रशासन (राज०)/8156--सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर, श्री बुध राम ने 31 अक्टूबर, 1979 के अपराह्न से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र), नई दिल्ली में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्य-भार सौंप दिया।

दिनांक 20 नवम्बर 1979

सं० 6/1293/79-प्रशासन (राज०)/8152--मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्री सत्य प्रकाश शर्मा, राष्ट्रीय सम्पल सर्वेक्षण संगठन, अम्बाला कैट के अधीक्षक को 31 अक्टूबर, 1979 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय अमृतसर में नियंत्रक, आयात-निर्यात (श्रेणी "ख") के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री शर्मा, नियंत्रक के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

सी० एस० आर्य,  
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
कूते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रशासन

गांधीधाम, दिनांक 20 नवम्बर 1979

सं० एफ० टी० जैड/प्रशासन/7/2/79/15182--विकास आयुक्त, काण्डला, मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम-कच्छ, परीक्षक, सीमा शुल्क सम्हाकर्ता, मद्रास के स्थानापन्न अधीक्षक श्री बी० मोहन सिंह, परीक्षक, काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम, जिसका वर्तमान रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 है प्रतिनियुक्ति को सामान्य शर्तों पर वित्त मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन क्र० 10(24)/60-ई०-III दिनांक 4-5-1961 के आधार पर जैसा कि समय-समय पर संशोधन हुआ है दिनांक 16-10-1979 के प्रतःकाल से नियुक्त करते हैं।

निरंजन सिंह  
विकास आयुक्त  
काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1979

सं० प्र० 1/1(385)---पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थायी उपनिदेशक और स्थानापन्न निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-I) श्री एस० पी० सक्सेना निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31-10-1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 17 नवम्बर 1979

सं० प्र० 1(1)(464)---राष्ट्रपति, श्री एस० एल० कपूर उपनिदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए के ग्रेड II) को दिनांक 6-11-79 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में तदर्थ आधार पर पूर्ति निदेशक (भारतीय सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड I) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 नवम्बर 1979

सं० प्र० 1/1/948(79)---मुख्यालय के सहायक निदेशक (आई० आर०) (ग्रेड 1) श्री बाबू लाल को दिनांक 14-11-1979 के अपराह्न से वरिष्ठ आर्थिक अन्वेषक के अराजपत्रित पद पर अवनत कर दिया गया है।

सं० प्र० 1/1(949) 79---राष्ट्रपति, श्री एच० एस० भसीन सहायक निदेशक (सांख्यिकी) (ग्रेड 1) को दिनांक 15-11-1979 के पूर्वाह्न से 6 मास के लिए अथवा पद के नियमित रूप से भर जाने तक जो भी पहले हो इसी महानिदेशालय में सहायक निदेशक (आई० आर०) (ग्रेड 1) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० 1/1(1143)---राष्ट्रपति भारतीय सांख्यिकी सेवा के ग्रेड 4 के अधिकारी श्री एन० ईगम्बरम को सेवा कालीन प्रशिक्षण पूरा कर लेने पर दिनांक 17-11-1979 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (सांख्यिकी) (ग्रेड 1) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर,  
उप निदेशक (प्रशासन),  
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पत, खान और कोयला मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक नवम्बर 1979

सं० 7677 बी०/ए० 19012 (3-सी० एन० एम०)/79-19 बी०---इनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लि०) में स्थायी रूप से भर्ती होने पर, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ सर्वश्री सी० एन० मूर्ति तथा बी० एम० नियोगी द्वारा दिए गए

आग पत्र 30 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न से स्वीकार किए गए।

बी० एस० कृष्णस्वामी,  
महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 20 नवम्बर 1979

सं० ए० 19012/104/78-स्था० ए० ---श्री आर० ए० मिश्रा, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन शास्त्र) को दिनांक 29 अक्तूबर, 1979 के अपराह्न से आगामी आवेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक रसायनविद के पद पर पदोन्नति की जाती है।

दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० ए० 19012(118) 79-स्था० ए०---विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री बी० जी० टीके, स्थायी सहायक भण्डारी (तकनीकी) ग्रेड II भारतीय खान ब्यूरो को तारीख 19-10-1979 के अपराह्न से स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी के पद पर पदोन्नति प्रदान की जाती है।

ए. बालागोपाल,  
प्र. अध्यक्ष

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 नवम्बर 1979

फा० सं० एफ० 11-9/79-ए०-1---अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद् द्वारा श्री बी० एन० कोहली स्थायी सहायक अभिलेखाधिकारी ग्रेड 2 (सामान्य) तथा स्थानापन्न सहायक अभिलेखाधिकारी ग्रेड 1 को बिलकुल तदर्थ आधार पर दिनांक 23 नवम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से आगामी आवेशी तक स्थानापन्न अभिलेखाधिकारी (सामान्य) (द्वितीय श्रेणी राजपत्रित अधिकारी) नियुक्त करते हैं। उनको गाइड से अभिलेख निधान में बदल दिया गया है।

उन्हें याद रहे कि यह तदर्थ नियुक्ति अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति की पात्रता और वरिष्ठता सम्बन्धि उद्देश्य के लिए नहीं गिनी जाएगी और नियमित नियुक्ति का दावा करने का कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगा।

बी० एस० कासडा,  
प्रशासन अधिकारी,  
राष्ट्रीय अभिलेखागार,  
कृते अभिलेख निदेशक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं० एफ० 70-2/79-स्थापना/20973---श्री एच० एस० शर्मा, वरिष्ठ प्राणिविज्ञान सहायक, मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, भारतीय

प्राणि सर्वेक्षण, जबलपुर, को सहायक प्राणिविज्ञानी (ग्रुप 'बी०' राजपत्रित) के पद पर 650-1200 रु० के वेतन मान में स विभाग के उसी क्षेत्रीय केन्द्र में, अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर 9 नवम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जा रहा है।

एस० आर० भट्टाचार्य,  
प्रशासन अधिकारी,  
भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

आदेशों तक उसी ब्यूरो में अनुसंधान अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पद नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला  
उपनिदेशक प्रशासन

### विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

#### राष्ट्रीय एटलस संस्था

राष्ट्रीय एटलस और थिमैटिक मानचित्रण संगठन

कलकत्ता-700019, दिनांक 27 नवम्बर 1979

सं० 35-2/78 स्था०—सर्वश्री ए० के० सेन और एन० सुंजी वरिष्ठ अनुसंधान सहायक, राष्ट्रीय एटलस और थिमैटिक मानचित्रण संगठन में क्रमशः 24 और 25 अक्टूबर, के पूर्वाह्न से आधी आदेश होने तक वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर शुद्ध अस्थायी और तदर्थ रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

एस० पी० दास गुप्ता,  
निदेशक

### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

#### फिल्म प्रभाग

बम्बई, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० 9/51/49-सिबन्दी I—श्री आर० बी० म्हात्रे, स्थायी छायाग्राहक (कार्टून फिल्म यूनिट), फिल्म प्रभाग बम्बई, वार्धक्य के वय प्राप्त होने के वजह दिनांक 31-10-1979 के छुपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

सं० ए० 19012/5/74-सिबन्दी-I—श्री ए० के० नारंग, स्थायी शाखा प्रबन्धक, फिल्म प्रभाग, बम्बई, को फिल्म वित्त निगम लिमिटेड में शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्ति होने के वजह, दिनांक 31-5-1979 के छुपराह्न से उन्हें काम से भार मुक्त किया।

नरेन्द्र नाथ शर्मा  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
कृते मुख्य निर्माता

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० ए० 12026/28/79 (एच० ब्यू०)/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो में अन्वेषक, श्रीमती ऊषा श्रीवास्तव को 23 अक्टूबर, 1979 पूर्वाह्न से आगामी

### कृषि और सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1979

सं० 3-48/79-स्था० (1)—अधीक्षक (कोटि प्रथम) के पद पर सर्वश्री एस० एल० धीर, के० आर० विज और प्रो० पी० भसीन की तदर्थ नियुक्तियां 1-12-1979 से आगे 29-2-1980 तक बनी रही।

महोदय पद्म  
निदेशक प्रशासन

### ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

#### विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर, 1979

सं० ए० 19023/5/79-प्र० III—संव लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री पी० एल० वशिष्ठ को इस निदेशालय में नई दिल्ली में तारीख 9-10-1979 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने के उपरान्त श्री वशिष्ठ ने तारीख 9-10-1979 के अपराह्न में नई दिल्ली में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19023/12/79-प्र० III—श्री आर० के० एस० पिल्ले, सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय में मद्रास में तारीख 10-10-1979 (पूर्वाह्न) से तीन महीने की अवधि से अधिक के लिए नहीं या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग II) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने के उपरान्त श्री पिल्ले ने तारीख 10-10-1979 के पूर्वाह्न में मद्रास में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एल० मनहार  
निदेशक प्रशासन  
कृते कृषि विपणन सहायकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400085, दिनांक 4 अक्तूबर, 1979

सं० पी० ए०/73(16)/78-भ०-4—अपर निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, डा० आनंद पायकूजी डोंगरे को भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में पूर्वाह्न ता० 21 सितम्बर, 1979 से अगले आदेशों तक अस्थायी रूप से आवास चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 अक्तूबर, 1979

सं० पी० ए०/73(16)/78-भ०-4—अपर निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र डा० (श्रीमती) संतोष बट्टल को भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में पूर्वाह्न 26 सितम्बर 1979 से अगले आदेशों तक अस्थायी रूप से आवास चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अक्तूबर, 1979

सं० पी० ए०/26(3)/78-भ०-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री माधव यशवंत फडनीस, स्थायी अनुभाग अधिकारी [महा-नियंत्रक (रक्षा) लेखा के कार्यालय से] को वेतन मान रु० 650-30-740-35-880-द० रा०-40-960 में, पूर्वाह्न सितंबर, 19, 1979 से पहले वो साल की अवधि तक, सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 अक्तूबर, 1979

सं० पी० ए०/68(6)/77-भ०-4—मंडल प्रबंधक (पी) सेन्ट्रल रेलवे, भुसावल के कार्यालय से स्थानान्तर होने पर, श्री उपाध्याय राधे श्याम को, अपर निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के बेरिलियम पायलट प्लान्ट परियोजना में अस्थायी रूप से नियत अवधि के लिये अपराह्न 28 फरवरी, 1981 तक वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/34(5)/78-भ०-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री शम्भुनाथ सेन, एक स्थायी कार्मिक अधिकारी को स्थानापन्न सेवा के लिये भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में पूर्वाह्न ता० 1 सितम्बर, 1979 से अगले आदेशों तक सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० एस० दिक्षित,  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा-202 397 दिनांक 1979

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(161)/79-एस०/12836—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परि-  
2-366GI/79

योजना अभियन्ता, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक 'सी', श्री अरुण कुमार भट्टाचार्य को इसी परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर दिनांक 1 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से, स्थानापन्न रूप में अग्रिम आदेशों तक लिए नियुक्त करते हैं।

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(160)/79-एस०/12837—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न पर्यवेक्षक श्री रोमेश कुमार मलहोत्रा को इसी परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर दिनांक 1 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(162)/79-एस०/12838—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक 'सी', श्री पेरुमल राधा कृष्णन को इसी परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर दिनांक 1 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से, स्थानापन्न रूप में अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन,  
प्रशासन अधिकारी,  
नूतन मुख्य परियोजना अभियन्ता

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 20 नवम्बर, 1979

सं० प० ख० प्र०-1/7/79-प्रशासन—इस कार्यालय के दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 की समसंख्यक अधिसूचना का अधिक्रमण करते हुए परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक रक्षा लेखा महानियंत्रक के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी (लेखा), श्री एस० बी० बैनरजी को परमाणु खनिज प्रभाग में 3 अक्तूबर, 1979 की पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एम० राव,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

नागर विमानन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1979

सं० ए० 32013/3/79-ई० एस०—इस कार्यालय की दिनांक 20 जून, 1979 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में राष्ट्रपति जी ने सर्वश्री एस० रंजन और जमन लाल की उपनिदेशक/नियंत्रक, वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की अवधि 13 अगस्त, 1978 के बाद, तीन मास के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने की स्वीकृति सामान्य शर्तों के अधीन दे दी है।

2. राष्ट्रपति जी, श्री बी० डी० साठे को भी दिनांक 28-9-1979 से तीन माह के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर उपनिदेशक/नियंत्रक, वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 नवंबर, 1979

सं० ए० 12025/1/78-ई० सी०—राष्ट्रपति जी ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में श्री हेमन्त कुमार दीक्षित को दिनांक 1-11-1979 (पूर्वाह्न) से संचार अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें अन्य आदेश होने तक प्रभारी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 32013/1/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निदेशक, रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तकनीकी अधिकारी श्री श्रवण कुमार को दिनांक 26-9-1979 से पूर्वाह्न से नियमित आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

2. वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों को उच्चतर पदोन्नति के लिए वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी की संयुक्त पावता सूची में स्थान ग्रेड में उनकी नियमित नियुक्ति की तारीख के अनुसार दिया जाएगा बशर्ते कि वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में परस्पर वरिष्ठता कायम रखी जाती है और इसके साथ यह भी शर्त है कि इंजीनियरी सेवा परीक्षा के आधार पर नागर विमानन विभाग में नियुक्त अधिकारियों के मामले में उस परीक्षा में उनकी परस्पर वरिष्ठता तकनीकी अधिकारी/संचार अधिकारी के रूप में नियुक्त के लिए भी मानी जाएगी।

दिनांक 22 नवंबर, 1979

सं० ए० 12025/1/78-ई० सी०—राष्ट्रपति जी ने श्री आर० चन्द्रमौलि को 22-10-1979 (पूर्वाह्न) से

दिनांक 26 नवम्बर 1979

सं० ए० 32014/3/79-ई० सी० (पार्ट)—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दो तकनीकी सहायकों को उनके नामों के सामने दी गई तारीख से तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्र० सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर स्थानान्तरण किया गया	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री गोपाल सिंह	वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।	10-9-79 (पूर्वाह्न)
2.	श्री जी० एस० वर्मा	वैमानिक संचार स्टेशन, भटिंडा	वैमानिक संचार स्टेशन, वाराणसी	7-11-79 (पूर्वाह्न)

नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें अन्य आदेश होने तक नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बंबई के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 32013/7/78-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 22-6-1979 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/7/78-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तीन तकनीकी अधिकारियों की वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की अवधि 31-8-1979 के बाद 2-9-1979 (दो दिन) तक बढ़ाने की स्वीकृति दे दी है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री विजय पंकार	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम
2.	श्री के० के० नारायण	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता
3.	श्री ए० के० बंसल	रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, नई दिल्ली।

सं० ए० 35021/1/79-ई० सी०—राष्ट्रपति जी ने निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एस० के० सरस्वती, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी को विभागेतर सेवाशर्तों पर गुजरात कम्यूनिकेशंस एवं इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बड़ोदा में 30-5-1979 (अपराह्न) से वरिष्ठ इंजीनियर के पद पर प्रतिनियुक्त किया है।

दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० ए० 32013/4/79-ई० एस—इस कार्यालय की दिनांक 24-7-1969 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में राष्ट्रपति ने सर्वश्री एन० जयसिंह और आर० सी० गुप्ता की वरिष्ठ विमान निरीक्षक के पद में हुई तदर्थ नियुक्ति की अवधि 13-8-1979 के बाद 6 महीने के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो बढ़ा दी है।

सं० ए० 38013/1/79-ई० सी०—वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो अधिकारी ने निवृत्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर पद का कार्यभार 31-10-79 से त्याग दिया है :—

क्र० सं०	नाम और पदनाम	स्टेशन	सेवा निवृत्त होने की तारीख
1.	श्री जे० सी० दास, संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	31-10-79 (अपराह्न)
2.	श्री एन० बी० पाठी, तकनीकी अधिकारी	रेडियो स्टोर डिपो, नई दिल्ली	31-10-79 (अपराह्न)

आर० एन० दास  
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय  
बंगलौर, दिनांक 16 नवम्बर 1979

सं० IV/116/421/79. सी० 1—समाहर्ता कर्नाटक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व सीमाशुल्क समाहर्तालय, बंगलौर ने, फरवरी 1976 से नीचे दर्शायी गयी व्यक्तियों/फर्मों/कंपनियों को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व नमक अधिनियम 1944 तथा उसके अधीन नियमों तथा प्रावधानों के अनुसार निम्न लिखित प्रकार दंडित किया है :—

1. मेसर्स श्याम स्टील री-रोलिंग मिल्स लिमिटेड, बंगलौर

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के अन्तर्गत नियम 9(1), 52 ए, 53 के साथ पठित नियम 173 जी (4), 173 जी (1), 226 तथा 173 क्यू (1) (ए) (बी) तथा (डी) के उल्लंघन के फलस्वरूप रु० 92,420 मौल्य की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क योग्य वस्तुओं की जम्मा के अलावा 15,000 की जुर्माना लगायी गयी है तथा जम्मा की गयी वस्तुओं के विमोचन की अनुमति रु० 10,000 विमोचन जुर्माना की अदा के बाद होगी।

2. मेसर्स आन्ध्रा स्टील कॉर्पोरेशन, बंगलौर

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के अन्तर्गत नियम 9(1), 52 ए 53 के साथ पठित 173 जी (4) 173 जी (1), 226 तथा 173 (ए) (बी) तथा (डी) के उल्लंघन करने के फलस्वरूप रु० 91,000/- मौल्य की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क योग्य वस्तुओं की जम्मा के अलावा, रु० 25,000/- जुर्माना लगायी गयी है तथा जम्मा की गयी वस्तुओं के विमोचन की अनुमति रु० 45,000/- विमोचन जुर्माना की अदा के बाद होगी।

3. मेसर्स बंगलौर केबल्स प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के अन्तर्गत नियम 173 जी (4) 56 बी, 226 तथा 173 क्यू (1) के साथ पठित नियम 53 के उल्लंघन करने के फलस्वरूप

रु० 1,13,006/- मौल्य की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क योग्य वस्तुओं की जम्मा के अलावा, रु० 15,000 जुर्माना लगायी गयी है तथा जम्मा की गयी वस्तुओं के विमोचन की अनुमति रु० 25,000/- विमोचन जुर्माना की अदा के बाद होगी।

4. मेसर्स फिट-वैल्कपस प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 173 जी (4), 56 बी, 226 तथा 173 क्यू (1) के साथ पठित नियम 53 के उल्लंघन करने के फलस्वरूप रु० 80,000 जुर्माना लगायी गयी है।

5. मेसर्स भारत मेटल इण्डस्ट्रीज, बंगलौर

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के अन्तर्गत नियम 173 जी (4), 43 (2), 44(3), 173 जी (1). 173 एफ, 226 तथा 173 क्यू (1) (ए) (बी) तथा (डी) के साथ पठित नियम 9(1), 52 ए, 53 के उल्लंघन के फलस्वरूप रु० 2,41,640/- मौल्य की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क योग्य वस्तुओं की जम्मा के अलावा, रु० 10,000/- की जुर्माना लगायी गयी है तथा जम्मा की गयी वस्तुओं के विमोचन की अनुमति रु० 1,00,000/- विमोचन जुर्माना की अदा के बाद होगी।

6. मेसर्स खोडे इण्डस्ट्रीज, बंगलौर

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 173 जी (4), 173 जी (1), 173 एफ, 226 तथा 173 क्यू (1) के साथ पठित नियम 9 (1) 52 ए, 17ए 53 के उल्लंघन करने के फलस्वरूप रु० 25,000/- जुर्माना लगायी गयी है।

कानपुर, दिनांक 26 मार्च 1979

सं० 12/79 इस कार्यालय के पृष्ठांकन पत्र संख्या 11-11-ई०टी०/79/123 दिनांक 2-1-79 के अंतर्गत निर्गत स्थापना आदेश संख्या 1/ए/10/79 दिनांक 5-1-79 के तथा 11-11-ई०टी०/79/3832 दिनांक 27-1-79 के अंतर्गत निर्गत स्थापना आदेश संख्या 1/ए/56/79 दिनांक 27-1-79 के फलस्वरूप निम्नलिखित निरीक्षकों/प्रवरण कीटि/केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के पद का कार्यभार उनके नाम के सामने दिये गये स्थान तथा दिनांक को ग्रहण कर लिया।

क्रम सं०	नाम	स्थान का नाम	कार्यभार
		जहां पर पदोन्नति पर कार्यभार को तारीख ग्रहण किया	ग्रहण करने
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	जगदीश प्रसाद शर्मा	मण्डल कार्यालय, भागुरा	22-1-79 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4	1	2	3	4
2.	सूर्य प्रसाद अग्रवाल	मण्डल कार्यालय, कानपुर-11	22-1-79 (पूर्वाह्न)	4.	के० धीरुमलै	पाण्डुचेरी डिवीजन	21-6-79
3.	जस कृष्ण डुईया	एम० ओ० आर० अलीगढ़ मण्डल कार्यालय, अलीगढ़	27-1-79 (पूर्वाह्न)	5.	जे० एम० जयासीलेन	धारापुरम एम० ओ० आर० इरोज डिवीजन	2-6-79
4.	टी० एल० धरती	मण्डल कार्यालय, गाजियाबाद-11	18-1-79 (पूर्वाह्न)	6.	एस० के० करुण्यन	मद्रास-III डिवीजन	1-6-79
5.	अमृत लाल दीवान	अधीक्षक/लेखा परीक्षा मुख्यालय, कानपुर	23-2-79 (पूर्वाह्न)	7.	पी० के० एस० रामाकृष्णन	मद्रास-I डिवीजन	2-6-79
6.	के० एल० देशमुख	मण्डल कार्यालय गाजियाबाद-11	9-2-79 (पूर्वाह्न)	8.	जी० गोपालाकृष्णन	कोयम्बटूर-II डिवीजन (तकनीकी)	2-6-79
7.	एच० एल० एस० आर्या	अधीक्षक/लेखा परीक्षा मुख्यालय, कानपुर	9-2-79 (अपराह्न)	9.	के० गोविन्दाराजन	पुलिअमपाट्टी एम० ओ० आर० इरोज डिवीजन	1-6-79
				10.	पी० गोपालन	कुम्माकोनम, एम० ओ० आर० पाण्डुचेरी डिवीजन	14-6-79
				11.	एस० जानकीरामन	नेगामम, एम० ओ० आर० पोलाची डिवीजन (अपराह्न)	16-6-79
				12.	वी० आर० कण्डासामी	कुनुर, एम० ओ० आर० कुन्नोर डिवीजन	2-6-79
				13.	के० एल० नारायणन	मेदुपालयम, एम० ओ० आर० कुनुर डिवीजन	30-5-79
				14.	आई० मोहम्मद अब्दुल रजाक खां	मद्रास-II डिवीजन	28-6-79
				15.	ए० जी० दोरैराज	एम० ओ० आर० XIII कोयम्बटूर-I डिवीजन	7-7-79
				16.	एस० सन्थानाकृष्णन	एम० ओ० आर० XI कोयम्बटूर-1	7-7-79
				17.	डी० नेरुसन	मुख्य कार्यालय, मद्रास (अपराह्न)	4-7-79
				18.	एन० भद्राचलम	कोटागिरि, एम० ओ० आर०	7-7-79
				19.	पी० नागप्पाचेट्टी	कोयम्बटूर-I डिवीजन (तकनीकी)	7-7-79

## शुद्धि पत्र

दिनांक 27 जून 1979

सं० II 249-स्था०/78/20477—पृष्ठांकन सं० II 249 स्थापना/640-46, दिनांक 8-1-79 के अन्तर्गत निर्गत इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 1/79 दिनांक 2-1-79 में आंशिक परिशोधन करते हुए यह आदेश किया जाता है कि उपरोक्त अधिसूचना में अंकित पदभार ग्रहण की तारीख 16-8-78 के स्थान पर (बदले में) 14-7-78 पढ़ी जाये।

कृष्ण लाल रेखी,  
समाहृत

मद्रास-600034, दिनांक 26 जुलाई 1979

सं० 11/3/22/79-स्थापना—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मद्रास के निम्नलिखित निरीक्षकों को, अगला आदेश होते तक, उनके नाम के सामने दिखायी गयी तिथियों से केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधीक्षक ग्रुप “ख” के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त और प्रत्येक के नाम के सामने विनिर्दिष्ट स्थान पर तैनात किया गया है :—

क्र० सं०	नाम	स्थान जहाँ उन्हें अधीक्षक ग्रुप “ख” के रूप में तैनात किया गया है	कार्यभार ग्रहण की तिथि
1	2	3	4
1.	एस० बालामुन्दरम	मुख्य कार्यालय मद्रास	3-2-79
2.	एम० पोन्नैया	बलपराई एम० ओ० आर० पोलाची डिवीजन	12-2-79
3.	टी० अरुमुगम	गूडालोर एम० ओ० आर० कुनुर डिवीजन	9-2-79

बी० आर० रेड्डी,  
समाहर्ता

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० 23/2/77ई० सी०-2—के० लो० नि० वि० के निम्नलिखित अधिकारी बाधक्य की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31 अक्टूबर 1979 (अपराह्न) को सेवा निवृत्ति हो गए हैं :—

अधिकारी का नाम	वर्तमान पदमान
सर्व श्री	
1. एम० एम० ललवानी	मुख्य इंजीनियर के इंजीनियर अधिकारी



1	2	3
		दक्षिण पश्चिम (अंचल) के० लो० नि० वि०, बम्बई।
2. मलकीत सिंह	कार्यपालक इंजीनियर, निर्माण मंडल-1 अण्डमान व निकोबार आयरलैंड, ए० पी० डब्ल्यू०, डी० रंगत।	
3. एस० डी० तुलसी अनि	निर्माण सर्वेक्षक (लो० नि० वि०) दिल्ली प्रशासन कार्यपालक इंजीनियर (सिसिल) नई दिल्ली।	
4. सी० आर० राय	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) कलकत्ता एवियेशन विद्युत मण्डल, के० लो० नि० विभाग, कलकत्ता।	
	सु० सू० प्रकाश राव, प्रशासन उपनिदेशक	

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और के० नभरतन इन्वेस्टमेंट्स  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० एस० ओ० 718-3719 (2)—कम्पनी अधिनियम  
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में  
एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि नभरतन इन्वेस्टमेंट्स  
प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया  
है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और नन्दन फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट  
के विषय में

कटक, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० एस० ओ० 531-3723 (2)—कम्पनी अधि-  
नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनु-  
सरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख  
से तीन मास अवसान पर नन्दन फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट  
का नाम, इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया  
तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित  
कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ओडिया फ्लाईंग  
क्लब लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० एस० ओ० 75-3721 (2)—कम्पनी अधिनियम  
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में  
एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन  
मास अवसान पर ओडिया फ्लाईंग क्लब लिमिटेड का नाम,  
इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से  
काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी  
जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्रीक्षेत्रा कन्सट्रक्शन  
कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 23 नवम्बर 1969

सं० एस० ओ० 50-390-3770 (2)—कम्पनी  
अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के  
अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस  
तारीख से तीन मास अवसान पर श्रीक्षेत्रा कन्सट्रक्शन  
कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकूल कारण  
दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और  
उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और उत्कल केबलम इन्डस्ट्रीज  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० एस० ओ० 3750 (2)—कम्पनी अधिनियम  
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में  
एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन  
मास अवसान पर उत्कल केबलम इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड  
का नाम, इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो  
रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित  
कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भगवति एन्ड कम्पनी  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० एस० ओ० 3778 (2)—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में  
एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन  
मास अवसान पर भगवति एन्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड  
का नाम, इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो  
रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित  
कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सिगमा सिटल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० एम० ओ० 386-3776 (2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास अवसान पर सिगमा सिटल प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित्त कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और उत्कल केमिकल एण्ड आयल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० एम० ओ० 3772 (2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास अवसान पर उत्कल केमिकल एण्ड आयल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित्त कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आपरन मिलन प्राइवेट लिमिटेड के लिए में

कटक, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० एम० ओ० 3774 (2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास अवसान पर आपरन मिलन प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित्त कर दी जाएगी।

डी० के० पाल  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
उड़ीसा

मैसर्स एकमी फारनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1936 की धारा 445 (2) के अन्तर्गत नोटिस।

दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० 3153-13804—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 7-2-1969 के आदेश से मैसर्स एकमी फारनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप्त होना, आवेक्षित हुआ है।

एस० पी० बक्षी  
कम्पनी रजिस्ट्रार  
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 व मै० ट्रस्ट एसोमिएशन ऑफ दी इन्डिया चर्च काउन्सिल आफ दी डिमाइप्लिस आफ फ्राइस्ट, जबलपुर के मामले में

ग्वालियर, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं० 1025/यादव/4212—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत, एतद्वारा, सूचना दी जाती है कि मै० ट्रस्ट एसोमिएशन आफ दी इन्डिया चर्च काउन्सिल आफ दी डिमाइप्लिस आफ फ्राइस्ट, जबलपुर का नाम, इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन माह की समाप्ति पर, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा, एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 व मै० स्मार्ट इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर के मामले में

ग्वालियर, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं० 970/यादव/4215—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 उपधारा (3) के अन्तर्गत, एतद्वारा, सूचना दी जाती है कि मै० स्मार्ट इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर का नाम, इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन माह की समाप्ति पर, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा, एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 व मै० मोहनलाल एण्ड मोहनलाल (इन्दौर) प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर के मामले में

ग्वालियर, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं० 872/यादव/4218—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत, एतद्वारा, सूचना दी जाती है कि मै० मोहनलाल एण्ड मोहनलाल (इन्दौर) प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर का नाम, इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन माह की समाप्ति पर, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा, एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 व मै० मालवा चाकर कार्पोरेशन लिमिटेड, भोपाल के मामले में

ग्वालियर, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं० 1047/यादव/4221—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत, एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मै० मालवा चाकर कार्पोरेशन लिमिटेड, भोपाल का नाम, इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन माह की समाप्ति पर, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा, एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स बालकृष्ण शाह एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कार्यालय, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० 239-टेक—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मै० बालकृष्ण शाह एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
मध्य प्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एडइनवायस एडवरटार्जिंग एण्ड मार्किटिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में  
नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं० 4880/20298—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एडइनवायस एडवरटार्जिंग एण्ड मार्किटिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जी० बी० सक्सेना  
महायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज, दिल्ली

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ठाकुर चीफ बोर्डस लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं० (706) 78-79/4165—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ठाकुर चीफ बोर्डस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० के० चटर्जी  
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स एम० पी० बाडीया ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1979

सं० 560/194—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि, मैसर्स एम० पी० बाडीया ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स धी सईनेनी ट्रेडिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1979

सं० 560/1280—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स धी सईनेनी ट्रेडिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स दर्शन ट्रेडिंग एण्ड फार्निनाम्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1979

सं० 560/1570—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स दर्शन ट्रेडिंग फार्निनाम्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाथा  
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य,

कार्यालय, कम्पनी पंजीकार, उत्तर प्रदेश

कानपुर, दिनांक 22 नवम्बर 1979

सूचना

सं० 13071/3621-लिक्विड—उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने 1976 की याचिका संख्या 13 पर 18-11-1977 को मैसर्स अल्ट्रावीजन प्राइवेट लिमिटेड 111/98 ए०, अशोक नगर, कानपुर के समापन का आदेश दिया है और कम्पनी के समापक के स्थान पर शासकीय समापक, उत्तर प्रदेश, 33 एक्मन्सटन रोड, इलाहाबाद की नियुक्ति की है।

बी० डी० गुप्ता  
कम्पनी पंजीकार  
उत्तर प्रदेश  
कानपुर

प्रकरण आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० 919—प्रतः मुझे के० सुब्बाराव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० है जो चन्द्रमौली नगर में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुन्टूर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
ठपपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात्—

1. श्री चावा वेंकट कृष्णय्या  
चन्द्रमौली नगर, गुन्टूर।

(अन्तरक)

2. श्री एस० रामय्या,  
चन्द्रमौली नगर, गुन्टूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी  
धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-79 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1274/79 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख 6-9-79  
मोहरः

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 दिसम्बर, 1979

सं० 920—प्रतः मुखे के० सुब्बाराव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी स० स्टेशन रोड, है जो गुन्दूर में स्थित है (और  
इससे उपाखण्ड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गुन्दूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-3-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिये ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित :—

3-366GI/79

1. (1) श्री के० वि० कृष्णमूर्ति  
(2) श्री के० एल० प्रसूनामबा  
(3) के० वि० कनी,  
(4) के० आर० के० मूर्ति  
(5) माधवीलता 1-1-212, चिकडपल्ली,  
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री गुममन्डी, वेंकटरामय्या,  
श्यामल दास, अग्रहारम, गुन्दूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

गुन्दूर, रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्षिक अंत 31-3-79 में  
पंजीकृत दस्तावेज सं० 1532/79 में निगमित अनुसूची  
संपत्ति ।

के० सुब्बाराव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- काकीनाडा

तारीख : 6-9-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० 921—अतः मुझे के० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 2 है, जो तेनाली में स्थित है  
(और इससे उगावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्री होती, अधिकारी के कार्यालय बाड तेनाली में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
20-3-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. बि तेनालि श्री रामासिगेश्वारा  
राइस फेक्ट्री, लिमिटेड,  
डायरेक्टर, जगनमोहन राव  
7/80, आडीपेट गुन्दूर।

(अन्तरक)

2. श्री जुलूरि सुब्बाराव  
पार्टनर, सप्त गिरि दाल मिल  
बालाजी राव पेट, तेनाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तेनाली रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अतः 31-3-79 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 592/79 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 6-9-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अक्टूबर, 1979

सं० 940—अतः मुझे वि० वि० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रतीन तारीख 1-3-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) निडमूर्ति सरस्वती, मलापोर, मद्रास,  
(2) श्रीमती परसा शारदा, विजयवाड़ा,  
(3) श्रीमती तल्ला प्रगडा भारती विजयवाड़ा  
(4) श्रीमती कोलनुकुडुरु बाणी टी० नगर, मद्रास  
(5) निडमूर्ति, राम चन्द्रराव मैलापोर, मद्रास  
(अन्तरक)
2. (1) कोनेर रमेश कुमार, विजयवाड़ा  
(2) कोनेर मुरली क्रिष्णा, विजयवाड़ा  
(3) को नेर विजयकुमारा, विजयवाड़ा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1294/79 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

वि० वि० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 10-10-79  
मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एन०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अक्टूबर, 1979

सं० 941—अतः मुझे वि० वि० सुब्बाराव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है  
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-3-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वर्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से ऐसे  
वर्तमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए ठग पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब  
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री धुक्कापल्ली, अमर कुमार,  
विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स पापुलर शु मार्टे,  
विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ता-  
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक 31-3-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1926 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

वि० वि० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 10-10-79  
मोहर :



प्रकरण आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 10 अक्टूबर 1979

सं० 943—अतः मुझे वि० वि० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो काकिनाडा में स्थित है  
(और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-3-79  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री के० लक्ष्मि, काकिनाडा
- (2) ए० के० राजेस्वरि,
- (3) बैलूरी मोहन राव और
- (4) बैलूरी सावित्रम्मा, काकिनाडा
- (5) बैलूरी राम कृष्ण राव

(अन्तरक)

2. मैसर्स मनासा एंटर प्राइसेज काकिनाडा ।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धांधले :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा धमोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-79 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1183 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

वि० वि० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकीनाडा

तारीख : 10-10-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अक्टूबर, 1979

सं० 944—अतः मुझे वि० वि० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो नूजवीडु में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नूजवीडु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-3-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाविले में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. (1) श्री एम० श्रीनिवास अप्पारावु, मद्रास  
(2) एम० वि० एस० अप्पारावु मद्रास  
(3) एम० रघु अप्पारावु, मद्रास  
(4) के० कौसल्या अप्पाराव, मद्रास  
(5) एम० जगदीश्वरम्मा, मद्रास  
(6) जे० जयश्री कुमार, मद्रास  
(7) एम० वि० जीतम, अप्पारावु, मद्रास (अन्तरक)
2. (1) रजिस्ट्रार, अंध्रा यूनिवर्सिटी, विशाखापत्तनम  
(2) प्रेसिडेंट और करसपांडेंट, चर्मा अप्पारावु, कालेज नूजवीडु। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नूजवीडु रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक 15-3-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 622 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

वि० वि० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख 10-10-79  
मोहर:

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

सं० 945—अतः मुझे बी० वि० सुब्बाराव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 36-8-33 है जो काकिनाडा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-3-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जालनादेवी एलिमांस जलनादेवी,  
काकीनाडा।

(अन्तरक)

2. श्री नल्लमिल्लि वीरा राधवरेड्डी,  
काककीनाडा।

(अन्तरिती)

कोयह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

काकिनाडा, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-3-79 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1587 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बी० वि० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 17-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

सं० 946—यतः मुझे बी० वि० सुब्बाराव

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 19-4-34 र तथा जो काकीनाडा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-3-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चद्व प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को,  
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में;  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. श्री पि० राज गोपाल,  
प्रभाकर स्ट्रीट, काकीनाडा ।

(अन्तरक)

2. (1) डाक्टर वड्डि वेंकटेश्वर राव काकीनाडा  
(2) डाक्टर वड्डि पदमाराव, काकीनाडा ।

(अन्तरक)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

काकीनाडा, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक 31-3-79 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1489/79 में निगमति अनुसूची सम्पत्ति

बी० वि० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, काकीनाडा

तारीख 10-10-79

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एलमचलि बसवा राव, विजयवाडा।
- (2) एलमचलि राधा कृष्ण, विजयवाडा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री पि० भास्कर मूर्ति, विजयवाडा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अक्टूबर, 1979

सं० 947—अतः मुझे बी० वि० सुबराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—366GI/79

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा, रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 31-3-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1870 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बी० वि० सब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख 10-10-79  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

सं० 948—अतः मुझे बी० वि० सुब्बाराव  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
 के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से अधिक है  
 और जिसकी सं० है जो काकिनाडा में स्थित है (और  
 इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
 कर्ता अयधकारी के कार्यालय काकिनाडा में रजिस्ट्रीकरण  
 अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-3-79  
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्तिओं  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री डि० अंपा अप्पाराव, काकिनाडा  
 (2) श्रीमती डि० कृष्णकुमारी, काकिनाडा और  
 (3) श्रीमती लक्ष्मराजू शेषा कुमारी, काकीनाडा  
 (अन्तरक)

2. जी० आर० लोखी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
 अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक 31-3-79 में  
 पंजीकृत दस्तावेज-नं० 1535 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बी० वि० सुब्बाराव  
 सशम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख 10-10-79  
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 69-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

सं० 949—अतः मुझे बी० वि० सुब्बाराव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 32321 है जो तनुकु में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय तनुकु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
वायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० डी० सत नारायण ,  
तनुकु ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ईमंदि कन्वाम्मा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आग्रह :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20 में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

तनुकु रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्षिक अंत 31-3-79 में  
पंजीकृत वस्तावेज सं० 547 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

बी० वि० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख 10-10-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अक्टूबर, 1979

सं० 950—अतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो पितापुरम में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पितापुरम में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रातफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिदव में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. (1) श्री बोंगु नारायणम्मा, पितापुरम  
(2) श्रीमती तिरुपति, रामायम्मा राजमंडू।  
(3) श्रीमती बोंगु नागरत्नम, मद्रास  
(4) टि० जानकि, विजयनगरम

(अन्तरक)

2. (1) चक्का पल्ली विष्णु मूर्ति  
(2) चक्कापल्ली सत्या नारायण  
(3) चक्कापल्ली पापायम्मा  
(4) चक्कापल्ली पदमावति

गोल्लाप्रोलु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पितापुरम, रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक 31-3-79 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 289 में निगमति अनुसूची संपत्ति।

बी० वि० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख 10-10-79

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अक्तूबर 1979

1. (1) श्रीमती बोंग नारायणम्मा, पितापुरम।  
(2) श्रीमती निरुपति रामायम्मा, राजमंड़ी  
(3) श्रीमती बोंगु नारायणम्मा मद्रास  
(4) फोने, सत्यतनि, पितापुरम  
(5) टि० जानकि विजयनगरम।

(अन्तरक)

2. (1) बंडि चेंद्राव, माववापुरम, पितापुरम तालुक  
(2) श्रीमती बंडि बुच्चिराजू।

(अन्तरिती)

सं० 951—अतः मुझे बि० वी० सुब्बाराव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो पितापुरम में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पितापुरम में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 79  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) का बाव ऐसे अन्तरण के निर्णय या  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्ति  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए की जाती है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पितापुरम, रजिस्ट्री अधिकारी में पाक्षिक अंत 31-3-79 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 366 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख 10-10-79

मोहर :

प्रकृष माई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अक्तूबर, 1979

सं० 952—अतः मुझे वि० वि० सुब्बाराव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो विजयनगरम में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयनगरम में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-3-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

1. (1) श्री या लंगड्डा शेषय्या विजयनगरम, ।
- (2) यालंगड्डा श्री रामुलु, विजयनगरम

(अन्तरक)

2. मेसर्स वाणी एंटर प्रैसज, विजयनगरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोद्वेष्टाओं  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विजयनगरम रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 31-3-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 572 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

वि० वि० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख 10-10-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/11-79/1104—

अतः मुझे डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 104, आफिस फ्लैट पहली मंजिल सिनेमा कम्पलेक्स बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-3-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स डी० एल० एफ० यूनिट लिमिटेड,  
[21-22, नरेन्द्र प्लेस, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

2. (1) एस० हरभजन सिंह  
(2) एस० इन्द्र सिंह,  
(3) गुरुदर्शन सिंह और  
(4) डा० कल्याण सिंह सुपुत्र श्री हरनाम सिंह सचदेव  
एस/490-ए, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शर्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्तावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस फ्लैट नं० 104 (पहली मंजिल) सिनेमा कम्पलेक्स बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली। प्रापटी निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : 40 फुट सड़क  
पश्चिम : 80 फुट सड़क ग्रेटर कैलाश II, कालोनी  
उत्तर : चिराग दिल्ली कालका जी रोड,  
दक्षिण : ग्रेटर कैलाश II (निवास प्लॉट नं० ई/588 और ई० 615)

डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, दिल्ली, I नई दिल्ली-1

तारीख: 23-11-79  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ए/1105/11-79/—अतः  
मुझे, डी० पी० गोयल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० एग्रीकल्चरल लैंड, 25 बीघा 2 विश्वास) है  
तथा जो गांव आजनापुर, तहसील मेहरोली, डिस्ट्रिक्ट दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख मार्च, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुन्दर लाल, एन० 124, पंचशीला पार्क,  
नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. मास्टर तुसार पाठक (माईनर) सुपुत्र श्री कृष्ण पाठक  
गांव मोरीया, डिस्ट्रिक्ट अलीगढ़  
द्वारा पिता श्री कृष्ण पाठक,  
वर्तमान निवासी फाऊद अब्बास विला, नं० 2,  
जुमेर, दुबई (यू० ए० ई०) । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाग लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वादों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम', के अनुयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उन अनुयाय में दिया गया है

### अनुसूची

एग्रीकल्चरल जमीन क्षेत्रफल 25 बीघा 2 विश्वास स्थित  
गांव आजनापुर, तहसील मेहरोली देहली स्टेट देहली । निम्न प्रकार  
से स्थित है ।

किलानं० 6/2, क्षेत्रफल 1 बीघा 13 विश्वास  
किलानं० 7/2 क्षेत्रफल 1 बीघा 13 विश्वास  
किलानं० 8/2 क्षेत्रफल 4 बीघा 12 विश्वास  
किलानं० 9/2 क्षेत्रफल 3 बीघा 16 विश्वास  
किलानं० 13 क्षेत्रफल 4 बीघा 16 विश्वास  
किलानं० 14 क्षेत्रफल 4 बीघा 16 विश्वास  
किलानं० 15 क्षेत्रफल 3 बीघा 16 विश्वास

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23-11-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
द्वारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/L-1106/11-79—

अतः मुझे डी०पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० एग्रीकल्चरल लैंड 22 बीघा 8 विश्वास है तथा  
जो गांव जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण भिन्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल  
में कमी करने या उससे बचने में युक्तिवा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तः-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में युक्तिवा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में,  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित यक्तियों, बर्दाद :—

3-366GI/79

1. श्रीमती प्रेम मोहोनी लाल

एन-124, पंचशीला पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. कुमारी शारदा पाठक (माईनर) सुपुत्री श्रीकृष्ण पाठक  
गांव मोरिया डिस्ट्रिक्ट अलीगढ़ और उसके पिता  
श्री कृष्ण पाठक, वर्तमान पता : फाऊद अब्बास  
विलानं० 2, जुमेर दुवई (यू० ए० ई०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एग्रीकल्चरल लैंड क्षेत्रफल 22 बीघा 8 विश्वा को  
पार्सिंग निम्न खसरा नं० स्थित जोहनापुर तहसील मेहरौली,  
डिस्ट्रिक्ट देहली।

किला नं० 17 क्षेत्रफल 5 बीघा 215 विश्वा

किलानं० 18 क्षेत्रफल 4 बीघा 16 विश्वा

किलानं० 22 क्षेत्रफल 4 बीघा 9 विश्वा

किलानं० 23 क्षेत्रफल 4 बीघा 9 विश्वा

किला नं० 24 क्षेत्रफल 2 बीघा 19 विश्वा

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली

तारीख : 23-11-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/I/1109/11-79—अतः मुझे डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बी-4/129 है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उपाय:—

1. श्रीमती ऊमा अरोह,

गली नं० 2, मकान नं० 4970, शिव नगर, करोल बाग नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री अमरीत लाल सेठी,

निवासी बी 4/124, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रापटी नं० बी-4/129, पार्ट 2 एरिया 100 वर्ग गैज जो स्थित है अमर कालोनी, लाजपत नगर, 4, नई दिल्ली ।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नई दिल्ली

तारीख: 23-11-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/1109/11-79—

अतः मझे डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 1एच/10, है तथा जो कालका जी नई दिल्ली  
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख मार्च 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कृष्ण त्रिमबक गनगुली  
14/10, कालका जी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. डा० सुखदेव सहगल  
ए-1/2, पंचशील ईनकलेव,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो कि लीज होल्ड प्लॉट पर क्षेत्रफल 1560 वर्ग  
फिट में स्थित है नं० 14/10, कालका जी, नई दिल्ली-19।

डी० पी० गोयल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 23-11-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी०एन० एम०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/ I/1111/11-79—

अतः मझे डी० पी० गोयल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी संख्या बी-4/58 है तथा जो अमर कालोनी लाजपत  
नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 5-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी मांग से किया जा या अन्य भास्त्रियों  
को, एवं अन्तर अधिनियम, 1922  
(1922 का 17) के अन्तर्गत अधिनियम, या  
अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती साकुन्तला देवी खन्ना धर्मपत्नी स्वर्गीय  
श्री कशतुरीलाल निवास स्थान आर० जेड०  
273/ए तुगलकाबाद ऐक्सटेन्शन कालोनी  
(कालकाजी) नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुदीप कोर धर्मपत्नी वीर सिंह निवास स्थान  
बी० 4/58, अमर कालोनी, लाजपत नगर-नई  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष  
रूप से लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रोपर्टी नं० बी० 4/58, अमर कालोनी, लाजपत नगर  
नई दिल्ली निम्न प्रकार से स्थिति है। क्षेत्रफल 100 वर्ग गज  
नोर्थ प्रोपर्टी नं० बी-4/57  
साऊथ प्रोपर्टी नं० बी-4/57  
ईस्ट सर्विस लाइन  
वेस्ट रोड

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रैंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23-11-79

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/1113/11-79—

अतः मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या दुकान नं० 4 है तथा जो सेन्ट्रल मार्केट लाजपत नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री नरेन दास पु० श्री भोजराज निवासी II-एफ/99, लाजपत नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) श्री अरुण कुमार पुत्र श्री किशन लाल निवासी बी० 5 को० ओ० सोसायटी, एन० डी० एस० ई०-1 नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)
- (3) श्री सुरेश पारुधी बी० आई० लेन मेरठ कैन्ट

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक दुकान नं० 4 जिसका क्षेत्रफल 263 वर्ग फीट है तथा जो सेन्ट्रल मार्केट लाजपत नगर में स्थित है।

डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर० III/3-79/1114—अतः मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या डी०-16/5 है तथा जो होजखास एन्क्लेव नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),<sup>1</sup> रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) श्रीमती रानीचन्दा कुनवर्हा पत्नी स्व० में० जनरल महाराज श्री हिम्मत सिंह जी निवासी डी-16/ई० होज खास, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री प्राण नाथ सरीन 4, डाक्टर लेन, गोल मार्केट, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

2 1/2 मंजिला मकान जो प्लॉट नं० 16 ई० ब्लॉक नं० डी० होज खास इन्क्लेव नई दिल्ली क्षेत्रफल 275 वर्ग गज जिसकी सीमायें निम्न प्रकार हैं।

उत्तर प्लॉट नं० डी-16/डी०

दक्षिण प्लॉट नं० डी-16/ई०

पूर्व सड़क

पश्चिम सविस् लेन

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/1118/11-78/—

अतः मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-150 है तथा जो डिफेंस कालोनी नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मेसर्स पंजाब तेल डिस्ट्रीब्यूटिंग कम्पनी, प्राइवेट लिमिटेड, थो श्री एस० एस० साहनी डाईरेक्टर सी-150 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री किरत सिंह सुपुत्र श्री अमर सिंह केयर ओफ मेसर्स जेनिथ साड़ी हाऊस, 2402-03 हरद्वान सिंह रोड, कारोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अग्रिम या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो थी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ठाई मंजिला मकान नं० सी० 150 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 401 वर्गगज, निम्नप्रकार से स्थिति है।

ईस्ट	प्रोपर्टी नं० सी-151
वेस्ट	रोड
नोथ	रोड
साऊथ	सर्विस लेन

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 23-11-1979

मीहूर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० चक्रवर्ती, 177, जोर बाग, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री ए० एन० भण्डारी, पदम भण्डारी 13-बी,  
सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली और एस० भण्डारी,  
6 पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/1126/11-79/—

अतः मुझे, डी० पी० गोयल

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।और जिसकी संख्या है तथा जो खेती की भूमि क्षेत्रफल 31 बीगा  
9 बिस्वा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
गांव महरोली नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-3-1979  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खेती की भूमि क्षेत्रफल 31 बीगा 9 बिस्वा और बर्रिंग  
नीचे लिखे खसरा नम्बर में एरिया गांव महरोली, तहसील  
महरोली, नई दिल्ली।

खसरा नं०	एरिया बिगा	एरिया बिस्वा
2248/2141/577	4	6
2142/2058/577	8	2
2249/2141/577	3	19
2247/2141/677	5	9
	31	8

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्स्थिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 28-11-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली]

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० III/  
3-79/1131—अतः मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या एस-453 है तथा जो ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5 मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 16 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाम की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बाविल में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाम या किसी धन या धन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों-वर्षात् :—

6-366 GI/79

1. श्री राजवीर सिंह साधू ए० ऐटोर्नी डा० रणधीर सिंह साधू, एस-453 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरल सुधन, 5 टोलस्टय मार्ग, नई दिल्ली-110001।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 1/2 मंजिला मकान नं० 5 एस-453, जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज जो स्थित है ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल  
सहायक प्राधिकारी,सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, 23 नवम्बर 1979

निर्देश नं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-III/3-79/  
11136—अतः मुझे डी० पी० गोयल

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नलिखित उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो खेती की भूमि क्षेत्रफल 15 बिगा  
और 10 बिस्वा में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में  
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गांव सतवरी तहसील महीली, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 28 मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें घायकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम सिंह, ज्ञान सिंह, भूप सिंह सपुत्र मोहन ला  
और भगत सिंह सपुत्र मोहन लाल फार सेल और  
एडोर्नी आफ महावीर सिंह और सुखवीर सिंह सपुत्र  
होशियार सिंह निवासी गांव मेदानगरगी, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) श्री विजय नारायण सपुत्र स्वर्गीय सेठ जगत नारायण  
निवासी 6ए, जन्तर मन्तर रोड, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

खेती की भूमि एरिया 14 बिगा और 10 बिस्वा, खसरा  
नं० 320 (4-16), 321 (4-4), 323 (5-10), में स्थित  
है गांव सतवरी, तहसील महीली, नई दिल्ली ।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110001

तारीख : 23-11-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-II/

3-79/1137/—अतः मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी संख्या है तथा जो खेती की भूमि क्षेत्रफल 14 बिगा, 6 बिस्वा में स्थित है (और इससे 'उपावद्ध अनुसूची' में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांव सतवरी, तहसील महरोली, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12 मार्च 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कि गया :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री रामसिंह, ज्ञान सिंह, भूपसिंह, सपुत्र मोहन लाल; और भगत सिंह सपुत्र मोहन लाल, एटारनी आफ महावीर सिंह और मुखवीर सिंह सपुत्र होशियार सिंह निवासी गांव मेन्धनगढ़ी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) श्री विजय नारायण सपुत्र स्वर्गीय सेठ जगत नारायण, निवासी 6ए, जन्तर, मन्तर रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खेती की भूमि एरिया 14 बिगा और 6 बिस्वा, खसरा नं० 317 (3-18), 318 (4-16), 319 (4-4), 327 (1-बी), में स्थित गांव सतवरी, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-11-79  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/1154/11-79/—

अतः मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ई-28 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अतिसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओम प्रकाश अग्रवाल सपुत्र स्वर्गीय श्री रघुवीर प्रसाद और श्रीमती हेमलता धर्म पत्नी ज्ञानचन्द अग्रवाल निवासी ए-15/7, बसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हर भजन कौर पत्नी एल० एल० पुरी निवासी सी-139, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर चसूना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतिसूची

प्लॉट न० ई-28 क्षेत्रफल 250 वर्ग गज में ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेंट रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-79

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/1155/11-79/—

अतः मूले डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या एग्रीकलचरल लेन्ड 19 विधा 4 विस्था है तथा जो गांव देहरा मन्डी देहली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-3-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बाधिर्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम चन्द्र सपुत्र श्री अमन देहरा मन्डी, देहली।  
(अन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्द्र सपुत्र सीता राम निवासी ऊषा फार्मस भाटी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एग्रीकलचरल भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 विधा 4 विस्था मुमतातील नं० 49, किला नं० 13 (4-16), 14 (4-16), 17 (416) और 17 (4-16) देहरामन्डी देहली।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/  
3-79/11561—अतः मुझे डी० पी० गोयल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी संख्या ऐग्रीकलचरल लेन्ड 12 बिघा 8 बिस्वा है  
तथा जो देहरा मन्डी दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-3-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम चन्द्र सपुत्र श्री अमन निवासी देहरा मन्डी  
देहली।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीशचन्द्र सपुत्र श्री सिताराम निवासी ऊषा  
फार्मस नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में शन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऐग्रीकलचरल भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिघा 8 बिस्वा  
मुसतातील नं० 49 किला नं० 23 ऐरिया (4-16) किला नं०  
3 ऐरिया (4-16) और मुसतातील नं० 78 किला नं० 8/1  
ऐरिया (2-16) गांव देहरा मन्डी, देहली स्टेट देहली।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I देहली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री लेखराम सपुत्र श्री खिमी निवामी देहरा मन्डी, दिल्ली।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री सतीश चन्द्र सपुत्र सीता राम, ऊषा फार्म, भटी दिल्ली

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 देहली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०- /

3-79/1157/—अतः मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो खेती की भूमि क्षेत्रफल 7 बिका 5 बिस्वा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांव देहरा मन्डी, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की भूमि क्षेत्रफल 7 बिका 5 विश्वास के मुस्ततिल नं० 78 किला नं० 4 (4-16) और किला नं० 7 (2-9) के गांव देहरा मन्डी, दिल्ली स्टेट, दिल्ली

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-11-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/1159/11-79/—

अतः मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 16 (ग्राउण्ड फ्लोर है तथा जो कमर्शियल कॉम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली-48 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अक्षरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अक्षरक (अक्षरकों) और अक्षरिती (अक्षरितियों) के बीच ऐसे अक्षरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अक्षरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अक्षरक से हुई किसी धाय की शक्ति उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्षरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अक्षर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्षरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) मेमर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22, नरेन्द्र प्लेस, पारलियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुधा जयपुरिया सी-46, एन० डी० एस० ई०-II, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धर्मोद्देश्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० : 16, ग्राउण्ड फ्लोर, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश, 2, नई दिल्ली निम्न प्रकार से स्थित है।

ईस्ट अक्षर भूमि

वेस्ट सिनेमा

नोर्थ कालका जी रोड

साऊथ ओ० एल० एफ० सिनेमा कॉम्प्लेक्स

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-11-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1160/11-79/—

अतः मुझे डी०पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 1 (निचली मंजिल) है तथा जो कमणियल काम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

7—366GI/79

(1) मेमर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स,  
21-22, नरेन्द्रा पौलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभा सुकानी, बी-31 कैलाश एपार्टमेन्ट,  
कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— उपर्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकान नं० : (ग्राउन्ड फ्लोर) कमणियल काम्प्लेक्स,  
ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली निम्न प्रकार से है।

ईस्ट अदर भूमि  
वेस्ट मिनेमा  
नार्थ कालकाजी रोड  
माऊथ डी० एल० एफ० मिनेमा काम्प्लेक्स

डी० पी० गोयल

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/II/1161/11-79/—

अतः मुझे डी० पी० गोयल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 6 (ग्राउन्ड फ्लोर) है तथा जो कर्मशियल काम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धुन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वाङ्ग :—

(1) मेसर्स डी० एल० एफ० बिन्डर्स, 21-22 नरेन्द्रा प्लेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स इन्द्रा प्रसथा, 8 इन्डियन तेल, भवन, जनपथ, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० : 6 ग्राउन्ड कर्मशियल काम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश 2, नई दिल्ली जो निम्न प्रकार से है।

ईस्ट अदर भूमि

वेस्ट सिनेमा

नार्थ काम्प्लेक्स

साउथ डी० एल० एफ० सिनेमा काम्प्लेक्स

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/1163/11-79/—

अतः, मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-223 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री डी० पी० सेठ, पुत्र स्वर्गीय श्री सी० एल० सेठ, निवासी-223 ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्री जे० जी० खाना, पुत्र स्वर्गीय श्री आर० जी० खाना निवासी, सी-140, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका नं० ई-223, ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में जिसका क्षेत्रफल 251 वर्ग गज के केन्द्र में निम्न प्रकार से स्थित है :—

उत्तर = ई-221 मकान

दक्षिण = ई-225 मकान

पूर्व = सर्विस लेन

पश्चिम = सड़क

डी० पी० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-1979

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/1165/11-79/—

अतः मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि क्षेत्रफल 32 बीघा 1 बिस्वा है तथा जो गांव गदईपुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परम प्रविशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मेजर जनरल एस० एन० भाटिया  
पुत्र आर० बी० आर० एन० भाटिया व उनकी पत्नी श्रीमती सावित्री भाटिया निवासी डी० 430 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री भूपिन्दर सिंह पुत्र बरयाम सिंह  
त्रिलोक सिंह चेल व ध्यान सिंह सुपुत्र श्री हरपाल सिंह व अमर सिंह पुत्र लहना सिंह गांव भानपुर  
ग्रोजा, तहसील बिलासपुर, रामपुर (उ० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 32 बीघा 1 बिस्वा (लगभग 6.7 एकड़) गांव गदईपुर, दिल्ली में स्थित है।

डी० पी० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-79

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/1167/11-79—

अतः मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या बी०-25 है तथा जो नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन पार्ट-I नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री गुरुवचन सिंह, पुत्र श्री सन्डा सिंह  
निवासी 89, हेमकंता, नीथर नहर प्लेस  
नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्री करतार चन्द नारंग पुत्र श्री मूल चन्द और श्री बलदेव राज नारंग पुत्र श्री करतार चन्द निवासी  
बी-25, एम० डी० एम० ई० पार्ट-I नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रोपर्टी नं० बी-25 जिसका क्षेत्रफल 206 वर्ग गज नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन पार्ट I नई दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख : 23-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यु०/I/1168/11-79/—

अतः, मुझे डी० पी० गोयल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो क्षेत्रफल 8 बीघा 10 बिस्वा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांव मुलतान पुर नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री किरत सिंह सुपुत्र सरदार कुर्बान सिंह निवासी 244, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्री धनवीर सिंह मोदी सुपुत्र श्री दयाल सिंह मोदी निवासी एल-19, कालका जी नई दिल्ली-19।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रुतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की भूमि क्षेत्रफल 8 बीघा 10 बिस्वा खसरा नं० 50 मिन ईस्ट (4-7) और 52 मिन ईस्ट (4-3) में टेप-बेल और चारदीवारी बेल गांव मुलतानपुर नई दिल्ली

डी० पी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० २२००—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/1172/11-79---

अतः मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 265 है तथा जो गुलमोहर एवेन्यू, जामिया नगर ओखला नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती वेगम सयीदा खुरमीद धर्मपत्नी खुरमीद आनम, खान निवासी 2-मोतीनाल नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री चौधरी मुख्तार ग़ुलाम खान सुपुत्र चौधरी अब्दुल माजिद खान निवासी 2068 कूचा नाहार खान, दरियागंज, देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक डबल स्टोरी मकान जिसका म्यूनिसिपल नं० 265 है जो गुलमोहर एवेन्यू, जामिया नगर, ओखला नई दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 1052.76 वर्ग मिटर निम्न प्रकार से स्थित है।

ईस्ट प्रोपर्टी एम० मुजिब

वेस्ट रोड

नार्थ प्लॉट नं० 4 और 5

साउथ प्रोपर्टीज श्रीमती गाहजहां वेगम और श्री सालमन खुरमीद

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-11-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/1172/11-79—

अतः, मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लेट नं० 6 ए (दूसरी मंजिल) कोमणियल, कम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारम्बारिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिष्व में कमी करने या उससे बढ़ाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन वास्तुओं की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धार्याः—

(1) मैसर्स डी० एल० एफ० बिल्डर्स नरेन्द्रा पेल्लेस  
कालियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमृत कौर धर्मपन्नी ओंकार सिंह 8ए/47  
उल्लू० ई० ए० करोलबाग, नई दिल्ली  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धायेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उर्ध्वों का, या उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 6ए (दूसरी फ्लोर) कोमणियल कम्प्लेक्स  
ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली-110048 जो निम्न प्रकार से है।

ईस्ट	आदरलैंड
वेस्ट	सिनेमा
नार्थ	कालकाजी
साऊथ	डी० एल० एफ० सिनेमा कम्प्लेक्स

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110001

तारीख: 23-11-79

मोहर:

प्रकृष आर्ई० टी० एन० एस० —

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आर्ई० ए० सी०/एक्यू०/I/3-79/1177—

अतः मुझे, डी० पी० गोयल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 7 (ग्र० फ०) है तथा जो सिनेमा  
कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश II नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपा-  
वृद्ध अनुसूचों में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निम्न;  
घोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, भायकर अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः :—

8—366GI/79

(1) मै० डी० एम्० एफ० युनाइटेड  
लि० 21-21, नरेन्द्रा पौनेम, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शुष्मा खन्ना पति श्री चन्दर मोहन खन्ना  
इ-56, ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

दुकान नं० 7 (ग्राउन्ड फ्लोर) सिनेमा कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश  
II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है

पूर्व 40 फुट चौड़ी सड़क

पश्चिम 40 फुट चौड़ी सड़क ग्रेटर कैलाश II की

उत्तर चिराग दिल्ली कालका जी रोड

दक्षिण रिहायशी प्लॉट नं० ई-588 ब ई-615 ग्रेटर कैलाश  
-II दिल्ली

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०-III/  
3-79/1178—अतः मुझे, डी० पी० गोयलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी संख्या 'दुकान नं० 10 (प्र० फ०) है तथा जो  
मिनेमा कम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II में स्थित है (और इससे उपा-  
वद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 मार्च 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरक से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—(1) डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड  
21-22, नरेन्द्रा प्लेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई  
दिल्ली-110001

(अन्तरक)

(2) श्री हरीश कुमार पासनी निवासी सी/171, ग्रेटर कैलाश  
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।व्याख्या:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 10, ग्राउन्ड फ्लोर क्षेत्रफल 302.2 स्क्वयर  
फीट में स्थित है मिनेमा कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-11-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/1189/11-79--  
यतः मुझे डी०पी० गोयल  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० ई-572 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश नं० II, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 27-3-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक प्रन्तरण न किए  
गये पाए गए संकेत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में प्रस्तुत है। नोट नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी वन या अन्य प्रास्थियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमती रनजीत माहनी धर्म पत्नी श्री छत्तरसिंह माहनी  
निवासी 65/40, नई रोटहक रोड, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. ईश्वर चन्द गुप्ता,  
23/2, युसुफ मराय, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एक फ्री होल्ड रेजिडेंशियल प्लॉट नं० 572 ब्लॉक नं० ई  
क्षेत्रफल 550 वर्ग गज, 459-87 वर्ग मीटर, स्थित ग्रेटर  
कैलाश, नं० II, जोकि चिराग दिल्ली रोड, रेवेन्यू स्टेट, गांव  
बाहापुर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

ईस्ट : सविस लेन  
वेस्ट : रोड  
नार्थ : प्लॉट नं० ई-574

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली

तारीख : 23-11-79

मांहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/1218/11-79—

यतः, भुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एग्रीकल्चरल लैंड 333 बीघा 12 विश्वास है तथा जो गांव तमेहरोली नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1979 में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरपाल सिंह, सुपुत्र स्वर्गीय श्री एस० मारबजीतसिंह जनरल एटार्नी, श्री दिलशेर सिंह निवासी यूनाइटेड स्टेट आफ अमेरिका।

(अन्तरक)

2. मास्टर अरविन्द गोतका, और मास्टर अमीताबा गोतका निवासी 30 मूर्ति मार्ग, वसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह पूर्ण जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अव्यवस्थाधारी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टुकड़ा भूमि का जमका क्षेत्रफल 33 बीघा 12 विश्वास, किला नं० 19 (4-16), 20 (4-16), 21 (3-11), 22 (4-5), तथा 30 (1-16), रिटनगल नं० 29 और किला नं० 1 (4-16), 2 (4-16), 10 (2-8) और 9-2 (8) of Rect. No. 46 जोकि कन्स्ट्रक्शन और ट्यूब वेल स्थित हद बसट नं० 31, रिवेन्यू स्टेट गांव मेहरोली, वेहली।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली

तारीख 23-11-79

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/III / 1234/11-79—

यतः मुझे डी० पी० गोंयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० एग्रीकल्चरल लैंड, 17 बीघा 4 बिघवा है तथा जो फार्म मकान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1979 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनमोहन अहुजा सुपुत्र श्री हरी मोहन अहुजा निवासी एक्स-3, हीज खाम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स तेज प्रोप्राइटर्स प्राईवेट लिमिटेड,  
23, जोरबाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एग्रीकल्चरल भूमि साथ फार्म मकान, खमरा नं० 1018, 1021, 1026, 1027, 1034/2, 1035 और 1036, कुल एरिया 17 बीघा 4 बिघवा।

डी० पी० गोंयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 23-11-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/1235/11-79—अतः

मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12 है तथा जो जयपुर इस्टेट, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31 मार्च, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण से उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सावित्री देवी, पत्नी श्री राम रखा कुस्टार निवासी, 12-जयपुर इस्टेट, पूर्वी निजामुद्दीन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. डा० सुरेश गुप्ता, पुत्र श्री आर० बी० सिन्धो प्रसाद निवासी बी-48, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक ढाई [संजिला मकान नं० 12, जिसका क्षेत्रफल 616.22 वर्ग गज जोकि जयपुर इस्टेट, पूर्वी निजामुद्दीन में स्थित है ।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 27-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्स०/1170/11-79-यतः मुझे  
डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एम-3 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तिलोचन सिंह, सुरेन्द्र सिंह और श्रीमती अमर कौर  
पु० और पत्नी स्व० श्री एम० निरंजन सिंह  
निवासी 14-बी, फगवारा माडल टाउन, दिल्ली ।  
(अन्तरक)

2. श्री नरेण चन्द्र पुत्र श्री केवल किशन  
निवासी एम-6, ग्रेटर कैलाश (साकिट),  
नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20 में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक प्लॉट नं० एम-3, जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज  
है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित है ।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख : 27-11-79

मोहर :

प्रकरण धाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/1174/11-79---अनः  
मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ई-149 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
मार्च, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि महापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तु-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हूह किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा  
के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती संतोष मैनी,  
85, बल्लभ भाई नगर, इन्दौर  
अव 12-डब्ल्यू० मेन पटेल, रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गुरविन्दर सिंह खुराना  
ई-118, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के  
लिए साधेवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरों  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ई-149, क्षेत्रफल 251 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-II  
नई दिल्ली में स्थित है।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110 002

तारीख : 27-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 5 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 111-350/अर्जन/79-80:—अतः मुझे,  
ज्योतीन्द्र नाथ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० वार्ड सं० 8/15 सर्कील नं०- 23, सीट नम्बर 67  
होल्डींग नम्बर 4 (पुराना) 6 (नया) है तथा जो अशोक राज  
पथ पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 26-3-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे  
वृक्षमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9-366GI/79

(1) श्री अब्दुल मोइज सपुत्र सेख अब्दुल अजीज मुरादपुर  
थाना पीरबहौर पटना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री जय नाथ प्रसाद  
"राधीका निवास", अनुग्रह नारायण रोड़, न्यू  
ऐरीया कवम कुआं जिला--पटना।

(अन्तरिती)

(i) मैसर्स टाप डेलरिंग, मुरादपुर पटना।

(ii) मैसर्स बीग वेन वाचेज, मुरादपुर, पटना।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान का हिस्सा 2 आना 8 पाई जिसका रकबा .37 कड़ी है  
जो मुरादपुर, अशोक राज पथ थाना पीरबहौर पटना में स्थित है  
और पूर्ण रूप से:—दस्तावेज संख्या 1805 दिनांक 26-3-79 में  
वर्णित है और जो जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के  
द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र,  
बिहार, पटना

दिनांक : 5 अक्टूबर, 1979  
मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत, पटना

पटना, दिनांक 5 अक्तूबर, 1979

निदेश सं० 111-350/अर्जन/79-80:—प्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 8 (पुराना) 15 (नया) सफिल नं० 23 सीट नं० 67 होल्डींग नं० 4 (पुराना) 6 (नया) है तथा जो अशोक राज पथ पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-3-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उभय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालूविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उल्टे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित धर्तियों, धर्तियों :—

(1) श्री बीबी सजदा खातुन पत्नि महमद नसीरुद्दीन, महल्ला गुदरी थाना खाजकला, पटना सीटी जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल प्रसाद (2) सुनिल प्रसाद (3) रंजन प्रसाद (4) प्रवेश कुमार गुप्ता सपुत्र श्री जय नाथ प्रसाद राधीकानिवास, अनुग्रह नारायण रोड, न्यू ऐरीया, कदम कुम्भा, पटना-3।

(अन्तरिती)

(3) 1. मेसर्स टॉप टेलरिंग, मुरादपुर पटना।

2. मेसर्स बिग बेन वाचेज, मुरादपुर, पटना।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का हिस्सा 2 आना 8 पाई जिसका रकबा .37 कड़ी है और जो मुरादपुर अशोक राज पथ थाना पीरवहीर पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1808 दिनांक 26-3-79 में वर्णित है और जो जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत,  
बिहार, पटना

तारीख : 5 अक्तूबर, 1979

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 5 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० III-352/अर्जन/79-80:—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० वाई०० 8 (पुराना) 15 (नया), सर्किल नं० 23 सीट नं० 67 होल्डींग नं० 4 (पुराना) 6 (नया) है तथा जो अशोक राज पथ पटना में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-3-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उल्टे करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्मे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री असरफ आलम सपुत्र सेख अब्दुल हमीद महल्ला मुरादपुर, पटना (2) बीबी अनवर खातुन पत्नी गयासुद्दीन हउल, मस्जिद लेन, मुरादपुर पटना (3) बीबी सहदा खातुन पत्नी अब्दुल कलाम हउल पुरानी चौक, कथहा जिला पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनील प्रसाद (2) सुनील प्रसाद (3) रंजन प्रसाद (4) प्रवेश कुमार गुप्ता सपुत्र जय नाथ प्रसाद 'राधोका निवास' अनुग्रह नारायण रोड, न्यू ऐरीया कदम कुआं, पटना ।

(अन्तरिती)

(3) 1 मैसर्स टॉप टेलरिंग मुरादपुर, पटना ।

2 मैसर्स बीग बेन बाचेज, मुरादपुर, पटना ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराया हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान का हिस्सा 2 आना 4 20/33 दाम जिसका रकबा 0.37 कड़ी है जो मुराद पुर अशोक राज पथ थाना पीरवहौर पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1864 दिनांक 28-3-79 में वर्णित है और जो जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है ।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन परिक्षेत्र,  
बिहार, पटना

तारीख : 5-10-79  
मोहर :

प्ररूप आई टी एन एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 5 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० III-353/अर्जन-79-80:— अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० बार्ड नं० 8 (पुराना) है 15 (नया) सर्किल नं० 23 सीट नं० 67 होल्डींग नं० 4 (पुराना) 6 (नया) है, तथा जो अशोक राज पथ पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) श्री जुनेव आलम सपुत्र सेख अब्दुल हमीद महल्ला मुरादपुर थाना पीरबहौर पटना (2) बीबी अशगरी खातुन सपुत्र डा० सेख अब्दुल हमीद, पत्थर की मस्जिद सुलतान गंज, पटना (3) नसीरउद्दीन सपुत्र अली हसन, मुरादपुर थाना पीरबहौर पटना (4) बीबी नूरजहान खातुन पत्नी हैदर खान, सुलतान दानापुर (5) बीबी मोइना खातुन पति नियाज अहमद खान, तरहट्टी बाजार कलकत्ता-39, (6) बीबी सौसबा खातुन पति चिरागउद्दीन, मनदाई रोड़, पत्थर की मस्जिद, पटना। (अन्तरक)

(2) अनिल प्रसाद (2) सुनिल प्रसाद (3) रंजन प्रसाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्य व्यक्ति पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का हिस्सा 1 आना 17½ दाम जिसका रकबा . 37 कड़ी है जो मुरादपुर अशोक राज पथ पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1926 दिनांक 30-3-79 में वर्णित है और जो जिला अवरो निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन परिक्षेत्र,  
बिहार, पटना।

तारीख : 5-10-79

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 5 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० III-354 अर्जन/79-80:—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड नं० 8 (पुराना) 15 (नया) सर्किल नं० 23 सीट नं० 67 होल्डींग नं० 4 (पुराना) 6 (नया) है, तथा जो अशोक राज पथ, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुबं सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-3-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) 1. श्री राजधर आलम सपुत्र सेख अब्दुल हमीद  
2. सुश्री सहिदा खातुन सपुत्री डा० सेख अब्दुल हमीद, मुरादपुर, थाना पीरवहौर, पटना ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री अनिल प्रसाद 2. सुनिल प्रसाद 3. रंजन प्रसाद 4. प्रवेश कुमार गुप्ता सपुत्र जय नाथ प्रसाद 'राधीका निवाश' अनुग्रह नारायण रोड, न्यू ऐरीया कदम कुँआं, पटना ।

(अन्तरिती)

(3) 1. मैसर्स टॉप टेलरिंग मुरादपुर, पटना ।

2. मैसर्स बिग बेन वाचेज, मुरादपुर, पटना ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध हितो अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान का हिस्सा 1 आना 13 $\frac{1}{2}$  दाम जिसका रकबा 0.37 कड़ी है जो मुरादपुर अशोक राज पथ, पटना में स्थित है और जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1877 दिनांक 28-3-79 में वर्णित है और जो जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है ।

ज्योतीन्द्र नाथ,

सक्षम प्राधिकारी,

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,

अर्जन परिक्षेत्र,

बिहार, पटना

तारीख : 5 अक्टूबर, 1979

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एच०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 5 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० III-355/अर्जन/79-80—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 8 (पुराना) 15 (नया) सकिल नं० 23 सीट नं० 67 होल्डींग नं० 4 (पुराना) 6 (नया) है, तथा जो अशोक राज पथ पटना में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-3-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाशिब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी बत या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाया चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

धरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकाशित—

1. (1) श्री जफर आलम सपुत्र सेख अब्दुल हमीद मुरावपुर थाना पीरबहौर पटना (2) बीबी सरवरी खातुन परित खुरशीद आलम, पुरानी चौक, फतुहा जिला पटना, (3) सुश्री सोलेहा खातुन सपुत्री सेख अब्दुल हमीद, मुरादपुर थाना पीरबहौर, पटना।

(अन्तरक)

2. (1) अनिल प्रसाद (2) सुनिल प्रसाद (3) रंजन प्रसाद (4) प्रवेश कुमार गुप्ता सपुत्र जय नाथ प्रसाद 'राधिका निवास' अनुग्रह नारायण रोड़, न्यू ऐरीया कदम कुआं, पटना।

(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स टॉप टेलरिंग, मुरावपुर, पटना।

मैसर्स बीग बेन वाचेज, मुरावपुर, पटना।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का हिस्सा 2 आना 4  $\frac{20}{33}$  दाम जिसका रकबा 0.37 कड़ि है जो मुरादपुर अशोक राज पथ, पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1876 दिनांक 28-3-79 में वर्णित है और जो जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजिकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन परिक्षेत्र,  
बिहार, पटना।

तारीख : 5-10-79

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 21 नवम्बर, 1979

निदेश सं० III-364/अर्जन/79-80:—अतः मुझे,  
ज्योतीन्द्र नाथ, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र,  
बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नया होल्डींग नं० 1292 आर्डर नं० VII रांची  
म्यूनिसिपैलटी है, तथा जो जेल रोड, पूरव (ईस्ट) थरपकना रांची  
में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
30-3-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पारा गरा प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य भास्तिनों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सुलेता सरकार पत्नी श्री मुशील कुमार  
सरकार जेल रोड, रांची।

(अन्तरक)

(2) श्री गौरी शंकर प्रसाद, अधिवक्ता साहिद रोड,  
पोस्ट आफिस के समीप गया।

(अन्तरिती)

(3) श्री पारस नाथ स्टेट बैंक आफ इण्डिया अपर बाजार,  
रांची।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

जमीन का रकबा 8 कट्टा 4 छटां दो मञ्जीला पक्का मकाम  
सहित जो जेल रोड, थरपकना के पूरव रांची में स्थित है जो पूर्ण  
रूप से दस्तावेज संख्या 3098 दिनांक 30-3-1979 में वर्णित  
है तथा जिला निबन्धन पदाधिकारी रांची के द्वारा पंजिकृत  
है।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र,  
बिहार, पटना

तारीख : 21 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 18-9-1979

फा० सं० आई० ए० सी०/अर्जेन/93/79-80—यतः मुझे, एस० के० बिलर्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 10/1 तथा 10/2, मौजा दुधलगांव खुर्द है, तथा जो दुधलगांव खुर्द में स्थित है, (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलढाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-3-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान को प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनु० जरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीति:—

(1) श्री भागवत ओंकार भारंवे, दुधलगांव खुर्द, पोस्ट चिखली, ता० मलकापुर, जि० बुलढाना (अन्तरक)

(2) श्री वासुदेव सावलराम कोल्हे, दुधलगांव, पोस्ट चिखली, ता० मलकापुर, जि० बुलढाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अगोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य 13.28 एकर जमीन जिसका सर्वे नं० 10/1 तथा 10/2 है, तथा जो मौजा दुधलगांव खुर्द, पोस्ट: चिखली ता० मलकापुर, जिला: बुलढाना में स्थित है।

एस० के० बिलर्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, नागपुर

तारीख: 18-9-1979

मोहर:

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

रत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ठक्कर-बंगला, गिरीपेड़

नागपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1979

फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/94(1)/79-80—यतः

मुझे, एस० के० बिल्लय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म्युनिसिपल सं० 4-9-43, तथा सिटी सर्वे नं० 12360 है तथा जो औरंगाबाद में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय औरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धातुयों को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—366G I/79

(1) मैसर्स औरंगाबाद गिनिंग एण्ड प्रैसिंग फैक्टरी औरंगाबाद। (अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्रकुमार महेन्द्र सुराना, वाच लैंड चौक औरंगाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरिया 22204 स्क्वेयर फीट जगह, जिसका म्युनिसिपल नं० 49-43, तथा सिटी सर्वे नं० 12960 है, तथा जो जालना रोड, औरंगाबाद में स्थित है।

एस० के० बिल्लय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 25-9-79  
मोहर :

प्रकरण प्राई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ठक्कर बंगला गिरीपेठ

नागपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1979

फा० सं० आय० ए० सी०/गर्जन/94(2)/79-80—यतः  
मुझे, एस० के० बिलय्या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी म्यूनिसिपल नं० 4-9-43, सीटी सर्वे नं० 12960  
है तथा जो औरंगाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
को कार्यालय, औरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 79  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिरव  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीतः—

(1) मैसर्स औरंगाबाद जिनिंग एण्ड प्रैसिंग फैक्टरी,  
औरंगाबाद । (अन्तरक)

(2) श्रीमती वसंती देवी कान्तिीलाल सुराना, वाच  
लैण्ड चौक, औरंगाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जावेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, छोड़कर अन्तरिती के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रयोग 20 में परिभाषित  
है, वही प्रयुक्त होगा जो उस प्रयोग में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एरिया 46835 स्क्वेयर फीट जगह, म्यूनिसिपल नं० 4-9-  
43, तथा सिटी सर्वे नं० 12960 है, तथा जो जालना रोड,  
औरंगाबाद में स्थित है ।

एस० के० बिलय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 25-9-1979  
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1979

निर्देश सं० फा० आय० ए० सी०/अर्जन/94(3)/79-80—

यतः मुझे, एस० के० बिलय्या, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म्युनिसीपल नं० 4-9-43 तथा सिटी सर्वे नं० 12960 तथा जो औरंगाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, औरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैसर्स औरंगाबाद जिनिंग एण्ड प्रैसिंग फैक्टरी, औरंगाबाद (अन्तरक)

(2) श्री गीतमकुमार सुराना, वाच लेण चौक, औरंगाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एरिया 33915 स्क्वेअर फीट जगह जिसका म्युनिसीपल नं० 4-9-43, तथा सिटी सर्वे नं० 12960 है, तथा जो जालना रोड औरंगाबाद में स्थित है।

एस० के० बिलय्या

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 25-9-1979

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 25 1979

निदेश सं. फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/94(4) 79-80  
—यतः, मुझे, एस० के० बिलय्या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी म्युनिसिपल नं० 4-9-43, तथा सिटी सर्वे  
नं० 12960 है तथा जो औरंगाबाद में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, औरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः प्रथम उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा—

(1) मैसर्स औरंगाबाद जिनिंग एण्ड प्रैसिंग फैक्टरी,  
औरंगाबाद (अन्तरक)

(2) श्री जयवंत हजारीमल सुराना, वाच एण्ड चौक,  
औरंगाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

एरिया 46637 स्कवेयर फीट जगह, जिसका म्युनिसिपल  
नं० 4-9-43, तथा सिटी सर्वे नं० 12960 है, तथा जो  
जालना रोड, औरंगाबाद में स्थित है।

एस० के० बिलय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 25-9-79  
मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर दिनांक 25 सितम्बर 1979

निदेश सं० फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/94(5)/79-  
80—यतः, मुझे, एस० के० बिलय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी म्युनिसीपल नं० 4-9-43 तथा सिटी सर्वे नं०  
12960 है तथा जो औरंगाबाद में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, औरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित  
में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) मैसर्स औरंगाबाद जिनिंग एण्ड प्रेंसिंग फैक्टरी  
औरंगाबाद (अन्तरक)

(2) श्री कान्ती लाल जयवंत सुराना वाच लैण्ड चौक  
औरंगाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरिया 40625 स्क्वेयर फीट, जिसका म्युनिसीपल नं०  
4-9-43, तथा सिटी सर्वे नं० 12960 है, तथा जो जालना  
रोड, औरंगाबाद में स्थित है।

एस० के० बिलय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 25-9-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ठक्कर बंगला गिरीपेड़ नागपुर

नागपुर, दिनांक 25 दिसम्बर, 1979

फा० सं० आय० ए० सी० /94(6)/79-80—यतः मुझे,

एस० के० बिलय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी म्युनिसिपल सं० 4-9-43, तथा सिटी सर्वे सं०  
12960 है तथा जो औरंगाबाद में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, औरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की धारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

(1) मैसर्स औरंगाबाद जिनिंग एण्ड प्रैसिंग फैक्टरी,  
औरंगाबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती विजयादेवी प्रेमचन्द खुराना, वाच लैण्ड  
चौक, औरंगाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरिया 38675 स्क्वेयर फीट, जिसका म्युनिसिपल नं०  
4-9-43, तथा सिटी सर्वे नं० 12960 है, तथा जो जालना  
रोड औरंगाबाद में स्थित है।

एस० के० बिलय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 25-9-79  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, ठक्कर बंगला गिरीपेठ

नागपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1979

फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/94(7)/79-80—यतः,  
मुझे, एस० के० बलिव्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी म्युनिसिपल नं० 4-9-43, सर्वे नं० 12960 है,  
तथा जो जालना रोड औरंगाबाद में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय औरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैक्स औरंगाबाद जीनिंग एंड प्रैसिंग फैक्ट्री,  
औरंगाबाद (अन्तरक)

(2) श्री प्रतापमलजी खुराना, बच लेण्ड, चौक,  
औरंगाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरिया 35625 स्क्वेयर फीट जगह, जिसका म्युनिसिपल  
4-9-43 सिटी सर्वे नं० 12950 है, तथा जो, जालना रोड,  
औरंगाबाद में स्थित है।

एस० के० बलिव्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, नागपुर

तारीख : 25-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज ठक्कर बंगला गिरीपेठ, नागपुर-10

नागपुर, दिनांक 29 सितम्बर 1979

फा० सं० आई ऐसी/95-79-80/सक्यू-यतः, सुसे, एस०के० बिलय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी प्लॉट नं० 10, सर्वे नं० 20, डिवीजन नं० 8, है तथा जो नागपुर में स्थित (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अन्तर्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या धन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीतः :—

(1) श्री सरदुल सिंग विशाकासिंग सादले, रामदासपेठ, नागपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरुदीपकौर जेबसिंग सादले, रामदास पेठ, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धाम्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरिया नं० 10, सर्वे नं० 20, डिवीजन नं० 8 तथा जो वर्धा रोड, रामदास पेठ में स्थित है।

एस० के० बिलय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, नागपुर

तारीख : 29-9-79  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एन०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निवेदन सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/79-80/1364---

अतः, मुझे क० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जगदलपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के, अधीन, तारीख 19-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्को बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

11—366GI/79

(1) श्री विजय कुमार सामन्त पुत्र स्वर्गीय श्री डा० डी० सामन्त डिप्टी सैक्रेट्री, फाइनेंस, उडिया सरकार भुवनेश्वर । (अन्तरक)

(2) श्री काशी नाथदास पुत्र श्री बसुदेव नाथ दास, भेठागंज बाई, जगदलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धस्तकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक पक्का मकान साथ पक्का कम्पाउण्ड शीट नं० 64, प्लॉट नं० 17/28 व 17/29 एरिया 5000 वर्गफुट तथा-पारा बाई, जगदलपुर।

क० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-11-1979  
मोहर:

प्रकरण आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/79-80/1365—  
यतः मुझे, कु० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो पड़ारिया में स्थित है  
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जाजगीर, में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12-3-  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य भास्तिकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रसारित:—

(1) श्री संत कुमार सिंह पुत्र श्री गोपालसिंह  
(अन्तरक)

(2) श्री मृणुन्जय सिंह पुत्र शतरन सिंह ग्राम पड़ारिया  
तहसील जाजगीर जिला-बिलासपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
निये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तासरी के  
मास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ह: न. 449, 394, 302, व 497 आप  
25.07 एकड़ स्थित ग्राम पड़ारिया।

कु० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-11-1979  
मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/79-80/1366-  
अतः मुझे, कृ० का० राय  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो सागर में स्थित है  
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातु:—

1. (1) श्री बी० एल० सराफ एडवोकेट पुत्र श्री परमानन्द  
सराफ व (2) डा० समरेन्द्र सराफ पुत्र श्री बी०  
एल० सराफ एडवोकेट, लक्ष्मीपुरा, सागर  
(अन्तरक)

2. (1) श्री राजकमार पुत्र श्री कुंजीलाल कैशरवानी व (2)  
श्री विजय कुमार पुत्र श्री कुंजी लाल कैशरवानी, जवाहर  
गंज वार्ड, सागर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुच करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान स्थित गरुला मण्डी, तिलक गंज सागर।

कृ० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-11-1979

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निदेश सं० आई०ए० सी० एक्वी०/भोपाल/79-80/1367—

अतः मुझे कृ० का० राय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो सागर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. (1) श्री बी० एल० सराफ एडवोकेट व (2) समरेन्द्र सराफ लक्ष्मीपुरा सागर (अन्तरक)

2. (1) श्री हरीशंकर (2) श्री मवल मोहन (3) श्री अशोक कुमार सभी पुत्र श्री कुंजी लाल कैसरवाती जवाहर गंज बाई सागर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित गल्ला बाजार तिलक गंज बाई सागर।

कृ० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 5-11-1979  
मोहर :



प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल-79-80/1368

—अतः मझे, कृ० कौ० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सामयिक रूप से ठीक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथवा वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तर-  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीत :—

(1) श्री शंकर नरहर रहालकर 20/1 सिख मोहल्ला  
इन्दौर (अन्तरक)

(2) (1) श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण जी  
डासौरिया 11/1 लोधीपुरा इन्दौर (2) श्री मोहन  
लाल 33, कारादीपुरा इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 20/1 पुराना नं० 19 पीछे का भाग स्थित  
सिख मोहल्ला, इन्दौर।

कृ० कौ० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-11-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/1369-  
अतः मुझे, क० का० राय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के सम्बन्ध के बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या धन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री शंकर नरहर रोहटलकर 20/1 सिख मोहल्ला, इन्दौर (अन्तरक)

(2) (1) श्री अर्जुन कुमार पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण राठौर  
(2) श्री राजेन्द्र नागर मैन रोड इन्दौर (3)  
श्रीमति सुशीला पति श्री अशोक कुमार 33  
कागदी परा इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संक्षेपण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वये 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 20/1 पुराना नं० 19, का सामने का भाग स्थित सिख मोहल्ला, इन्दौर।

क० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-11-1979  
मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०--

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/1370--

अतः मुझे, कृ० कां० राय, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, 2-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृत्तमान प्रतिफल से ऐसे वृत्तमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री दत्तारवा वापट पुत्र श्री कृष्ण वापट 78, राजजी बाजार गली नं० 2 इन्दौर (अन्तरक)

(2) (1) श्री मन्नू लाल (2) श्री नारायण व (3) श्री भागीरथ (अवयस्क) (द्वारा माली गले हायर श्रीमती पद्मा वाई पत्नी श्री शंकर लाल) सभी पुत्र श्री शंकर लाल 33 रेणम वाला लाइन, इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 78 रकबा 2630 वर्गफुट स्थित राजजी बाजार, गली नं० 2 इन्दौर इन्दौर-1

कृ० कां० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-11-1979

मोहर:

परूप घाई • टी • एन • एम •-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाप्रक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आर्डी० ए०सी०/ए०बी०/भोपाल 79-80/1371--

अतः मुझे, कृ० कां० राय

महाप्रक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्मिलित कर ये रुबिन नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य भास्तियों को जिन्हें धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री लक्ष्मी कान्त मिश्रा पुत्र श्री अयोध्या प्रसाद मिश्रा ।  
करबला पारा रायपुर । (अन्तरक)

(2) श्रीमती गंगादेवी शर्मा पुत्री श्री विजय राम शर्मा  
निवासी महाममुन्द, जिला रायपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी प्राक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शर्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पदों होंगे जो तब अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान बियरिंग नं० 34/1 रकबा 3810 वर्गफुट करबला  
हाउसिंग सोसाइटी, रायपुर।

कृ० कां० राय  
तक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 5-11-1979  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/79-80/1372—

अतः सुश्री, कु० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि श्याबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० मकान है, तथा जो सतना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सतना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के मान्यदृष्ट प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सांस्तिक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पण्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवक्तव्यों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किना जाना चाहिए या दिखाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
12—366GJ/79

(1) श्री सन्तोष पुत्र श्री विश्वनाथ तिवारी सतना (अन्तरक)।

(2) श्री परसराम पुत्र श्री तहल मल सिंधी (2) मच्छा नन्व पुत्र श्री टहलमल सिंधी व श्री सेवक राम पुत्र श्री गुलाब राम सिंधी सतना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त श्याबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पण्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान बियरिंग पुराना नं० 886/1 एण्ड 887 व नया नं० 1007 बाई नं० 3 रघुराज नगर सतना।

कु० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 6-11-1979

मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एनबी०/भोपाल/79-80/1373—

मत: मुझे कु० कां० राय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है और

जिनकी सं० मजान है, तथा जो बिलासपुर में स्थित है  
(और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रारकी अधिकारों के कार्यालय, बिलासपुर में, रजिस्ट्रार-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
3-4-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरों की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उनके दृश्यमान मोहन से वा दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रक्षिप्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में विधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाना चाहिये था, निधान में विधा के लिये।

मतः, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुवर्ण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट:—

(1) प्रभुचरन दुबे पुत्र स्व० श्री श्यामाचरन दुबे विदिगा  
(2) वसंतचरण दुबे पुत्र स्व० श्री विद्याचरण  
दुबे एल० आई० जी० कालोनी, इन्दौर  
(अन्तरक)

(2) (1) शिव कुमार (2) श्री लखन कुमार दोनों पुत्र  
श्री कुलेश्वरनाथ, मंदरवाजार, बिलासपुर।  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 2(क) में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान (मकान न० 110 ए०) स्थित गौडपारा, बिलासपुर।

कु० कां० राय,  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी महायुक्त आयकर (आयुक्त)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 6-11-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक०/भोपाल 79-80/1374

अतः मुझे, क० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इस में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, 19-3-1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिर्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बिहारो लाल (2) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री बीरूमल, बंजारी रोड, रायपुर।

(2) श्रीमती कान्तादेवी पत्नि श्री अब्दुललाल (2) श्रीमती शान्ती पत्नि श्री मनोहर लाल लाखनगर, रायपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरतुमन्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लिष्टकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 12/12 का बाधा भाग एकठा 1100 बर्ग-फुट स्थित बंजारी रोड, रायपुर।

क० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणी)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-11-1979  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/79-80/1375-  
अतः मुर्झ, कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19-3-79  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री बिहारो लाल व श्री रमेश लाल पुत्र  
बीरूमल, बंजारी रोड, रायपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शशी देवी पति श्री गुलाबराय व श्रीमती  
राधा देवी पति श्री अचंदा मल, लाखनगर,  
रायपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 12/12 का आधा भाग रकबा 1100 वर्ग-  
फुट स्थित बंजारी रोड, रायपुर।

कृ० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-11-1979  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी/भोपाल/79-80/1376—

यतः मुझे क० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर से स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विक्रम भेन मधुसूदन राव मत्तकर 5, रस कोर्म रोड, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्री नन्दराम पुत्र श्री दयाराम 26, बकशी गली, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उर्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 26 का भाग स्थित बकशी गली, इन्दौर।

क० कां० राय,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-11-1979  
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी/भोपाल/79-80/  
1377—अतः मुझे, कृ० का० राय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है  
(और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
13-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विक्रम मधुसूदन राव मत्तकर 5, रेम कोर्स  
रोड, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) सर्वश्री भजन भाई विक्रम भाई पटेल व (2) श्री  
प्रवीन कुमार भजन भाई पटेल 26, बक्शी गली,  
इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 26 का भाग बक्शी गली, इन्दौर।

कृ० का० राय,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-11-1979

मोहर :

प्रकृष भार्दो टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आर्दो ए० सी०/एस्सी०/भोपाल/79-80/  
1375-अतः, मुझे, क० रा० रा०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसे सं० माल है, तथा जो इन्दौर में स्थित है  
(और इसमें उपाय अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
30-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिकर से ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी  
(अन्तरिनीयों) के जोड़ के कारण के लिये तब पाया गया  
प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से कुछ किसी प्राय की शक्ति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अधिनियम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

और

- (ख) ऐसी किसी प्राय या फल धन या अन्य प्राप्ति, जो  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अधोखण्ड अन्तरिनी द्वारा पकड़ नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री देवराज भार्दो व (2) श्री जगजीवन भार्दो  
पुत्र श्री देसा भार्दो सोनी बजाज खाना, इन्दौर।  
(अन्तरक)

- (2) श्रीमती चन्द्रान्ता भार्दो पति श्री काशीमल जी  
व (2) श्रीमती निर्मला कुमारी पति श्री नरेन्द्र  
कुमार जी 68, बजाज खाना, इन्दौर।  
(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखेंप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोद्धाारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अर्थ  
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल मकान नं० 68, स्थित दसैरा बाजार, बजाज  
खाना, इन्दौर।

क० का० राय,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-11-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/  
1379-प्रतः, मुझे, क० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें;  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
र० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है  
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
31-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सुजन भाई पति श्री किशन (2) श्रीमती  
सरस्वती बाई विधवा पति श्री तेजकरन जी व  
(3) श्री राजेन्द्र पुत्र श्री तेजकरन 36/2, जैल  
रोड, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्री श्रीम प्रकाश पुत्र श्री घनश्यामदास 48/4,  
बजाज खाना, इन्दौर। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8 का भाग स्थित नेताजी सुभाष मार्ग,  
इन्दौर।

क० क० र

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-11-1979

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल 79-80/  
1380—अतः, मुझे, कृ० का० राय,  
आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
31-3-1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

13-36601/79

(1) श्रीमती सुगन बाई पत्नि श्री किशनजी (2)  
श्रीमती सरस्वती बाई विधवा पत्नि श्री तेजकरन  
जी व (3) श्री राजेन्द्र पुत्र श्री तेजकरन 36/2,  
जैल रोड, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्री बालकिशन पुत्र श्री धनश्याम दास सोनी  
48/4, बज्ज खाना, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सहस्रहरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

महान न० 8 का भाग स्थित नेता जी सुभाष मार्ग,  
इन्दौर।

कृ० का० राय,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-11-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल/

79-80/1381—अन०, मझे, कृ० कां० राय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है  
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
31-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
यह कि प्रन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित गहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जागा चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती सुगन बाई पति श्री किशम जी (2)  
श्रीमती सरस्वती बाई विधवा पति श्री तेज करनजी  
व (3) श्री राजेन्द्र पुत्र श्री तेज करन 36/2,  
जैल रोड, इन्दौर। (अन्तरक)  
(2) भगवान दास सोनी पुत्र श्री धन श्याम दास सोनी  
48/4, बजाज खाना, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान न० 8 का भाग स्थित नेताजी सुभाष मार्ग,  
इन्दौर।

कृ० कां० राय,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-11-1979  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/ भोपाल/1382/79-80—अतः, मुझे, क० कां० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-3-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री गंगा धर पुत्र श्री कृष्णाराव भटवाड़ेकर मकान नं० 420, तिलक पथ, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल पुत्र श्री हीरजी भाई दमेचा मकान नं० 32, गली नं० 2, जैल रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 120 प्लॉट का क्षेत्रफल 1800 वर्गफुट स्थित तिलक पथ, इन्दौर।

क० कां० राय,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-11-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए०सी०/भोपाल/1383/79-80—अतः, मझे, कृ० का० राय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री राम दुलारे पाठक पुत्र श्री मेवाराम पाठक  
बजरंग नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री नागेश्वर लराव पुत्र श्री घोंडूजी चिखले 9/8,  
परदेसी पुरा, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20F में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 9 का सड़क पोरषण स्थित रोड नं० 9,  
परदेसी पुरा, इन्दौर।

कृ० का० राय,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 7-11-1979  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/1384—अतः, मुझे कृ० कां० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रामदुलारे पाठक पुत्र श्री मेवाराम जी पाठक बजरंग नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भागीरथी बाई विधवा पत्नि श्री पांडुरंग राव चिकले 9/8, परदेसी पुरा, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होत हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 9 का नार्थन पोरशन स्थित रोड नं० 8, परदेसी पुरा, इन्दौर।

कृ० कां० राय,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-11-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल  
79-80/1385—अतः, मुझे, कु० का० राय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो खण्डवा में स्थित है  
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खण्डवा में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
19-3-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में सहायक आयुक्त से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में गुणित  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) श्रीमती गोपी बाई विधवा पति श्री हरी बल्लभ,  
शक्ला ब्राह्मणपुरी करमवीर प्रेस गली, खण्डवा  
(2) श्री मनेन्द्र कुमार पुत्र महाशंकर पुरोहित  
राजपुरा, बाड़ी की फेल, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश चन्द्र व रहेश चन्द्र पुत्र श्री भगवान  
दास जी गजराती, रामगंज, खण्डवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान रकबा 2108 वर्गफुट स्थित हरी-  
गंज (करमवीर प्रेस गली) खण्डवा।

कु० का० राय,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-11-1979  
मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० आई० ए०सी०/एकवी/भोपाल/79—80/1386—

अतः मुझे के० के० राय,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० खुला प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-  
3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि घायपुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सज्जन सिंह पुत्र श्री छुलारामल मेहता पार्टनर  
मेमर्स जवाय विरुडर्स 208, जवाहर मार्ग इन्दौर (अन्तरक)
2. श्री अजय पुत्र श्री समर्थ मल जैन, 27/1, बैराठी  
कालोनी, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समन्वधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोद्देशकारी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही पदों होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 12 क्षेत्रफल 4280 वर्गफुट स्थित  
बल्लभ नगर, इन्दौर ।

के० के० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 7-11-1979.  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/79--80/  
1387--अतः मुझे के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन मसन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-3-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथिले में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

धन : अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः:--

1. श्री अब्दुल रज्जाक पुत्र श्री बिसमिल्ला द्वारा श्री  
यार मोहम्मद पुत्र श्री अब्दुल माजिद 11/2, रानी पुरा,  
इन्दौर । (अन्तरक)

2. नोराई सोसायटी 50 दौलतगंज, इन्दौर की ओर से  
अध्यक्ष अब्दुला अन्सारी पिता मोहम्मद शफी निवासी 17,  
दौलतगंज, मैन रोड, इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वस्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० 49, रकबा 858 वर्गफुट स्थित  
दौलतगंज, इन्दौर ।

के० के० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 7-11-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7-11-1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनवी०/भोपाल/79-80/1388—अतः, मुझे, के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्रीमती बान बाई पुत्री अम्बल हुसैन मन्दसौरवाला व (2) श्री कलीमुद्दीन पुत्र हाजी मुल्ला राजव अली बोहरा 280, जवाहर मार्ग, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सकीना बाई पति श्री आबिद हुसैन बोहरा 140, रानीपुरा, इन्दौर। (अन्तरिती)

(3) सर्वश्री फकरुद्दीन, कीकाभाई, अली भाई, व देव चन्द ईश्वर चन्द (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 23, स्थित साउथ तोड़ा, इन्दौर।

के० के० राय,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा :—

14—366GI/79

तारीख : 7-11-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/1389—अतः, मुझे, के० के० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० खला प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यह है कि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री भेंरो सिंह पुत्र श्री गिरधारी सिंह रानावत 20/3 न्यू० पलासिया, इन्दौर। (अन्तरक)
- (2) श्री नारायण व श्री जगदीश पुत्र श्री सेवाराम जी छावरिया 41, जवाहर मार्ग, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट क्षेत्रफल 11,250 वर्गफुट वियरिंग नं० 33, पलासिया हाना, इन्दौर।

के० के० राय,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-11-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० आई एसी/एक्वी/भोपाल 99-80/1390—

अतः, मुझे क० कां० राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है, तथा

जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, 15-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बाबू राय पुत्र श्री गोविन्द राय गायकवाड  
9, बैराठी कालोनी नं० 1, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती दुर्गाबाई पत्नी श्री नारायण राय जोशी  
व (2) श्रीमति प्रभा देवी पत्नी श्री मधुकर  
जोशी सागोर जिला धार (वर्तमान निवासी 6,  
बैराठी कालोनी नं० 1, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला पक्का मकान रकबा 2000 वर्गफुट 6,  
बैराठी कालोनी नं० 1, इन्दौर।

क० कां० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 7-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० आई ए सी/एक्सी/भोपाल 79-80/1391—

अतः मुझे कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा

जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डूंगर सिंह पिता श्री बोथलाल जी सुराना निवासी 42, कोयला बाखल, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र कुमार पिता श्री मोती लाल जी भंडारी जैन निवासी 59, बड़ा सराफा, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

चार मजिला मकान नं० 42 रकबा 410 वर्गफुट, स्थित कोयला बाखल, इन्दौर।

कु० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 7-11-1979

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० आई ऐसी/एक्सी/भोपाल 79-80/1392---

अतः, मुझे कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा

जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी श्री कृष्ण चन्द्र राज खत्री, राजनिवास केम्प कटनी वर्तमान पता नया बाजार, लखर। (अन्तरक)
2. श्रीमती कमलादेवी पत्नी श्री शिवनारायण शिवहरे व श्री सुभाष चन्द्र शिवहरे पुत्र श्री शिवनारायण निवासी खुला सन्तार, मोरार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

मकान का आधा भाग स्थित डनरा मण्डी, जिला ग्वालियर।

कु० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-11-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

289-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० आई ए० सी०/एक्वी/भोपाल 79-80/1393—

अतः, मझे के० के० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा

जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, 31-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्री खुशीराम पुत्र श्री हीरा नन्द काकवाणी, नई बस्ती, बेतनरी हास्पिटल के पास कतनी (वर्तमान नया बाजार लश्कर)। (अन्तरक)

2. श्रीमति कमला देवी पत्नी श्री शिव नारायण शिवहरे व श्री सुभाष चन्द्र पुत्र श्री शिवनारायण शिवहरे, खुला सन्तार, मुरार। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का आधा भाग स्थित डबरामण्डी, ग्वालियर।

के० के० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-11-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० आई ए० सी०/एक्वी/भोपाल/ 79-80/1394—

प्रतः, मुझे के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है,

तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पञ्चलाल मायाराम कश्यप 93, तिलक पथ, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री चन्द्रकान्त बाल कृष्ण मोडक 15, जती कालोनी, इन्दौर (वर्तमान तिलक पथ, इन्दौर)। (अन्तरिती)

3. श्रीमती विशावती खण्डेलवाल श्री ओमप्रकाश प्यारे लाल खण्डेलवाल व श्री के० सी० निगम। (वह व्यक्ति जिसके अभियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 93 रकबा 1800 वर्गफुट स्थित तिलकपथ, इन्दौर।

के० के० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 8-11-1979  
मोहर।

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निदेश सं० आई एसी/एक्वी/ भोपाल/79-80/1395—

अतः, मुझे के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उल्लेख करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुरेश चन्द्र पुत्र टी०सी० गप्ता 13/36 शक्ति नगर, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमति अरजा राज्य लक्ष्मी पत्नी श्री रमैय्या ई-3/100, अरेरा कालोनी, भोपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 107 पर बना मकान ई-3, प्राइवेट सेक्टर, अरेरा कालोनी, भोपाल।

के० के० राय,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-11-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कौचिन-16

एरणाकुलम, दिनांक 23 जून 1979

निदेश सं० एल० सी० 305/79-80---यनः, मुझे, के० नारायणा मेंनोन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और मिजकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कालिकट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालिकट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित नदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या दाय्य प्राप्ति के लिए, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री सी० वी० खालिद (2) सी० वी० मोयदीन बाबा (3) एन० पी० अबूबकर (4) सी० वी० मुस्तफा (सी० वी० खालिद के द्वारा)। (अन्तरक)
- श्रीमती सफीया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी दाय्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धार्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस धार्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4/5th right over the property as per Schedule attached to doc. No. 230/79, dated 17-3-1979 of SRO Calicut.

के० नारायणा मेंनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम.

तारीख : 23-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सञ्चाल

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-16

एरणाकुलम, दिनांक-16 तारीख 19 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० एन० सी० 341/79-80---यतः मुझे, के० नारायणा मेनोन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सञ्चाल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो त्रिवेन्द्रम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, त्रिवेन्द्रम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-3-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री टी०पी० मुकुमारन (अन्तरक)

गीता भवन, आसुरामथु चेंरी, क्वीलन-2

(2) मैसर्स कानिच्याय होटल्स(प०) लिमिटेड (अन्तरिती)

(द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर बाबू थॉमस) कानिच्याय हाउस अरनगाथ रोड, कोच्चिन-18

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यपचीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

50 Cents of land in Survey No. 646/2 of Vanchiyoor Village, Trivandrum.

के० नारायणा मेनोन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 19-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमति के० देवकि अम्मा (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० सी० कांडर (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-16

कोचीन-16 तारीख 21 सितम्बर 79

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :--

निर्देश सं० एन सी० 347/78-80—यतः मुझे, के०  
नारायणा मेनोन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा  
जो कालिकट में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
वेस्ट हिल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 14-3-1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रनरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अनुसूची

9/10th right over 20 cents of land and buildings as per  
schedule attached to doc. No. 566/79.

के० नारायणा मेनोन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 21-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री रमेश डी० बा०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम, कोचीन-16

कोचीन-16, दिनांक 12 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 79—अतः मुझे के०  
नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोचीन, में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोचीन में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-3-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री कुलसुम अहमद और फिरदास असलम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यावाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

13 cents with Bldg. as per Doc. No. 1010/79, dated  
16-3-1979 of the Ernakulam.

के० नारायण मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, एरणाकुलम

तारीख : 12-10-79  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री के० जे० जोर्ज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती नैला

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम, कीचीन-16

कोचीन-16, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० एल० सी० 355/79-80—यतः मुझे के०  
नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कण्णूर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कण्णूर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-3-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोतृस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया हुआ है।

अनुसूची

13½ cents of land with buildings as per schedule attached  
to Doc. No. 780/79.

के० नारायणा मेनोन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 7-11-79

मोहर :

प्रारूप आई० एन० टी० एस०-----

घाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम-16, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 356/79-80--यतः मुझे के०  
नारायण मेनोन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
16-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल से के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भग्न धास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारता :--

1. (1) रोजा (2) तोमज (3) जेकब

(अन्तरक)

2. श्री टी० ए० मुहम्मद,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धारण के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के धारण के सम्बन्ध में कोई भी धारणः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्तादारी के  
पास लिखित में किया जा सकेंगे।

परामर्शकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

18.520 cents of land with buildings in Sy. No. 2346/1, 2, 3  
of Ernakulam Village.

के० नारायण मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 7-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० एल० सी० 357/79-80—यतः मुझे के०  
नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर मंजुरि निम्नका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो पुनर्लू मंस्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुनर्लू में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-3-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक और से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री गोविन्दा पिल्लै

(अन्तरक)

2. श्री अब्रहाम चाको

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवहीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

12 acres of rubber estate with buildings thereon as per  
schedule attached to doc. No. 82/79.

के० नारायणा मेनोन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 8-11-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

1. श्री गोविन्दा पिल्लै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री कुर्यन चाको

(अन्तरिर्ती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

एरणाकुलम, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 358/79-80—यतः मुझे के०  
नारायणा मेनोन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो पुनर्नू में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्तर्गत में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
26-3-1079

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
परम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में  
सुविधा के लिए;

अनुसूची

4 acres 88 cents of rubber estate as per Schedule attached  
to Doc. No. 1178/79.

के० नारायणा मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 8-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री गोविन्दा पिल्लै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 359/79-80—यतः मुझे के० नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', गृह्य गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो पुत्तूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्तर्गत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-3-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—366GI/79

2. श्रीमती अन्नाम्मा अन्नहाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्यवस्थाधरो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

4 acres 90 cents of rubber estate in Sy. No. 319/1/67 of Anchal Village.

के० नारायणा मेनोन

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 8-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती सरस्वति कृष्ण मूर्ती

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री के० एन० सुर्य नारायणन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 360/79-80—यतः मुझे के० नारायणा मेनोन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8.125 cents of land with buildings in Sy. No. 1678/1, 2 of Ernakulam Village.

के० नारायणा मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 9-11-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 361/79-80-यतः मुझे, के० नारायण मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक बँकसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या कितनी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सरस्वती कृष्णामूर्ति

(अन्तरक)

2. श्रीमती मीनाक्षी सूर्यनारायण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धात्रेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्य होगा, जो उस प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

10.825 cents of land with buildings in Sy. No. 1678/1 of Ernakulam Village.

के० नारायण मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 9-11-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-15, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० एल० सी० 362/79-80—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-3-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ए० सीताराम अय्यर

(अन्तरक)

2. श्रीकान्तन सूर्य नारायण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7.725 cents of land with buildings in Sy. No. 1678/1, 2, 3, 4 of Ernakulam Village.

के० नारायण मेनोन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 9-11-79

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-16

एरणाकुलम, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० एल० सी० 363/79-890—यतः, मुझे, के०  
नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो पालघाट में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लनगोड में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-3-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के नये गन्तरित जा गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात् अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एल० प्रलगु सुन्वरम चेट्टियार तथा अन्य  
(अन्तरक)

2. श्री आर० एम० मुथुपलनियप्पा चेट्टियार तथा 15 अन्य ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

842 acres of Coffee and Cardamom estates as per Schedule  
attached to doc. No. 376/79.

के० नारायण मेनोन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 9-11-79

मोहर :

प्रकरण चार्ज ट्री एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जुन/604—मत: मुझे  
एम० आर० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 25-ए है, तथा जो उदयपुर में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-3-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए। और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी खन या धन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
खन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री श्याम सुन्दर पुत्र श्री शोभालाल जी गेलड़ा,  
निवासी ई-73, चितरंजन मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स लेक सिटी एन्टरप्राइज उदयपुर पार्टनरशिप फर्म  
द्वारा मैसर्स टाया एण्ड सन्स, बड़ा बाजार, उदयपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 25-ए, न्यू फतेहपुर पर स्थित गेलड़ा कुटीर नामक  
सकान संपत्ति का छठा भाग जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा  
क्रमांक 750 पर दिनांक 19-3-79 की पंजीबद्ध विक्रय पत्र  
में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख: 9-11-79

मोहर:

प्रकट आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/602—यतः, मुझे,  
एम० आर० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 25-ए, है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 मार्च, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित बड़े-से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी खन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

1. श्री रोशन लाल पुत्र भेरूलाल जी गेलड़ा, निवासी  
64, धूलेश्वर गार्डन, सी-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स लेक सिटी एन्टरप्राइजेज पार्टनरशिप फर्म,  
द्वारा मैसर्स टाया एण्ड सन्स, बड़ा बाजार, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; यद्यो हस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रमाण 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रमाण  
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 25-ए, न्यू फतेहपुरा, उदयपुर में स्थित  
'गेलड़ा कुटीर' नामक मकान सम्पत्ति में छठा हिस्सा जो उप  
पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रमांक 746 पर दिनांक 19-3-79  
को पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित  
है।

एम० आर० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 9-11-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/601—यसः मुझे  
एम० आर० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 25ए है, तथा जो उदयपुर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 मार्च, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यह कि  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित रूप में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चतरसेन पुत्र श्री शो भालालजी गेलड़ा, निवासी 4  
तिलसन बर्ग, कनाडा ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स लेक सिटी एन्टरप्राइज उदयपुर पार्टनरशिप फर्म  
द्वारा टाया एण्ड सन्त, बड़ा बाजार, उदयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 25 ए न्यू फतेहपुर में स्थित गेलड़ा कुटीर  
नामक सम्पत्ति में छठा हिस्सा जो उप पंजीयक उदयपुर द्वारा क्रम  
संख्या 747 पर संख्या 747 पर दिनांक 19-3-79 को पंजि-  
बद्ध विक्रय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० आर० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 9-11-1979

मोहर :

प्राक्का आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर प्रावृत्त (निरीक्षण)

अर्जन रज. जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० राज०/महा० आय० अर्जन/605--अन: मुझे  
एस० आर० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें  
हमारे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
योग जिसकी म० 250 है, तथा जो उदयपुर में स्थित है (यहाँ  
इसका उदाहरण अनुसूची में प्रांगणों पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 मार्च, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना बाह्य था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित आस्तियाँ वर्णित:--

17-366G1/79

1. पौनवी रतन बाई, विधवा श्री शोभाबालजी गेलड़ा  
निकासी 64, धुलेश्वर बाग, मीनकीम, उदयपुर।

(अन्तरक)

2. मैक्स लेह मिटी इन्टरपोज उदयपुर पार्टनरशिप फर्म  
द्वारा मैक्स टायर एण्ड सन्स, बड़ा बाजार, उदयपुर  
(अन्तरिती)

काय: सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवेश न  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
आस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वहस्ताक्षर:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
बड़ा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 25-A, फोहपुरा, उदयपुर में स्थित गेलड़ा कुटीर  
नामक मकान सम्पत्ति जो उक्त पंजीयक उदयपुर द्वारा अर्जांक  
719 दिनांक 19 मार्च, 1979 पर पंजीयक लिखत पत्र में गौर  
लिखित रूप से अन्तरण है।

एस० आर० अग्रवाल  
मध्यम प्राधिकारी  
महायुक्त आयकर प्रावृत्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज. जयपुर

तारीख: 9-11-1979

भीतर:

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक नवम्बर 1979

निदेश सं० राज०/पदा० आ० अर्जुन/006—मतः मुझे एम०

आर० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 25 है, तथा जो उदयपुर में स्थित है (और उसका उदाहरण अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-करी प्रविष्टि की है कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में साक्षात्कृत का मे रक्षित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती वसन्ती कुमारी पुत्री श्री गोभारालाल जी मेहता;  
निवासी-27-बी, अम्बा माता, स्कींग, उदयपुर।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स लेट मिटी एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड, उदयपुर पार्टनरशिप फर्म  
द्वारा मैसर्स टायर एण्ड टर्म्स, बड़ा बाजार, उदयपुर  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवन्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोग्यताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

पत्र सं० 25 ए. नं० कोडपुरा, उदयपुर में स्थित महान सम्पत्ति का छत्र भाग, जो डा संजीवजी, उदयपुर द्वारा क्रमांक 748 पर दिनांक 19-3-79 को संजीवद विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 9-11-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० राज०/महा० आय० अर्जन/603--यन. मुझे एम०  
आर० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 25 ए, तथा है जो उदयपुर में स्थित है (और  
इसमें उपायुक्त अनुसूची में आय जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
19 मार्च, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती सुशीला बाई पन्ति श्री यशवन्त सिंह मेहता  
पब्लिक पार्क, होस्टल, जीधपुर ।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स लेक सिटी एन्टरप्राइज उदयपुर, पार्टनरशिप फर्म  
द्वारा मैसर्स टाया एण्ड सन्स बड़ा बाजार, उदयपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुराना सम्पत्ति के प्रजनन के लिए  
निर्वाहियां करना है ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विपक्ष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रत्यक्षतः के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और भाषा का, या उक्त अधि-  
नियम, के प्रमाण 20-तम परिभाषित है, वहां  
अर्थ होगा जो उन प्रमाण में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट सं० 25 ए, ब्लूफ्लैट्स, उदयपुर में स्थित 'पोलडा  
कुटीर' नामक मकान सम्पत्ति का छोटा भाग जो उपपत्रिका, उदयपुर  
द्वारा क्रमांक 745 पर दिनांक 19-3-79 को पंजीकृत विक्रय  
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० आर० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन-रेंज, जयपुर

तारीख : 9-11-79  
मोहर :

तारीख : 9-11-79  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० राज० सह० प्रा० अर्जन/609—यनः मूले  
एस० आर० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० \_\_\_\_\_ है तथा जो 3 ई छोटी, श्रीगंगा-  
नगर में स्थित है (और इसमें अनावद्ध अनुसूची में आर पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 9 मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण या इसे किया जाना को बाधा उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वितीय में कथित करने या उक्त करने में पूर्णता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. श्री परमानन्द पुत्र श्री मोहन लाल  
चक 3 ई, छोटी, श्री गंगानगर ।

(अन्तरक)

2. श्री कालू राम पुत्र श्री ताथूराम ,  
चक 3 ई, छोटी, श्री गंगानगर ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्णता सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में आई भा आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो 10  
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किमा व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधर  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अमरस

2 बीघा 3 अस्थि कृषि भूमि जो चक 3 ई छोटी श्री  
गंगानगर में स्थित है और उप पञ्चिक श्री गंगानगर द्वारा क्रम  
संख्या 664, दिनांक 9 मार्च, 1979 को पञ्चिक विक्रय पत्र में  
और विस्तृत रूप में विवरणित है ।

एस० आर० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 9-11-79  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

का रजिस्ट्रार, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जुन/608 यतः मुझे एम० आर० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांश के कार्यालय हनुमानगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिया नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) कि किसी जाय या किसी धन या अन्य मास्त्रियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वस्तुओं, प्रतीति :—

1. श्री भगवानदास पुत्र श्री निरजूराम शर्मा  
हनुमानगढ़, टाउन, जिला श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

2. श्री राम चन्द्र पुत्र श्री मानदास, एडवोकेट,  
हनुमानगढ़ टाउन, जिला श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के धर्जन के पश्चात् कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना को जारी करने के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्मुखी

3 बीघा और 16 बिस्वा कृषि भूमि जो 15 एच० एम० एच० हनुमानगढ़ जिला श्री गंगानगर में स्थित है और उप रजिष्ट्रार, हनुमानगढ़ द्वारा क्रम संख्या 357 दिनांक 16-3-79 पर पंजीकृत विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

(निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त,

अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 9-11-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/607—अतः मुझे एम० आर० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00,00/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० --- है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का समग्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने का अन्तरण का अन्तरण में कमी करने या उससे उचित में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी प्रा० या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री श्रवण कुमार पुत्र श्री भगवानदास जर्मा निवासी हनुमानगढ़ टाऊन, जिला श्री गंगानगर। (अन्तरक)

2. श्री रामचन्द्र पुत्र श्री मालदास, एडवोकेट, हनुमानगढ़ टाऊन, जिला श्री गंगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ कराई हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 बीघा कृषि भूमि जो 15 एच० एम० एच० हनुमानगढ़ जिला श्री गंगानगर, में स्थित है और उप पंजीयक हनुमानगढ़ द्वारा पंजीबद्ध पत्र संख्या 358 दिनांक, 16-3-1979 और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 9-11-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० ए० आर०-II/2760-4-78-79—प्रग, मुझे,  
पी० एन० संगटा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० विलेख सं० आर० 3871/72, सर्वे नं० एन० ए० 541, 232 (अंश) है तथा जो बन्दा में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-3-79 परीक्षित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से अतिरिक्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी धार को धारण, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) प्राप्ति की प्राप्ति या गिरावट या अन्य वास्तविकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. प्रभाकर रामचन्द्र पाटकर ।  
(अन्तरक)
2. आर० के० पाटकर  
को-ऑपरेटिव हार्जमिंग सोसायटी लि० ।  
(अन्तरित)
3. (1) मि० विभुवन दाम चुनीलाल गांधी  
(2) मि० शशीकुमार गोपाल बाघ  
(3) मिसेम मुलीचभा देवर्णकर जागी  
(4) डा० सुरेन्द्र मोहन भटनागर  
(5) मि० इंदुलता रत्नछोड़दास मोदी

- (6) मि० जे० नारायण वैद्य
- (7) मि० नारायण गुरुनारायण प्रसाद
- (8) मि० राजेश राजाराम माने
- (9) मिसेम प्रभाकरा गोपाल कुंभार
- (10) डा० दिलीप श्रीनिवास वैजयंकर
- (11) मिसेम शारदा लक्ष्मण गेलोरे
- (12) मिसेम नीलामबाई गनपत उमोनी
- (13) मि० काशीनाथ नूकाराम पांडे
- (14) मि० उद्विजित लक्ष्मीदास सहता
- (15) मिसेम, कमलाबाई दत्तात्रय नाडकर्णी
- (16) मि० शाला राम काशीनाथ माने
- (17) मि० प्रभाकर रामचन्द्र पाटकर
- (18) मि० राजानन मुकुंद देवाई
- (19) मि० किशोर प्रानवन्धन मेहता
- (20) मि० दत्ताराम गणेश माने
- (21) मि० शशिकान्त व्यंकटेश चोबुलकर
- (22) मिसेम मनोज चंपकलाल मेहता
- (23) मिसेम प्रमोद वसंतराव देशमुख
- (24) मिसेम मुख्या अविनाश गे
- (25) मिसेम विद्या दौगालि
- (26) मि० पी० विठ्ठलदास कामत
- (27) मि० टी० टी० धाजावलकर
- (28) मि० महाबलेश्वर मोंत्राणा तेलंग ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० आर० 3871/72/बम्बई उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 6-3-79 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० संगटा

मक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-III, बम्बई

तारीख : 4-10-1979

मोहर :

**प्रकरण आई० टी० एन० एस०—**

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (नियंत्रण)

अजमेर-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० ए० आर० II/2767-3/78-79—अन:

मुझे पी० एल० खंगटा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 26 हिस्सा नं० 2 सी० एस० नं० 634 तथा जो मालाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-3-1979 विलेख सं० 906/75 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कबिष्ठ नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायदश में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों उपात :—

- (1) राजेन्द्र प्रसाद एम० अनवाल (2) लक्ष्मी कान्त बी० पोद्दार (3) जयन्ती लाल व्ही० संघवी (4) उषा आर० अग्रवाल (अन्तरक)
- मानाड भारत कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड (अन्तरिती)
- (1) श्रीमती व्ही० जे० मोनी (2) मैसर्स पावरिलट (3) श्रीमती एस० डी० शाहा (4) श्री जे० आर० मेहता (5) एन० व्ही० शहा (6) श्री एम० व्ही० शाहा (7) श्री जे० एच०

वाख्य (8) श्री बी० डी० पारीख (9) श्री ई० कोटियन, (10) श्री पी० एम० शाहा (11) श्री व्ही० डब्ल्यू० आपटे (12) श्री ए० एम० मूरुवा (13) श्रीमती व्ही० एम० शाहा (14) श्रीमती सी० एम० आरेख (15) श्री के० आर० शहा (16) श्री एम० आर० शहा (17) श्रीमती एम० जे० कोठारी (18) श्री ए० जे० ध्रुव (19) श्रीमती पी० आर० अमरपोटा (20) श्रीमती पी० एन० नायडु (21) श्रीमती आर० जे० गांधी (22) श्री आर० जे० शहा (23) श्रीमती व्ही० सी० भाटिया (24) श्रीमती आर० व्ही० दोशी (25) श्रीमती बी० आर० शर्मा (26) श्री डी० जे० ओझा (27) श्रीमती के० आर० भट (28) श्री एच० एम० वकिल (29) श्री के० व्ही० वखारिया (30) श्रीमती एफ० आर० शेटी (31) श्री एम० बी० जोशी (32) श्रीमती डी० एस० टंक (33) श्री सी० के० इंगले (34) श्रीमती के० जे० मेहता (35) श्रीमती सी० एस० वंजारा (36) श्री ए० एम० डेरे (37) श्रीमती व्ही० एम० रतनी (38) श्री आई० डी० शास्त्री (39) श्रीमती एस० एस० सखाले (40) श्री आर० एम० ठक्कर (41) श्रीमती आर० पी० नांबीयार (42) श्रीमती एस० जी० साने (43) श्रीमती व्ही० जे० नायर (44) श्री एम० एन० चिले (45) श्रीमती एच० एम० मेहता (46) श्रीमती व्ही० आई० राजदा (47) श्रीमती आर० आर० शहा (48) श्रीमती के० जे० शर्मा (49) श्रीमती बी० एन० भाटिया (50) श्री आर० आर० मोहिते (51) श्री आर० एम० गेलानी (52) श्रीमती के० जे० भाटिया (53) श्री बी० एस० पटेल (54) श्रीमती एस० एच० भाटिया (55) श्रीमती व्ही० जे० कायल (56) श्री आर० एच० संसारी (57) श्री एम० पी० मोटिवरास (58) श्री के० ए० मिस्त्री (59) श्रीमती आर० एस० मेहता (60) श्री जे० सहैगल (61) श्री एम० आर० गोहिल (62) श्रीमती रामा मेनन (63) डा० ए० बी० मेहता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 906/75/बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 26-3-79 के रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एल० रंगटा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 4-10-79

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्तीयन, महानगर आन्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 नवम्बर, 1979

निदेश सं० ए०आर० II/2847-20/मार्च/79—अतः मुझे

पी० एल० रंगटा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० एफ०/1045/टी० पी० एस० नं० 4/प्लॉट नं० 45 है तथा जो बंदरा में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंदरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-3-79 विलेख नं० 729/1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भवानी शंकर दिवाकर कुलकर्णी

(अन्तरक)

2. श्रीमती आपेक्षा खातुन गुलाम हसन कि बीबी

(अन्तरिती)

3. गोस्पेल लिटरेचर सोसायटी

ईस्ट इंडिया लेवर इंडस्ट्रिज

मुनीराली शिवाजी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया

आयबीए एस्स्वेंज, इंडिया लि०

सुन्विता फुड्स फुड्स एण्ड फायवर्स लि०

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-फ में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 729/1979/बादरा उप रजिस्ट्रार 4 अधिकारी द्वारा दिनांक 25-3-79 के रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एल० रंगटा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 21-11-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० 906—अतः मुझे क० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो मुनगडा, कोत्तपेट तालूका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अंबाजीपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-3-79 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बबु वैठनारायना मूर्ति,  
उछिनी कोत्तपेट, तालूका, पूरब गोदावरी जिला। )  
(अन्तरक

2. श्री कुंडरा गोराला कृष्णमूर्ति, पु०: सुब्बाराव,  
मुंजवरम, पूरब, गोदावरी जिला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अंबाजीपेट रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-3-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 251 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

क० सुब्बाराव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-8-79  
मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 14th November 1979

No. A.32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Joginder Singh, an officiating Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the cadre of the UPSC, to officiate as Private Secretary (Grade A of CSSS), in the same Cadre on a temporary and *ad hoc* basis for a period of 2 months from 23-10-79 to 22-12-79 or until further orders, whichever is earlier.

The 16th November 1979

No. A.32014/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Sham Parkash permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely provisional temporary and *ad hoc* basis from 23-10-79 to 22-12-79 or until further orders whichever is earlier.

Shri Sham Parkash should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is purely temporary and on *ad hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade.

S. BALACHANDRAN,

Under Secy.,

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 22nd October 1979

No. A.11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate on *ad hoc* basis as Section Officers in the same cadre for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

S. No., Name and Period for which promoted as  
Section Officer

1. Shri G. P. Bhatta—10-10-79 to 24-11-79
2. Shri S. N. Ghosh—10-10-79 to 24-11-79
3. Shri O. P. Kathuria—10-10-79 to 24-11-79
4. Shri Rajindra Singh—10-10-79 to 24-11-79
5. Shri O. P. Kautia—10-10-79 to 24-11-79
6. Shri S. N. Pandit—10-10-79 to 24-11-79
7. Shri M. S. Asnani—10-10-79 to 24-11-79
8. Shri Krishan Lal—11-10-79 to 25-11-79
9. Shri Remal Dass—11-10-79 to 25-11-79

No. A.32014/1/79-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis, as Section Officers in the same cadre for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

S. No., Name and Period for which promoted as  
Section Officer

1. Sh. M. N. Arora—21-10-79 to 30-10-79
2. Sh. S. D. S. Minhas—29-9-79 to 15-10-79

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

(Incharge of Administration)

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; A.R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 22nd November 1979

No. A-19036/3/79-Ad.V.—In supersession of this office notification No. A-19036/3/79-Ad.V dated 29-10-79, the Director, C.B.I. and I.G.P., S.P.E. hereby appoints Shri K. Fariduddin, an officer of the Andhra Pradesh Police on deputation as Dy. S.P. in the C.B.I. with effect from the afternoon of 7-9-79 and until further orders.

Q. I. GROVER,  
Administrative Officer(E)  
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 25th October 1979

No. O.II-227/69-Fstt.—The President is pleased to appoint on promotion Shri Hema Ram, Subedar of CRPF to the rank of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post in 12 Bn. CRPF w.e.f. 23-8-79 (AN).

The 22nd November 1979

No. O.II-253/70-Estt.—Consequent on his retirement from Government service Shri D. S. Brar relinquished charge of the post of Deputy Superintendent of Police, 22 Bn., CRPF, on the afternoon of 31-10-1979.

The 24th November 1979

No. O.II-1050/72-Estt.—The President is pleased to relieve Shri K. Shankar, Dy. S.P., Group Centre, CRPF, Avadi w.e.f. 18-10-79 (FN) on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

No. O.II-1284/76-Estt.—The Government of India regret to notify the death of Shri M. M. Bawa, Deputy Supdt. of Police, 23 Bn., CRPF on 13-9-79.

A. K. BANDYOPADHYAY,  
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 15th November 1979

No. E-38013(3)/1/79-Pers.—On transfer from New Delhi Shri Sewa Singh assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CIFS Unit, IPCL, Baroda w.e.f. the forenoon of 23rd Oct '79.

Sd./- ILLEGIBLE  
Inspector-General CIFS

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 21st November 1979

No. 11/100/79-Ad.I-24488.—The President is pleased to appoint Shri O.P. Bhardwaj, an officer belonging to the Haryana Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh, with effect from the afternoon of 14 November, 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Bhardwaj will be at Chandigarh.

The 22nd November 1979

No. 11/97/79-Ad.I-24640.—The President is pleased to appoint Shri M. M. Das, an Officer belonging to the Orissa Civil Service, as Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Orissa, Cuttack, by transfer on deputation with effect from the afternoon of 8th November, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Das will be at Cuttack.

P. PADMANABHA,  
Registrar General, India

## DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 5th December 1979

No. G(29)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Barin Kumar Ghosh, Overseer, to officiate as Assistant Manager (Technical), Government of India Press, Aligarh, with effect from the forenoon of 12-11-1979, until further orders.

P. B. KULKARNI,  
Joint Director (Admn.)

## MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF E.A.)

## INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 20th November 1979

No. 1172/A.—The undersigned hereby appoints Shri R. A. Patel, Head Accountant (Class III-non-Gazetted), Central Stamp Store, Nasik Road, to officiate as Assistant Controller of Stamps (Class II Gazetted post) in the Central Stamp Store in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 16th Nov. 1979 to 29th February, 1980 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

N. RAMAMURTHY,  
Sr. Dy. General Manager



## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

## OFFICE OF THE CONTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 21st November 1979

No. 2369-CA. 1/96-79 —Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders :—

Sl. No.	Name of the Section Officer (Commercial)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as A.O.(C)	Date of posting
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
S/Shri				
1.	H. C. Jain	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bhopal	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bhopal	23-8-79
2.	A. K. Dey	Accountant General-II, West Bengal, Calcutta	Accountant General-II, West Bengal, Calcutta	27-8-79
3.	V. Sundararajan	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Madras	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar	10-9-79
4.	R. D. Trehan	Accountant General, Punjab, Chandigarh	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar	14-9-79
5.	K. R. Balan	Accountant General, Kerala, Trivandrum	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Ranchi.	14-9-79
6.	R. S. Tripathi	Member Audit, Board & Ex-officio DCA, Dehradun	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Dehradun	14-9-79
7.	S. M. Deo	Accountant General-II, Madhya Pradesh, Gwalior	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar	25-9-79
8.	R. L. Singla	Comptroller & Auditor General of India, New Delhi	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Ranchi	27-9-79
9.	G. L. Narasimhan	Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad	Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad	16-10-79

The 22nd November 1979

No. 2433-CA.1/116-79 —Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders :

Sl. No.	Name of the Section Officer (C)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as A.O.(C)	Date of Posting as AO (C)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
S/Shri				
1.	L. C. Lunkar	Accountant General, Rajasthan, Jaipur	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar	3-10-79
2.	V. V. Seshachalapati Rao	Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad	Accountant General, II, Andhra Pradesh, Hyderabad	16-10-79
3.	M. V. Ardhanari	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bangalore	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bangalore	19-9-79
4.	Satish Chandra	Accountant General, Rajasthan, Jaipur	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar	3-10-79
5.	S. Narayanaswamy	Accountant General-II, Tamil Nadu, Madras	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar	28-9-79
6.	Murari Lal Gupta	Accountant General, Rajasthan, Jaipur	Member Audit Board & Ex-officio DCA, (Coal) Calcutta	27-9-79
7.	Ramesh Chandra Hastir	Accountant General, Punjab, Chandigarh.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Calcutta	29-9-79
8.	V. Ramamurthy	Accountant General, Karnataka, Bangalore	Member Audit Board & Ex-officio DCA (Coal), Calcutta	3-10-79
9.	N. C. Jain	Member Audit Board & Ex-officio DCA, New Delhi.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Calcutta	27-9-79
10.	S. K. Pal	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Ranchi	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Ranchi.	27-9-79
11.	E. S. Rao	Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad	Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad	17-10-79
12.	M. P. Vedachalam	Accountant General-II, Tamil Nadu, Madras	Accountant General-II, West Bengal, Calcutta	28-9-79

M. S. GROVER,  
Deputy Director (Commercial)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA**

Trivandrum 595 001, the 9th November 1979

No. Estt/Entt.VI/10-3.—Shri N. KAMALASANAN NAIR, Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala retired from service on superannuation in the AN of 31st October, 1979.

P. G. N. NAMPOOTHIRI,  
Accountant General

**COMMISSION ON PUBLIC EXPENDITURE**

New Delhi, the 22nd November 1979

No. 1(3)-A/CPE/79.—On transfer from the Planning Commission Shri B. N. Singh, Research Officer (ad-hoc Gr. IV/IES) is appointed as Senior Research Officer in the Commission on Public Expenditure in the scale of Rs. 1100-50-1600 on usual deputation terms with effect from the forenoon of 26th Oct. 1979, until further orders.

J. N. KAUL,  
Under Secretary (A)

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE C.G.D.A.**

New Delhi-110 022, the 20th November 1979

No. 44016(1)/73/AN-I.—The President is pleased to appoint ad hoc, the following Junior Administrative Grade Officers of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (RS. 2000-125/2250) of that service, with effect from the forenoon of the 19th November 79, until further orders.

- (1) Shri B. V. Adavi
- (2) Shri K. Sundararajan.

R. L. BAKSHI  
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

**MINISTRY OF DEFENCE  
ORDNANCE FACTORY BOARD  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE**

Calcutta, the 9th November 1979

No. 55/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Offg. Manager with effect with effect from the date shown against them, until further orders :—

1. Shri J. B. Saxena, Offg. GM(SG)/Level-II—23rd August, 1979.
2. Shri R. G. Deolalikar, Offg. DDGOF/Level-II—23rd August, 1979.
3. Shri S. P. Sinha, Offg. GM(SG)/Level-II—23rd August, 1979.

No. 56/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Manager with effect from the date shown against him until further orders :—  
Shri U. K. Shrivastava, Offg. D.M.—25th June, 1979.

No. 57/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. DM/DADGOF with effect from the date shown against him, until further orders :—

1. Shri D. R. Nagpal, AM(P).—30th June, 1979
2. Shri K. C. M. Rao, AM(P).—30th June, 1979
3. Shri S. Joseph, AM(P).—30th June, 1979.
4. Shri J. P. Sharma, AM(P).—30th June, 1979
5. Shri N. K. Srivastava, AM(P).—30th June, 1979
6. Shri C. S. Vasir, Offg. AM.—30th June, 1979
7. Shri R. C. Arora, AM(P).—30th June, 1979
8. Shri S. Rajagopalan, AM(P).—30th June, 1979
9. Shri Mehar Singh, AM(P).—30th June, 1979
10. Shri Mahesh Prasad, AM(P).—30th June, 1979
11. Shri I. P. Alegaonkar, Offg. AM.—30th June, 1979
12. Shri K. K. Garg, AM(P).—1st August, 1979
13. Shri D. M. Gupta, AM(P).—1st August, 1979
14. Shri S. N. Dutta, AM(P).—1st August, 1979
15. Shri Sushil Thakur, AM(P).—1st August, 1979
16. Dr. S. K. Ghosh, AM(P).—1st August, 1979

17. Dr. S. R. Chakraborty, AM(P).—1st August, 1979
18. Shri S. C. Maji, AM(P).—1st August, 1979
19. Shri B. B. Pharas, AM(P).—1st August, 1979
20. Shri S. K. Pandey, AM(P).—1st August, 1979
21. Shri V. K. Pandita, AM(P).—1st August, 1979
22. Shri S. N. Patil, AM(P).—1st August, 1979
23. Shri A. K. Haikerwal, AM(P).—1st August, 1979
24. Shri S. D. Dimri, AM(P).—1st August, 1979
25. Shri P. K. Sett, AM(P).—1st August, 1979.

The 23rd November 1979

No. 58/79/G.—On attaining the age of 58 years Shri A. L. Basu Choudhury, offg. Assistant Manager (subst. & perm. Foreman) retired from service with effect from 31-8-1979 (AN).

V. K. MEHTA  
Assistant Director General Ordnance Factories

**MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES  
(DEPARTMENT OF COMMERCE)  
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS**

New Delhi, the 19th November 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 19th November 1979

No. 6/1161/79-Admn(G)/8115.—The President is pleased to appoint Shri Mahendra Pratap Singh, an officer of the Uttar Pradesh (Civil) Judicial Service and Deputy Legal Adviser in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi as Legal Adviser in the same office on *ad hoc* basis with effect from the 15th November, 1979 (FN) for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

C. VENKATARAMAN  
Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 17th November 1979

No. 6/414/56-Admn(G)/8070.—On attaining the age of superannuation, Kun. S. D. Marathe relinquished charge of the post of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Ahmedabad on the afternoon of the 31st October, 1979.

The 19th November 1979

No. 6/786/66-Admn(G)/8156.—On attaining the age of superannuation Shri Budh Ram relinquished charge of the post of the Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports (Central Licensing Area), New Delhi on the afternoon of the 31st October, 1979.

The 20th November 1979

No. 6/1253/79-Admn(G)/8152.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri Satya Prakash Sharma, Superintendent in National Sample Survey Organisation, Ambala Cantt. as Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the Office of the Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Amritsar in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st October, 1979, until further orders.

2. Shri Sharma as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200/—.

C. S. ARYA  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports

**KANDLA FREE TRADE ZONE**

Kutch-370 230, the 20th November 1979

No. FTZ/Admn/7/2/79/15182.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham Kutch hereby continues the appointment of Shri B. Mohan Singh, Examiner of Madras Customs Collectorate, as Appraiser,

in Kandla Free Trade Zone on the usual deputation terms in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10(24)/60.E.III dated the 4th May, 1961 as amended from time to time in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- w.e.f. 16-10-1979 (FN) for one year more from 16-10-79 to 15-10-1980.

NIRANJAN SINGH  
Development Commissioner,  
Kandla Free Trade Zone

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 31st October 1979

No. A-1/1(385).—Shri S. P. Saxena, Permanent Dy. Director and officiating Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st October, 1979 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 17th November 1979

No. A-1/1(464).—The President is pleased to appoint Shri S. L. Kapur, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') to officiate on *ad hoc* basis as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, with effect from the forenoon of 6-11-1979.

The 26th November 1979

No. A-1/1(948).—Shri Babu Lal, Asstt. Director (IR) (Gr. I) in the Headquarters office has been reverted to the non-gazetted post of Senior Economic Investigator with effect from the afternoon of 14-11-1979.

No. A-1/1(949)/79.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhasin, Asstt. Director (Stat.) (Gr. I) to officiate on *ad hoc* basis as Asstt. Director (IR) (Gr. I) in this Directorate General for a period of 6th months with effect from the forenoon of 15-11-1979 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

No. A-1/1(1143).—The President is pleased to appoint Shri N. Pngambaram, Grade IV officer of the Indian Statistical Service after completion of the on-the-job training, to officiate as Assistant Director (Stats.) (Gr. I) in the office of the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, with effect from the forenoon of 15-11-1979.

K. KISHORE  
Deputy Director (Administration)  
for Directorate General of Supplies and Disposals

ISPAT, KHAN AUR KOHA MANTRALAYA  
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 23rd November 1979

No. 7677B/A-19012(3-CNM)/79-19B.—The resignation tendered by S/Shri C. N. Murthy & V. M. Niyogi, Asstt. Chemist, Geological Survey of India is accepted with effect from the afternoon of 30th September, 1977, on their permanent absorption in the Mineral Exploration Corporation Ltd.

V. S. KRISHNASWAMY  
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur the 20th November 1979

No. A. 19012(104)/78-Est. A.—Shri R. A. Mishra, officiating Senior Technical Assistant (Chemistry) (now Assistant Chemist on *ad hoc* basis) is promoted to officiate in the post of Assistant Chemist in this department on regular basis with effect from 29th October, 1979 (A/N) until further orders.

The 22nd November 1979

No. A-19012(118)/79-Est. A.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, Shri V. D. Toke, Permanent Asstt. Store Keeper (Tech.) and Officiating Store Keeper (Tech.) Grade II, Indian Bureau of Mines is promoted to officiate in the post of Assistant Stores Officer, in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 19-10-1979.

S. BALAGOPAL  
Head of Office

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi, the 27th November 1979

No. F. 11-9/79-A-1.—The Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri V. N. Kohli, Permanent Asstt. Archivist (Gr. II) (General) and Offg. Asstt. Archivist (Gr. I) (General) to officiate as Archivist (General) (Class II Gazetted) on purely *ad hoc* basis with effect from 23rd November, 1979 (F.N.) and until further orders. He is transferred from Guide to Archival Legislation.

This *ad hoc* appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to the next higher grade.

B. S. KALRA  
Administrative Officer  
National Archives of India  
for Director of Archives

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 21st November 1979

No. F. 70-2/79-Estt. 29973.—Shri H. S. Sharma, Senior Zoological Assistant Central Regional Station, Zoological Survey of India, Jabalpur has been appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 650—1200/- in the same Department at the Central Regional Station, Zoological Survey of India, Jabalpur, in a temporary capacity on *ad hoc* basis with effect from 9th November, 1979 (F.N.), until further orders.

S. R. BHATTACHARJEE  
Administrative Officer  
Zoological Survey of India  
Calcutta

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY  
NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING  
ORGANISATION

Calcutta-700019, the 27th November 1979

No. 35-2/78/Estt.—Sarvashri A. K. Sen and N. Sundi, Senior Research Assistants are appointed as Scientific Officer in the National Atlas and Thematic Mapping Organisation on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 24th and 25th October, 1979 respectively, until further orders.

S. P. DAS GUPTA  
Director

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 20th November 1979

No. 9/51/49-Est.I.—On attaining the age of superannuation, Shri R. B. Mhatre, Pmt. Cameraman (CFU) in the Films Division, Bombay retired from service from the afternoon of the 31st October, 1979.

The 23rd November 1979

No. A-19012/5/74-Est I.—On his appointment to the post of Branch Manager in the Film Finance Corporation Ltd., Shri A. K. Narang, Pmt. Branch Manager, Films Division, Bombay is relieved of his duties in the afternoon of 31-5-1979.

N. N. SHARMA  
Asstt. Administrative Officer  
For Chief Producer

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

The 29th October 1979

New Delhi, the 22nd November 1979

No. A.12026/28/79(HQ)/Admn I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Usha Srivastava, Investigator in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services New Delhi to the post of Research Officer in the same Bureau on an *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 23rd October, 1979 and until further orders.

S. L. KUTHIALA,  
Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

## VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 24th November 1979

No. 3-48/79-Estt.(I).—The *ad hoc* appointments of S/Shri S. L. Dhir, K. R. Vij, and O. P. Bhasin in the posts of Superintendents (Grade I) are further continued w.e.f. 1-12-1979 to 29-2-1980.

B. N. CHADHA  
Director Administration.

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 21st November 1979

No. A-19023/5/79-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri P. L. Vashisht is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at New Delhi in the afternoon of 9-10-1979, until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer, Shri Vashisht relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at New Delhi in the afternoon of 9-10-1979.

No. A-19023/12/79-A.III.—Shri R. K. S. Pillay, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Madras w.e.f. 10-10-79 (FN) on short-term basis for a period not exceeding 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shri Pillay relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Madras in the forenoon of 10-10-1979.

B. L. MANIHAR  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION

Bombay 400 085, the 4th October 1979

No. PA/73(16)/78-R.IV.—The Additional Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Anand Paikuiji Dongre, as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 21, 1979 until further orders.

The 11th October 1979

No. PA/73(16)/78-R.IV.—The Additional Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt) Santosh Wattal, as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 26, 1979 until further orders.

The 16th October 1979

No. PA/26(3)/79-R.IV.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Madhav Yeshwant Phadnis, Permanent Section Officer (Accounts), Roster No. A-2123 from the office of the Controller General of Defence Accounts as Assistant Accounts Officer in BARC in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of September 19, 1979 for a period of 2 years in the first instance.

No. PA/68(6)/77-R.IV.—On transfer from the Office of the Divisional Manager (P) C. Rly., Bhusawal, the Additional Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Upadhvay Radhe Shyam as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Beryllium Pilot Plant Project of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of October 6, 1979 on fixed term for a period upto the afternoon of February 28, 1981.

No. PA/34(5)/78-R.IV.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Sambhu Nath Sen, a permanent Assistant Security Officer to officiate as Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of September 1, 1979 until further orders.

A. S. DIKSHIT  
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 21st November 1979

No. NAPP/Adm/1(161)/79-S/12836.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri Arun Kumar Bhattacharya an officiating Scientific Assistant 'C' in the Narora Atomic Power Project as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1979, until further orders.

No. NAPP/Adm/1(160)/79-S/12837.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, appoints Shri Romesh Kumar Malhotra an officiating Supervisor in the Narora Atomic Power Project as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

No. NAPP/Adm/1(162)/79-S/12838.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri Perumal Radhakrishnan an officiating Scientific Assistant (C) in the Narora Atomic Power Project as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same project in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1979, until further orders.

S. KRISHNAN  
Administrative Officer  
for Chief Project Engineer

## (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 20th November 1979

No. AMD-1/7/79-Adm.—In supersession of this office Notification of even number dated 30th October, 1979, the Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. B. Banerjee, Section Officer (Accounts) of the Controller General of Defence Accounts as Assistant Accounts Officer on deputation in the Atomic Minerals Division with effect from the forenoon of 3rd October, 1979 until further orders.

M. S. RAO  
Sr. Administrative & Accounts Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi, the 15th November 1979

No. A. 32013/3/79-ES.—In continuation of this office notification of even number dated 21-6-1979, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of S/Shri S. Ranjan and Chaman Lal in the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection for a period of three months beyond 13-8-1979 or till regular appointment to the grade are made whichever is earlier on usual terms and conditions.

The President is also pleased to appoint Shri V. D. Sethi to the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection on *ad hoc* basis for a period of 3 months with effect from 28-9-79 or till the post is regularly filled whichever is earlier.

The 20th November 1979

No. A. 12025/1/78-EC.—The President is pleased to appoints Shri Hemant Kumar Dixit in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Communication Officer with effect from 1-11-79 (FN) and to post him in the office of the Officer-in-Charge Aeronautical Communication Station, Gauhati until further orders.

No. A. 32013/1/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri Sarwan Kumar, Technical Officer in the office of the Director, Radio Const. and Development Units, New Delhi to the grade of Senior Technical Officer on regular basis with effect from 26-9-79 FN and to post him in the same office.

2. Senior Technical Officers will be assigned position in the combined eligibility list of Senior Technical Officer/Senior Comm. Officer for higher promotion according to the date of their regular appointment in the grade subject to maintenance of *inter se* seniority in the grade of Senior Technical Officer/Senior Communication Officer and subject to condition that in the case of officers appointed to the Civil Aviation Department on the basis of the Engineering Services Examination their *inter se* seniority in the said Examination for appointment as Technical Officer/Communication Officer will also be maintained.

The 22nd November 1979

No. A. 12025/1/78-EC.—The President is please to appoint Shri R. Chandramauli in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Technical Officer with effect from 22-10-79 (FN) and to post

The 26th November 1979

No. A. 32014/3/79-EC(Pt).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the undermentioned two Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on *ad hoc* basis with effect from the date and station indicated against each :—

S. No.	Name	Station of posting	Station to which transferred	Date of taking over charge
1.	Shri Gopal Singh	ACS, Gauhati	Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.	10-9-79(FN)
2.	Shri G.S. Verma	A.C.S. Bhatinda	ACS, Varanasi,	7-11-79(FN)

No. A. 38013/1/79-EC.—The undermentioned two Officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office on 31-10-79(AN) on retirement on attaining the age of superannuation :—

S. No.	Name & Designation	Station	Date of retirement
1.	Shri J.C. Das, Comm. Officer	A.C.S. Calcutta	31-10-79(AN)
2.	Shri N.V. Pathy, Technical Officer	Radio Stores Depot, New Delhi	31-10-79(AN)

R. N. DAS,  
Assistant Director of Administration

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE &amp; CUSTOMS

Bangalore, the 16th November 1979

No. IV/16/421/79.C.1.—The following persons/firms/companies were penalised under the provisions of the Central Excise and Salt Act, 1944 and the Rule made there-under since February, 1976 by the Collector of Central Excise, Karnataka Central Excise and Customs Collectorate, Bangalore.

1. *M/s Shyam Steel Re-rolling Mills Ltd. Bangalore*

A penalty of Rs. 15,000/- was imposed in addition to confiscation of excisable goods worth Rs. 92,400/- allowing it to be redeemed on payment of a redemption fine of Rs. 10,000/- for contravention of Rules 9(1), 52A, 53 read with 173.G(4), 173.G(1), 226 and 173.Q(1)(a)(b) and (d) of Central Excise Rules, 1944.

2. *M/s Andhra Steel Corporation, Bangalore*

A penalty of Rs. 25,000/- was imposed in addition to confiscation of goods worth Rs. 91,000/- allowing them to be redeemed on payment of a redemption fine of Rs. 45,000/- for contravention of Rule 9(1), 52A, 53 read with 173.G(4), 173.G(1), 226 and 173.Q(1)(a)(b) and (d) of Central Excise Rules, 1944.

19—366GI/79

him in the office of the controller of Communication Aeronautical Communication Station, Bombay until further orders.

No. A. 32013/7/78-EC.—In continuation of this Deptt. Notification No. A. 32013/7/78-EC, dated 22-6-79, the President is pleased to sanction the continuance of *ad hoc* appointment of the following three Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer beyond 31-8-79 and upto 2-9-79 (two days) :—

Sl. No., Name and Station of posting

1. Shri Vijay Panwar—A.C.S., Palam.
2. Shri K. K. Narayan—A.C.S., Calcutta.
3. Shri A. K. Bansal—Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.

No. A. 35021/1/79-EC.—The President is pleased to place Shri S. K. Saraswati, Senior Technical Officer in the Office of the Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi on deputation on foreign service terms with Gujarat Communications and Electronics Limited, Baroda as Senior Engineer w.e.f. 30-5-1979 (AN).

The 23rd November 1979

No. A. 32013/4/79-ES.—In continuation of this office notification of even number dated 24-7-1979, the President is pleased to continue *ad hoc* appointment of S/Shri N. Jayasimha and R. C. Gupta in the grade of Senior Aircraft Inspector for a period of six months beyond 13-8-1979 or till the posts are regularly filled, whichever is earlier.

3. *M/s Bangalore Cables Private Ltd. Bangalore*

A penalty of Rs. 15,000/- was imposed in addition to confiscation of goods worth Rs. 1,13,006/- allowing them to be redeemed on payment of redemption fine of Rs. 25,000/- for contravention of Rules 53 read with 173.G(4), 56B, 226 and 173.Q(1) of Central Excise Rules, 1944.

4. *M/s Fit-Welcaps Private Ltd. Bangalore*

A penalty of Rs. 80,000/- was imposed for contravention of Rules 53 read with 173.G(4), 56B, 226 and 173.Q(1) of Central Excise Rules, 1944.

5. *M/s Bharat Metal Industries, Bangalore*

A penalty of Rs. 10,000/- was imposed in addition to confiscation of excisable goods worth Rs. 2,41,640/- allowing them to be redeemed on payment of a redemption fine of Rs. 1,00,000/- for contravention of Rules 9(1), 52A, 53 read with 173.G(4), 43(2), 44(3), 173.G(1), 173.F, 226 and 173.Q(1)(a)(b) and (d) of Central Excise Rules, 1944.

6. *M/s Khoday Industries, Bangalore*

A penalty of Rs. 25,000/- was imposed for contravention of Rules 9(1), 52A, 174, 53 read with 173.G(4), 173.G(1), 173.F, 226 and 173.Q(1) of the Central Excise Rules, 1944.

M. V. REDDY  
Dy. Collector (HQrs.)  
for Collector

Kanpur, the 26th March 1979

No. 12/79.—Consequent upon their promotion to the grade of Supdt. Central Excise Group 'B' in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—35—880—40—1000—EB—40—1200/- vide this office Estt. Order No. I/A/10/79 dated 2-1-1979 issued under C. No. II-11-Estt./79/123 dated 2-1-1979 and Estt. Order No. I/A/56/79 dated 27-1-1979 issued under C. No. II-11-Estt/79/3832 dated 27-1-1979, the following Inspectors (Senior Grade) Central Excise assumed/took over the charge of Superintendent Central Excise Group 'B' on the dates and places mentioned against each :—

Sl. No.	Name	Place of Posting	Date of joining
1	2	3	4
1.	Jagdish Pd. Sharma	IDO Agra	22.1.79 F.N.
2.	Surya Pd. Agarwal	IDO Kanpur II	22.1.79 F.N.
3.	J.K. Dhuraiya	MOR Aliganj Aligarh Division	27.1.79 F.N.
4.	T.L. Dharni	IDO Ghaziabad-II	18.1.79 F.N.

1	2	3	4
5.	Amrit Lal Dwivedi	Supdt. (Audit) Hdqs. Office Kanpur.	13.2.79 F.N.
6.	Kishal Lal Deshmukh	IDO Ghaziabad-II	9.2.79 F.N.
7.	H.L.S. Arya	Supdt. (Audit) Hdqs. Office Kanpur	9.2.79. A.N.

The 27th June 1979

## CORRIGENDUM

No. II-249-Estt/78/20477.—In partial modification to this office notification No. 1/79 dated 2-1-1979 issued under Endt. C. No. II-249-Estt/640-46 dated 8-1-1979, it is hereby ordered that the date of assuming charge as given in the said notification may be read as 14-7-1978 instead of 16-8-1978.

K. L. REKHI  
Collector

Madras-600034, the 26th July, 1979

No. II/3/22/79-Estt.—The following Inspectors of Madras Central Excise Collectorate have been appointed to officiate as Superintendent of Central Excise, Group 'B' until further orders and posted with effect from the dates noted against each, to the places specified against their names.

Sl. No.	Name	Place where posted as Supdt. Group 'B'	Date of joining
	S/Shri		
1.	S. Balasundaram	Hqrs. Office, Madras	3-2-79
2.	M. Ponnaiah	Valparai, MOR, Pollachi Dvn.	12-2-79
3.	T. Arumugham	Gudalur MOR, Coonoor Division	9-2-79
4.	K. Thirumalai	Pondicherry Dvn.	21-6-79
5.	J.M. Jayaseelan	Dharapuram MOR, Erode Dvn.	2-6-79
6.	S.K. Karuppan	Madras III Dvn.	1-6-79
7.	P.K.S. Ramakrishnan	Madras-I Dvn.	2-6-79
8.	G. Gopalakrishnan	Coimbatore II Dvn. (Tech.)	2-6-79
9.	K. Govindarajan	Puliampatti MOR Erode Dvn.	1-6-79
10.	P. Gopalan	Kumbakonam MOR, Pondicherry Dvn.	14-6-79
11.	S. Janakiraman	Nagammam MOR, Pollachi Dvn.	16-6-79(A.N.)
12.	V.R. Kandasami	Coonoor MOR, Coonor Dn.	2-6-79
13.	K.L. Narayanan	Nettupalayam MOR, Coonoor Dvn.	30-5-79
14.	I.Md. Abdul Razaq Khan	Madras-II Dvn.	28-6-79
15.	A.G. Dorairaj	MOR-XIII, Coimbatore-I Dvn.	7-7-79
16.	S. Santhanakrishnan	MOR XI, Coimbatore-I	7-7-79
17.	D. Nelson	Hqrs. Office, Madras	4-7-79(A.N.)
18.	N. Badrachalam	Kotagiri MOR, Coonoor Division.	7-7-79
19.	P. Nagappachetty	Coimbatore-I Dvn. (Tech)	7-7-79

B. R. REDDY,  
CollectorDIRECTORATE GENERAL (WORKS)  
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the November, 1979

No. 23/2/77-EC-II—The following officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Government Service with effect from 31st October, 1979 A.N. (31-10-1979 A.N.).

S.No.	Name of officer	Present Designation
	S/Shri	
1.	M.N. Lalwani	E.O. to C.E. (SWZ), CPWD, Bombay.
2.	Malkit Singh	E.E., Construction Division I, A.&N. Administration, A.P.W.D., Rangat.
3.	S.D. Tulsiani	S.W. (PWD) D.A., New Delhi Executive Engineer (Civil).
4.	C.R. Roy	Executive Engineer (Electrical), Calcutta Aviation Elect. Division, C.P.W.D., Calcutta.

S. S. P. RAU,  
Dy. Director of Admn.,  
for Director General-Works.

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY

## AFFAIRS

## (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

## COMPANY LAW BOARD

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Navaratna Investments Private Limited*

Cuttack, the 19th November 1979

No. SO-718-3719(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Navaratna Investments Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Nandan Food Products Private Limited*

Cuttack, the 19th November 1979

No. SO-531-3723(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Nandan Food Products Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Orissa Flying Club Limited*

Cuttack, the 19th November 1979

No. SO-3721(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Orissa Flying Club Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s Shrikshetra Construction Company Private Limited*

Cuttack, the 23rd November 1979

No. SO-390-3770(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Shrikshetra Construction Company Private Limited, unless cause is shown to contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s Utkal Cable Industries Private Limited*

Cuttack, the 23rd November 1979

No. SO-455-3780(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Utkal Cable Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s Bhagabati and Company Private Limited*

Cuttack, the 23rd November 1979

No. SO-420-3778(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Bhagabati & Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s Sigma Steel Private Limited*

Cuttack, the 23rd November 1979

No. SO-386-3776(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Sigma Steel Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s Utkal Chemical & Oil Industries Limited*

Cuttack, the 23rd November 1979

No. SO-89-3772(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Utkal Chemical and Oil Industries Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s Jharan Mills Private Limited*

Cuttack, the 23rd November 1979

No. SO-294-3774(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Jharan Mills Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL  
Registrar of Companies, Orissa

*Notice Under Section 445(2) of the Companies Act, 1956  
In the matter of M/s Acme Finance Private Limited*

Delhi, the 19th November 1979

No. Co. Liqn. 3153.—By an order dated the 7-2-79 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s Acme Finance Private Limited has been ordered to be wound up.

S. P. VASHISHTHA  
Registrar of Companies,  
Delhi & Haryana

*In the matter of Companies Act, 1956 and  
In the matter of*

*M/s. The Trust Association of the India Church Council  
of the Disciples of Christ, Jabalpur*

Gwalior, the 21st November 1979

No. 1025/Yadav/4212.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. The Trust Association of the India Church Council of the Disciples of Christ, Jabalpur, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and  
In the matter of*

*M/s. Smart India Private Limited, Indore*

Gwalior, the 21st November 1979

No. 970/Yadav/4215.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Smart India Private Limited, Indore, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and  
In the matter of*

*M/s. Mohanlal and Mohanlal (Indore) Private Limited,  
Bhopal*

Gwalior, the 21st November 1979

No. 872/Yadav/4218.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mohanlal and Mohanlal (Indore) Private Limited, Bhopal, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and  
In the matter of*

*M/s. Malwa Dhakar Corporation Limited, Bhopal*

Gwalior, the 21st November 1979

No. 1047/Yadav/4221.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Malwa Dhakar Corporation Limited, Bhopal, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Balkrishna Shah & Co. Private Limited*

Gwalior, the 23rd November 1979

No. 239/Tech/4266.—Notice is hereby given pursuant to sub-section 5 of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Balkrishna Shah & Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. K. SAXENA  
Registrar of Companies,  
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. ad-Envoys Advertising & Marketing Private Limited*

New Delhi, the 21st November 1979

No. 4880/20298.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. ad-Envoys Advertising & Marketing Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

G. B. SAXENA  
Asstt. Registrar of Companies,  
Delhi

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s Thakur Chip Boards Limited*

Patna, the 21st November 1979

No. (706)78-79/4165.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Thakur Chip Boards Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE  
Registrar of Companies,  
Bihar, Patna

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. F. P. Wadia Brothers Private Limited*

Ahmedabad, the 26th November 1979

No. 194/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s F.P. Wadia Brothers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. The Sainaney Trading Co. Private Limited*

Ahmedabad, the 26th November 1979

No. 1280/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s The Sainaney Trading Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Darshan Trading & Finance Pvt. Limited*

Ahmedabad, the 26th November 1979

No. 1570/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Darshan Trading & Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

J. G. GATHA  
Registrar of Companies,  
Gujarat

#### NOTICE

Kanpur, the 22nd November 1979

No. 13071/3621-Liqn.—By an order dated 14th/18th day of November, 1977 in Company Petition No. 13 of 1976 of the Hon'ble High Court of Judicature at Allahabad it has been ordered by the Hon'ble Court to wind up M/s. Ultravision Private Limited, 111/98-A, Ashok Nagar, Kanpur and the Official Liquidator, U.P., 33, Edmonstone Road, Allahabad has been appointed its Official Liquidator.

B. D. GUPTA  
Registrar of Companies,  
U.P., Kanpur



FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. 906.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Agriculture Land situated at Mungada, Kothapeta Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ambajipeta on 3-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Batchu Venkatanarayana Murthy, Uchilli, Kothapeta Tq. East Godavari District.  
(Transferor)
- (2) Sri Kumpatla Gopalakrishna Murthy, S/o Subba Rao, Munjavaram East Godavari District.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 251 dated 3-3-1979 registered before the S.R.O. Ambajipeta

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 7-8-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Chava Venkatakrishnaiah, S/o Subbaiah,  
Chandramoulinagar, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Sakurtby Ramiah, S/o Koti Lingam, Chandra-  
moulinagar, Guntur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. 919.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, as per Schedule situated at Chandramdulinagar, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 19-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The scheduled of the property as per the registered document No. 1274/79 dated 19-3-79 registered before the S.R.O. Guntur.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 6-9-1979.  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) (i) Dr. K.V. Krishnamurthy, (ii) K. L. Prasunamba, (iii) K. V. Phani, (iv) and 5 minors K. Radhakrishnamurthy and Madhavilatha by guardian mother Prasanamba, 1-1-212, Chikkadapalli, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 920.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule at Opp. Krishna Mahal Theatre, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 30-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Sri Gummadi Venkata Ramannaiah, S/o Sayanna, C/o Gowri Shanker Cace, Shyamaladas Agraharam, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The scheduled of the property as per the registered document No. 1532/79 dated 30-3-1979 registered before the S.R.O. Guntur.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 6-9-1979.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) M/s The Tenali Sri Ramalingaswara Rice Factory, Ltd., by Managing Director, Sri Ch. Eaganmohan Rao, 7/80, Brodiepet, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Jaluri Subba Rao, Managing Partner M/s Saptagiri Dhull Mill, Balajiraopet, Tenali.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 921.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Tenali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on 20-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The scheduled of the property as per the registered document No. 592/79 dated 20-3-1979 registered before the S.R.O. Tenali.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 6-9-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 940.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Ramachandra Rao Road, Suryaraopeta Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada, on 1-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
20—366GI/79

- (1) 1. Smt. Nidamarthi Saraswathi,  
102, Venkatachala Modaliar Street,  
Mylapore, Madras-4.
2. Smt. Parasa Sarada, Vemurivari street, Vijayawada-2.
3. Smt. Tallapragada Bharathi,  
Ramachandrarao Road, Vijayawada-2.
4. Smt. Kolanukuduru Vani, No. 2, Rajammannar  
St. T. Nagar, Madras-17.
5. Nidamarthi Ramachandra Rao,  
102, Venkatachalamodaliar Street,  
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

- (2) (i) Sri, Koneru Rameshkumar,  
(ii) Sri Koneru Murati Krishna,  
(iii) Sri Koneru Vijayakumara,  
Sons of Sri K. Ramachandra Rao,  
Director, Vani Niketan, Ramachandra Rao Road,  
Vijayawada-2.

(Transferee)

- (3) M/s Vani Niketan, by Director Sri K. Ramachandra Rao, Ramachandrarao Road,  
Suryaraopeta, Vijayawada.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1294/79 dated 1-3-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 10-10-1979.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 941.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-13-4/2 situated at Sanyasiraju Street, Gandhinagar, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Vijayawada on 23-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Sri Chukkapalli Amarkumar, S/o Pitchaiah, Gandhinagar, Vijayawada.

(Transferee)

(2) M/s Popular Shoe Mart, Gandhinagar, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1926 dated 23-3-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 10-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 943.—Whereas I. B. V. SUBBA RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14-1-13 situated at Ramasomayajulu st. Vallabhai Road Junction, Opp : Municipal Office, Kakinada, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada, on 9-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) K. Lakshmi W/o Ramesh Rao.  
(ii) A. K. Rajeswari, W/o A. K. Ramesh,  
(iii) Bailoori Mohana Rao,  
(iv) Bailoori Savithramma, W/o Ramakrishna Rao.  
(v) Bailoori Ramakrishna Rao,  
C/o Shanthi Nivas Lodge, Kakinada.  
Parties 1 to 4 are by General Power of Attorney Holder Shri B. Ramakrishna Rao, Kakinada.  
(Transferor)

- (2) M/s Enterprises, Kakinada.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1183 dated 9-3-1979 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 944.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 5/132 situated at Kapileswarapuram Estate, Nuzivid, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzivid on 14-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Sri M. Srinivasa Apparao, Son of late M. Venkata Rangayya Appa Rao, No. 30, Hind Lane, B. N. Reddy Road, T. Nagar, Madras-600017.
- (ii) Sri M. V. S. Appa Rao, Son of M. Srinivasa Appa Rao, The United India Insurance Company Limited, Madras-600014, Resident of No. 7, IV. Avenue Harrington Road, MADRAS-600031.
- (iii) Sri M. Raghu Apparao, Son of Shri M. V. S. Apparao, No. 7, IV Avenue, Harrington Road, Madras-600031.
- (iv) Smt. Kausalya Apparao, W/o late M. V. Parthasarathy Apparao, No. 30, Hind Lane, B. N. Reddy Road, T' Nagar, Madras-600017.
- (v) Smt. M. Jagadeeswara Amma, W/o M. Srinivasa Apparao, residing No. 30, Hind Lane, B. N. Reddy Road, T' Nagar, Madras-600017.
- (vi) Smt. J. Jayashree Kumar, W/o Sri R. Kumar, resident of No. 4, Damodar Murthy Street, Madras-600010.
- (vii) Sri M. V. Goutham Apparao, Son of Late M. V. Parthasarathy Apparao, No. 30, Hind Lane, B. N. Reddy Road, T' Nagar, Madras-600017.

(Transferor)

- (2) (i) Registrar, Andhra University, Waltair-3.
- (ii) President and Correspondent, Dharma Apparao College, Nuzivid.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 622 dated 14-3-1979, registered before the S.R.O. Nuzivid.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 10-10-1979.

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 945.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 36-8-33, situated at Tilak Street, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 30-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jalnadevi alias, Jatana Devi, W/o Sait Jawanmal, Near II Town Police Station, Kakinada.  
(Transferor)

- (2) Sri Nallamilli Veera Raghavareddy, S/o Peddakapu alias Venkata Reddy, Tilak Street, Kakinada.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1587 dated 30-3-1979, registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 10-10-1979.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA**

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 946.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19-3-34 situated at Manthripagradavari street Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 24-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Sri P. Rajagopal, Prabhakar street, Ramaraopet, Kakinada-4,
2. (i) Dr. Vaddi Venkateswara Rao, (Transferor)
- (ii) Smt. Dr. Vaddi Padma Rao, 19-4-34, Manthripagadavari street, Kakinada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule of the property as per the registered document No. 1489/79 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 10-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 947.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Vijayawada by the side of Rama Mandiram, Arundalpeta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Sri Yalamanchilli Vasava Rao,  
(ii) Sri Yalamanchilli Radhakrishna, Sons of Venkateswara Rao, C/o M/s Y. V. Rao Petrol Bank, Indian Oil Dealers, Eluru Road, Vijayawada-2.

(Transferor)

- (2) Sri P. Bhaskara Murthy, S/o P. Janardhana Murthy, Sonovision Electricals, Eluru Road, Vijayawada-2.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1870 dated March, '79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 10-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 948.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-4-32 situated at Seshagiri Rao street, Kakinada. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada, on 29-3-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (i) Sri Duriseti Sessa Apparao,  
(ii) Smt. Duriseti Krishnakumari and  
(iii) Smt. Lakkaraju Sessa Kumari, Seshagirao street, Ramaraopet, Kakinada-4.

(Transferor)

(2) Sri G. R. Lorne, President, The Fellowship of Indigenous Gospel Churches Ramaraopet, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1535 dated 29-3-1979 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 10-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri P. D. Satyanarayana, Peer Ahmed Street, Tanuku.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Imandi Kannamma, 32-21, Peer Ahmed Street, Tanuku.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 949.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32-21 situated at Peer Ahmed Street, Tanuku, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tanuku on March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

21—366GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 547 dated March, 1979 registered before the S.R.O. Tanuku.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 10-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 950.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (Land) situated at Pithapuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pithapuram during March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Smt. Bongu Narayanamma, W/or Sri Suryanarayana, Fort Gate, Pithapuram.
- (ii) Smt. Tirupathi Ramayamma, W/o Venkateswara Rao, C/o Sarvodaya Medical Stores, Municipal Office shops, Rajahmundry.
- (iii) Smt. Bongu Nagarathnam, W/o Sri Bongu Venkatarao, 112, K. K. Nagar, C.M.I.G. Madras-78.
- (iv) Smt. T. Janaki, W/o Sri Tirupathi Eswaradas, Vizianagaram.

(Transferor)

- (2) (i) Chakkapalli Vishnumurthy,
- (ii) Chakkapalli Satyanarayanamma,
- (iii) Chakkapalli Papayamma lais Amaravathi,
- (iv) Chakkapalli Padmavathi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 289 dated March 79 registered before the S.R.O. Pithapuram.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 10-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 951.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. (land) situated at Pithapuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pithapuram during March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

- (1) (i) Smt. Bongu Narayanamma,  
W/or Sri Suryanarayana,  
Fort Gate, Pithapuram.
- (ii) Smt. Tirupathi Ramayamma,  
W/o Venkateswara Rao,  
C/o Sarvodaya Medical Stores,  
Municipal Office shope, Rajahmundry.
- (iii) Smt. Bongu Nagarathnam, W/o Sri  
Venkatarao, 112, K. K. Nagar, C.M.I.G.  
Madras-78.
- (iv) Smt. Koney Satyavathi, W/o Sri Venkatarreddy,  
Care of Smt. Bongu Narayanamma.
- (v) Smt. T. Janaki, W/o Sri T. Eswar Das, Viziánagaram.  
(Transferor)
- (2) (i) Sri Bandi Chandra Rao, S/o Sathyam.
- (ii) Sm. Bandi Buchiraju, W/o Chandrarao,  
Madhavapuram, Pithapuram Tq.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 336 dated March, 1979 registered before the S.R.O. Pithapuram.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada,

Date : 10-10-1979.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA.**

Kakinada, the 10th October 1979

Ref. No. 952.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-10-69 situated at Thotapalem village Near Vizianagaram, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 6-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Yarlagadda Seshayya, S/o Sri Yarlagadda Sri-ramulu, Vizianagaram.

(Transferor)

- (2) M/s Vani Enterprises, represented by its partners Sri Yarlagadda Ranga Rao, (ii) Y. Chandrakumari, (iii). Y. Babu Rao, (iv) Smt. P. Rajyalakshmi and (v) Kumari P. Venkata Satyavani, Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule of the property as per the registered document No. 572 dated March 1979 registered before the S.R.O. Vizianagaram.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 10-10-1979  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I.

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November, 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/11-79/1104.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 104 (1st Floor) Office Flat, situated at Cinema Complex Building, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 2-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s D. L. F. United Ltd., 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

(2) 1. S. Harbans Singh 2. S. Inder Singh 3. Gurdarshan Singh & 4) Dr. Kalyan Singh sons of Harnam Singh Sachdev, S/490-A, Greater Kailash New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Flat No. 104 (1st Floor) Cinema Complex Building, Greater Kailash-II, New Delhi. The property is bounded as under:—

East: 40 Feet wide Road.

West: 80 Feet wide Road of Greater Kailash-II colony

North: Chiragh Delhi Kalkaji Road.

South: Greater Kailash II (residential Plot Nos. E/588 and E-615).

D. P. GOYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 23-11-1979

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Sunder Lall, N-124, Panch Shila Park New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November, 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1105/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land mg. 25 bighas 2 biswas situated at village Jaunapur, Tehsil Mehrauli, Distt. Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Master Tushar Pathak (Minor) S/o Shri Krishan Pathak of village Mohariya, Distt. Aligarh through his father Shri Krishan Pathak as guardian At present residing in Fouad Abbas Villa No. 2, Jume-rah—Dubai (UAE).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 bighas 2 biswas situated in Village Jaunapur, Tehsil Mehrauli Delhi State Delhi. The details of which are as under :—

Killa No. 6/2 measuring 1 bigha 13 biswas.  
Killa No. 7/2 measuring 1 bigha 13 biswas.  
Killa No. 8/2 measuring 4 bighas 12 biswas.  
Killa No. 9/2 measuring 3 bighas 16 biswas.  
Killa No. 13 measuring 4 bighas 16 biswas.  
Killa No. 14 measuring 4 bighas 16 biswas.  
Killa No. 15 measuring 3 bighas 16 biswas.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 23-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November, 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1106/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land mg. 22 bighas 8 biswas situated at village Jonapur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Prem Mohini Lal, N-124, Panch Shila Park New Delhi.

(Transferor)

(2) Km. Shardha Pathak (Minor) D/o Shri Krishan Pathak of village Mohariya, Distt. Aligarh through her father Sh. Krishan Pathak as guardian, at present residing in Fouad Abbas Villa No. 2, Jumeirah, Dubai (UAE).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 22 bighas 8 biswas comprising of following khasra Nos. situated in village Jonapur Tehsil, Mehrauli Distt. Delhi.

Killa No. 17 measuring 5 bighas 15 biswas.  
Killa No. 18 measuring 4 bighas 16 biswas.  
Killa No. 22 measuring 4 bighas 9 biswas.  
Killa No. 23 measuring 4 bighas 9 biswas.  
Killa No. 24 measuring 2 bighas 19 biswas.

D. P. GOYAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 23-11-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Uma Arora, Gall No. 2, H. No. 4970 Shlv Nagar Karol Bagh New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amrit Lal Sethi R/o B-IV/129, Lajpat Nagar New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November, 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1108/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-IV/129, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. B-IV/129, Part II area 100 sq. yds. situated at Amar Colony, Lajpat Nagar, IV, New Delhi.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Dated : 23-11-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Krishan Trimbak Ganpuley 14/10, Kalkaji New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Dr. Sukh Dev Sehgal A-1/2, Panchsheel Enclave New Delhi.

(Transferees)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX**ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November, 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1109/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14/10, situated at Kalkaji New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.**THE SCHEDULE**

House on leasehold lot measuring 1560 sq. ft. bearing No. 14/10, situated at Kalkaji, New Delhi-19.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—366GI/79

Dated : 23-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November, 1979

Ref No JAC/ACQ-I/1111/11-79.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No B-IV/58, situated at Amar Colony, Lajpat Nagar New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on 5-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt Shakuntla Devi Khanna W/o Late Sh Kasturi Lal R/o RZ-273/A, Tuglakabad Extension Colony (Kalkaji) New Delhi.

(Transferor)

(2) Sm. Kuldi Kaur W/o Vir Singh, R/o B-IV/58, Amar Colony Lajpat Nagar New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## TIME SCHEDULE

Property No. B-IV/58, Amar Colony Lajpat Nagar New Delhi Area 100 sq. yds. bounded as under :—

North : Property No. B-IV/59.  
South : Property No. B-IV/57.  
East : Serice Lane.  
West : Road.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Dated : 23-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-1/1113/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 4, situated at Central Market, Lajpat Nagar New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Narain Dass S/o Bhoj Raj R/O II-F/99, Lajpat Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Arun Kumar S/O Krishan Lal R/O B-5, Co-operative Housing Society, NDSE-I, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Suresh Paruthi, B.I. Line, Meerut Cantt. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 4, Area 263 sq. ft. situated at Central Market Lajpat Nagar New Delhi.

D. P. GOYAL,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 23-11-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/3-79/1114.—Whereas, I, D. P. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-16E, situated at Hauz Khas Enclave New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 6 March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Rani Chandra Kunvetha, s/o Late Maj Gen. Maharaj Shri Himat Singhji, r/o of D-16/E, Hauz Khas New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pran Nath Satin, 4, Doctor's Lane Gole Market, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that two and a half storied constructed on plot No. 16-E, Block No. D, Hauz Khas Enclave, New Delhi with all the land underneath, measuring 275 sq. yds.

North : Plot No. D-16/D  
South : Plot No. D-16/F  
East : Road  
West : Service Lane

D. P. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 23-11-1979  
Seal :



**FORM ITNS**

(1) M/s Punjab Oil Distributing Co. P. Ltd. through  
Shri S. S. Sahni Director, C-150, Defence Colony  
New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kirat Singh S/o Shri Amar Singh C/o M/s  
Zenith Saree House, 2402-03, Hardhian Singh Road,  
Karol Bagh New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 23rd November 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq-1/1118/11-78.—Whereas, I, D. P.  
GOYAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. C-150 situated at Defence Colony New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi 7-3-1979  
for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the trans-  
feree for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

A 2½ storeyed building No. C-150 Defence Colony New  
Delhi measuring 401 sq. yds. bounded as under :—

East : Property No. C-151  
West : Road  
North : Road  
South : Serice Lane.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the  
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 23-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1126/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land Mg. 31 bighas 9 biswas situated at village Mehrauli New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. Chakravarty, 177, Jor Bagh New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri A. N. Bhandari, Padma Bhandari 13-B, Sujan Singh Park New Delhi and S. Bhandari, 6 Prithvi Raj Road, New Delhi.  
(Transferee)

Objections if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 31 bigha 9 biswas and bearing the following khasra numbers in the area of village Mehrauli, Tehsil Mehrauli New Delhi.

Khasra No.	Area Bighas	Biswas
2248/2141/577	4	6
2142/2058/577	8	2
2249/2141/577	3	19
2247/2141/577	5	9
	31	9

D. P. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 23-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref No. IAC/ACQ-I/SR-III/3-79/1131.—Whereas, I, D. P. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as

the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-453, situated at Greater Kailash New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 5 March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Rajbar Singh Sandhu through his attorney Dr. Randilur Singh Sandhu S-453, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Saral Sudan, 5, Tolstoy Marg, New Delhi-110001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two and half story H. No. S-463, Measuring 250 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 23-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/3-79/1136.—Whereas, I, D. P. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land mg. 14 Bighas and 10 Biswas, situated at village Satbari Tehsil Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 28th March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Singh, Gian Singh, Bhup Singh s/o Mohan Lal; and Bhagwat Singh s/o Mohan Lal for sale and as attorney of Mahbir Singh and Sukhbir Singh s/o Hoshiar Singh r/o Village Maidangargi, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Vijay Narain s/o Late Seth Jagat Narain r/o 6A, Jantar Mantar Road, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land area area 14 bighas and 10 biswas, Khasra No. 320(4-16), 321(4-4), 323(5-10), situated in village Satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 23-11-1979  
Seal :

## FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I.

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/3-79/1137.—Whereas, I,  
D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Agr. land mg. 14 Biswas, 6 Biwas situated at Village Satbari, Tehsil Mehruali, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12th March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
23—366GI/79

- (1) Shri Ram Singh, Gian Singh, Bhup Singh s/o Mohan Lal, and Bhagwat Singh s/o Mohan Lal, attorney of Mahabir Singh and Sukhbir Singh s/o Hoshiar Singh, r/o Village Maidangarhi, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Vijay Narain s/o Late Seth Jagat Narain r/o 6A, Jantar Mantar Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land area 14 Bighas and 6 Biswas, Khasra No. 317(3-18), 318(4-16), 319(4-4), 324(1-B), situated in village Satbari, Mehruali, New Delhi.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 23-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1154/11-79.—Whereas, I,  
D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-28, situated at Greater Kailash Part II New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Om Prakash Aggarwal S/o Late Raghbir Prashad and Smt. Hemlata Aggarwal W/o Gian Chand Aggarwal R/o A-15/7, Vasant Vihar New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Harbans Kaur S/o L. S. Puri R/o C-139, Defence Colony New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. E-28, measuring 250 sq. yds. in Greater Kailash-II.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated : 23-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1155/11-79.—Whereas, I, D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land 19 bighas 4 biswas situated at Village Dehra Mandi Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17th March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Chander S/o Shri Aman Dehra Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chander S/o Sita Ram R/o Usha Farms Bhati Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 bighas 4 biswas Mustatl No. 49 Kila No. 13(4-16), 14(4-16), 17(416) and 17(4-16) of Dehra Mandi Delhi.

D. P. GOYAL.  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 23-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/3-79/1156. Whereas, I, D. P. GOYAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land mg. 12 Bigha 8 Biswas situated at Dehra Mandi Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 16th March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Ram Chander s/o Shri Aman r/o Dehra Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Chander s/o Shri Sita Ram r/o Usha Farms Bhai Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 12 Bigha 8 Biswas of Mustatil No. 49 Kila No. 23 area (4-16) Kila No. 3 area (4-16), and Mustatil No. 78 Kila No. 8/1 area (2-16) of Village Dehra Mandi, Delhi State, Delhi.

D. P. GOYAL.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 23-11-1979

Seal :



FORM ITNS- - - -

(1) Shri Lekhram s/o Shri Khimi r/o Dehra Mandi  
Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Satish Chander s/o Sita Ram Usha Farms  
Bhati Delhi.

(Transferee)

(Person(s) in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 23rd November 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/3-79/1157.—Whereas, I,  
D. P. GOYAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Agr. land mg. 7 Bigha 5 Biswas situated at village  
Dehra Mandi, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on 16th March 1979

for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or

moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural lands mg. 7 Bigha 5 Biswas of Mustatil No.  
78 Kila No. 4(4-16) and Kila No. 7(2-9) of village Dehra  
Mandi, Delhi State, Delhi.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely :—

Dated : 23-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s DLF Builders, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sudha Jaipuria C-48, N.D.S.F.-II, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW-DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-1/1159/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 16 (Ground Floor) situated at Commercial Complex, Greater Kailash-II New Delhi-48 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at New Delhi on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 16, Ground Floor, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi bounded as under :—

East	Others land
West	Cinema
North	Kalkaji Road
South	DLF Cinema Complex

D. P. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 23-11-1979

Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s DLF Builders 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prabha Sukhani, B-31, Kailash Apartment, Kailash Colony, New Delhi-48.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 23rd November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/Acq-I/1160/11-79.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 1 (Ground Floor) situated at Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1 (Ground Floor) Commercial Complex, Greater Kailash-II New Delhi bounded as under :—

East	Others land
West	Cinema
North	Kalkaji Road
South	DLF Cinema Complex.

D. P. GOYAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Dated : 23-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1161/11-79.—Whereas, I,  
D. P. GOYAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
Shop No. 6 (Ground Floor) situated at Commercial  
Complex, Greater Kailash-II, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 17th March 1979  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) M/s DLF Builders 21-22, Narindra Place, Parli-  
ment Street, New Delhi.

(Transferee)

(2) M/s Indra Prastha, 8-Indian Oil Bhawan, Janpath  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground Floor, Commercial Complex, Greater  
Kailash-II, New Delhi bounded as under :—

East : Others land  
West : Cinema  
North : Kalkaji Road  
South : DLF Cinema Complex.

D. P. GOYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 23-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1163/11-79.—Whereas, I,  
D. P. GOYAL,Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. E-223, situated at Greater Kailash-II, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
of New Delhi on March 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

24—366GI/79

(1) Dr. D. P. Seth S/o late C. L. Seth, E-223, Greater  
Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri J. G. Khanna S/o late R. G. Khanna C-140,  
Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storeyed House No. E-223, Greater Kailash-II, New  
Delhi measuring 251 sq. yds. bounded as under :—

East : E-221 House  
West : E-225 House  
North : Service Lane  
South : Road

D. P. GOYAL  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 23-11-1979

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1165/11-79. —Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Agrl. land mg. 32 bighas 1 biswas situated at village Gadaipur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Maj. Genl. S. N. Bhatia S/o R. B. R. N. Bhatia and his wife Smt. Savitri Bhatia of D-430, Defence Colony New Delhi.

(Transferee).

(2) Shri Bhupinder Singh S/o S. Waryam Singh, Tri lok Singh Chail S/o S. S. Harpal Singh, S. Dhiyan Singh S/o Harpal Singh & S. Amar Singh S/o S. Lehna Singh of Vill. Manpur Oja, Tehsil Bilaspur, Distt. Rampur U P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 32 bighas 1 biswas (about 6.7 acres) in village Gadaipur, New Delhi.

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated : 23-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Gurbachan Singh S/o Jhanda Singh R/o 89, Hem Kanta near Nehru Place, New Delhi.

(Transferors)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kartar Chand Narang S/o Mool Chand and Shri Baldev Raj Narang S/o Kartar Chand R/o B-25, N.D.S.E. Part I, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1167/11-79.—Whereas, I,  
D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-25, situated at New Delhi South Extension Part I New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. B-25, measuring 206 sq. yds. situated in New Delhi South Extension Part I, New Delhi.

D. P. GOYAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 23-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Kirit Singh S/o S. Qurban Singh R/o 244, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferees)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dhanbir Singh Modi S/o Shri Dayal Singh Modi R/o L-19, Kalkaji New Delhi-19.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. 1AC/ACQ-I/1168/11-79.—Whereas, I,  
D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land mg. 8 bigha 10 biswas situated at Village Sultanpur New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 20-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land area 8 bighas 10 biswas Khasra No. 50 min East (4-7) and 52 min East (4-3) with tube-well and boundary wall, Village Sultanpur New Delhi.

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 23-11-1979  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1172/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 265 situated at Gulmohar Avenue, Jamia Nagar, Okhla New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Begum Sayeeda Khurshid W/o Khurshid Alam Khan R/o 2-Moti Lal Nehru Place, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Ch. Mukhtiar Ahmed Khan S/o Ch. Abdul Majid Khan R/o 2068, Kucha Nabar, Khan Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storey residential building bearing Municipal No. 265 situated at Gul Mohar Avenue, Jamia Nagar Okhla New Delhi measuring 1052.76 sq. meters bounded as under :

East	Property of Prof. M. Majeed
West	Road
North	Plot No. 4 & 5
South	Properties of Mrs. Shan Jahan Beham and Mr. Salman Khurshid.

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 23-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M. S. DLF Builders 21-22, Narindra Place (Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Amrit Kaur W/o. Onkar Singh 8A/47, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 3rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1172/11-79. -Whereas, I,

D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 6A (2nd Floor) situated at Commercial Complex, Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6A (Second floor) Commercial Complex Greater Kailash-II, New Delhi-110048 bounded as under :—

East	Others land
West	Cinema
North	Kalkaji
South	DLF Cinema Complex.

D. P. GOYAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated : 23-11-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,**

4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI-110002

New Delhi the 23rd November 1979

Ref No IAC/ACQ-I/SR-III/3 79/1177 — Whereas, I, D P GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No Shop No 7, in situated at Cinema Complex Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi, on 15th March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) DLF United Limited, 21-22 Narindra Place, Parliament Street New Delhi 110001

(Transferor)

(2) Smt Sushma Khanna w/o Shri Chander Mohan Khanna F/56 Greater Kailash Enclave-II, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Shop No 7 (Ground floor) Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi bounded as under :—

East	40 Feet wide Road
West	80 Feet wide road of Greater Kailash-II,
North	Chirag Delhi Kalkaji Road
South	Greater Kailash II (Residential plot No. E-588 and E-615)

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Dated 23-11-1979

Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) DLF UNITED LIMITED, 21-22, Narindra Place,  
Parliament Street, New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Harish Kumar Passi r/o C/171, Greater Kai-  
lash-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/3-79-1178.—Whereas, I,  
D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Shop No. 10 (G.F.) situated at Cinema Complex,  
Greater Kailash-II New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on 15th March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 10, (GF) mg. 302.2 Sq. Ft. situated in Cinema  
Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated : 23-11-1979.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Ranjit Sahni w/o Sh. Chhattar Singh Sahni  
R/o 65/40, New Rohtak Road, New Delhi.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Ishwar Chand Gupta, 23/2, Yusuf Sarai New Delhi.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,**

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1189/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-572, situated at Greater Kailash No. II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at New Delhi on 27-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
25—366GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A freehold residential plot of land bearing No. 572 Block No. E, measuring 550 sq. yds. i.e., 459.87 sq. meters situated in Greater Kailash No. II on Chiragh Dilli Road, in the revenue estate of village Bahapur New Delhi bounded as under :—

East	Service Lane
West	Road
North	Plot No. E-574

D. P. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated : 23-11-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,**

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1218/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land mg. 33 bighas 12 biswas situated at village Mehrauli New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harpal Singh S/o Late S. Sarbjit Singh for self and as general attorney on behalf of Shri Dilsher Singh R/o United State of Amerika.  
(Transferor)

(2) Master Arvind Goenka and Master Amitabh Goenka R/o 30-Poorvi Marg., Vasant Vihar New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Piece of land measuring 33 bighas and 12 biswas comprising of Killa Nos. 19 (4-16), 20(4-16), 21 (3-11), 22 (4-5) and 30 (1-16) of the Rectangle No. 29 and Killa No. 1 (4-16) No. 2 (4-16), 10 (2-8) and 9 (2-8) of Rect. No. 46 alongwith all the constructions and a tubewell existing thereupon situated in the Hadbast No. 31 within the revenue estate of village Mehrauli Delhi State, Delhi.

D. P. GOYAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated : 23-11-1979  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Manmohan Ahuja S/o Hari Mohan Ahuja  
R/o X-3, Hauz Khas New Delhi.  
(Transferor)

(2) M/s Tej Properties Pvt. Ltd. 23-Jorbagh New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-III/1234/11-79.—Whereas, I,  
D. P. GOYAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing

No. Agrl. land 17 bighas 4 biswas situated at with farm  
house

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land with farm house bearing Khasra Nos.  
1018, 1021, 1026, 1027, 1034/2, 1035 & 1036 total area being  
17 bighas & 4 biswas.

D. P. GOYAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated : 23-11-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 27th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1235/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12 situated at Jaipur Estate, Nizamuddin New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Savitri Devi W/o Ram Rakha Kushtar 12-Jaipur Estate, Nizamuddin East New Delhi.  
(Transferor)  
(2) Dr. Suresh Gupta S/o R. B. Sheo Parshad R/o B-48, Greater Kailash-I, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Two and a half storeyed building built on plot No. 12 measuring 616.22 sq. yds. situated at Jaipur Estate Nizamuddin East New Delhi.

D. P. GOYAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated : 27-11-1979

Seal :



**FORM ITNS—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 27th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1170/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-3 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Trilochan Singh, Surinder Singh & Smt. Amar Kaur sons and w/o Late S. Naranjan Singh 14-B, Phagwara Model Town Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Natesh Chand S/o Kewal Krishan R/o M-6, Greater Kailash (Market) New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot bearing No. M-3 (Residential) measuring 500 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated : 27-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 27th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/1174/11-79.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-149 situated at Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Santosh Maini, 85, Vallabh Bhai Nagar Indore at present 12-W, Main Patel Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Guvinder Singh Khurana E-118, East of Kailash New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. E-149, measuring 251 sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated : 27-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Abdul Moiz U'd Sheikh Abdul Aziz,  
Muradpur, P.S. Pubahore, Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Subhiti Devi w/o Sri Jainath Prasad,  
(Radhikantwas),  
Anugraha Narayan Road, New Area,  
Kadamkuan, Dist. Patna.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Top Tailoring,  
Muradpur, Patna.  
2. M/s. Big Ben Watches,  
Muradpur, Patna.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,

BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 5th October 1979

Ref. No. III-350/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 8/15, Circle No. 23, Sheet No. 67 Holding No. 4 (old) 6 (New) situated at Ashoke Raj Path, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 26-3-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A share of 2 annas 8 paise in a house property situated at Ashoke Raj Path, in a area .37 Kari at Muradpur, Ashoke Raj Path, P.S. Pubahore, Patna more fully described in deed No. 1805 dated 26-3-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 5-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 5th October 1979

Ref. No. III-351/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 8 (old) 15 (New) Circle No. 23, Sheet No. 67, Holding No. 4 (old) 6 (New)

situated at Ashoke Raj Path, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 26-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Bibi Sajda Khatoon W/o Md. Nassiruddin,  
At Mohalla Gudri, P.S. Khajakala,  
Patna City, Dist. Patna.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Anil Prasad,  
(2) Shri Sunil Prasad,  
(3) Sri Ranjan Prasad,  
(4) Sri Pravesh Kumar Gupta  
S/o Sri Jainath Prasad,  
Radhkaniwas,  
Anugraha Narain Road, New Area,  
Kadamkuan, Patna-3.

(Transferee)

- (3) 1. M/s. Top Tailoring,  
Muradpur, Patna.  
2. M/s. Big Ben Watches,  
Muradpur, Patna.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A share of 2 annas 8 paise in a house property situated at Ashoke Raj Path, in a area 9.37 Kari at Muradpur, Ashoke Raj Path, P.S. Pribahore, Patna more fully described in deed No. 1808 dated 26-3-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 5-10-1979

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001  
Patna-800001, the 5th October 1979

Ref. No. III-352 (Acq/72-80). Whereof, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 8 (old) 25 (new) of Plot No. 23, Sheet No. 67, Holding No. 4 (old) 6 (new) situated at Ashoke Raj Path, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 28-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—366GI/79

- (1) (1) Asraf Alam S/o Shekh Abdul Hameed, Mohl. Muradpur, Patna.
- (2) Bibi Anuwari Khatoon W/o Gayasuddin Hauli, Masjid Lane, Muradpur, Patna.
- (3) Bibi Sahada Khatoon W/o Abdul Kalam Hauli, At Purani Chowk, Pathwa, Dt. Patna.

(Transferors)

- (2) (1) Anil Prasad,
- (2) Shri Sunil Prasad,
- (3) Sri Ranjan Prasad,
- (4) Sri Prabesh Kumar Gupta S/o Sri Jainath Prasad, Radhkaniwas, Anugraha Narain Road, New Area, Kadamkuan, Patna-3.

(Transferee)

- (3) 1. M/s. Top Tailoring, Muradpur, Patna.
2. M/s. Big Ben Watches, Muradpur, Patna.

(Person in occupation of the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A share of 2 Annas 4-20/33 dam in a house property situated at Ashoke Raj Path, in a area 0.37 Kari at Muradpur, Ashoke Raj Path, P.S. Pirbahore, Patna more fully described in deed No. 1864 dated 28-3-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 5-10-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001**

Patna-800001, the 5th October 1979

Ref. No. III-353/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 8 (old) 15 (New) Circle No. 23, Sheet No. 67, Holding No. 4 (old) 6 (New) situated at Ashoke Raj Path, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 30-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Junaid Alam S/o Sheikh Abdul Hameed, Mohalla At Muradpur, P.S. Pirbahore, Patna.
- (2) Bibi Assgari Khatoon D/o Dr. Sheikh Abdul Hameed, Pathar ki Masjid, Sultanganj, Patna.
- (3) Nasirhuddin S/o Ali Hassan, At Muradpur, P.S. Pirbahore, Patna.
- (4) Bibi Noorjahan Khatoon W/o Haidar Khan, Sultanpur, Danapur.
- (5) Bibi Moina Khatoon W/o Niaz Ahmad Khan, Saikin Terhati Bazar, Calcutta-39.
- (6) Bibi Sosava Khatoon W/o Chirauddin, Mandai Road, Pathar ki Masjid, Patna.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Anil Prasad,
- (2) Shri Sunil Prasad,
- (3) Sri Manjan Prasad,
- (4) Sri Prabash Kumar Gupta S/o Sri Jainath Prasad, Radhkanawas, Anugraha Narain Road, New Arca, Kadamkuan, Patna-3.

(Transferee)

- (3) 1. M/s. Top Tailoring, Muradpur, Patna.
  2. M/s. Big Ben Watches, Muradpur, Patna.
- (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A share of 1 anna 17-1/3 dam in a house property situated at Ashoke Raj Path, in a area 0.37 Kari at Muradpur, Ashoke Raj Path, Patna more fully described in deed No. 1926 dated 30-3-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

**J. NATH**

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 5-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 5th October 1979

Ref. No. III-354/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 8 (old) 15 (New) Circle No. 23, Sheet No. 67, Holding No. 4 (old) 6 (New) situated at Ashoke Raj Path, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 28-3-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Magdhar Alam  
S/o Sheikh Abdul Hameed,  
(2) Susri Sahiha Khatoon,  
D/o Dr. Sheikh Abdul Hameed,  
At Mudarpur, P.S. Pirbahore,  
Patna.  
(Transferor)

- (2) (1) Shri Anil Prasad,  
(2) Shri Surfil Prasad,  
(3) Sri Ranjan Prasad,  
(4) Sri Pravesh Kumar Gupta  
S/o Sri Jainath Prasad,  
Radhika Niwas,  
Anugraha Narain Road, New Arca,  
Kadamkuan, Patna-3.  
(Transferee)

- (3) 1. M/s. Top Tailoring,  
Muradpur, Patna.  
2. M/s. Big Ben Watches,  
Muradpur, Patna.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A share of 1 anna 13-5/11 dam in a house property situated at Ashoke Raj Path, Patna in a area 0.37 Kari at Muradpur, Ashoke Raj Path, Patna more fully described in deed No. 1877 dated 28-3-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 5-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 5th October 1979

Ref. No. III-355/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 8 (old) 15 (New) Circle No. 23, Sheet No. 67, Holding No. 4 (old) 6 (New) situated at Ashoke Raj Path, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 28-3-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Jahan Alam, S/o Sheikh Abdul Hammed, Muradpur, P.S. Pirabohore, Patna.  
(2) Bibi Katwari Khatoon W/o Khursid Alam, Purani Chowk, Fatwah, Dt. Patna.  
(3) Sasri Holan Khatoon, D/o Sheikh Abdul Hammed, Muradpur, P.S. Pirabohore, Dt. Patna.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Anil Prasad,  
(2) Shri Sunil Prasad,  
(3) Sri Ranjan Prasad,  
(4) Sri Praveesh Kumar Gupta  
S/o Sri Jamath Prasad,  
Radhika Niwas,  
Anugraha Narain Road, New Area,  
Kadamkuan, Patna-3.

(Transferee)

- (3) 1. Mr. J. P. Singh,  
Muradpur, Patna.  
2. Mr. R. G. Singh,  
Muradpur, Patna.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any one of the persons named in this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette to the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A share of 2 annas 4-10/32 shari in a house property situated at Ashoke Raj Path, Patna in a area 0.37 Kari at Muradpur, Ashoke Raj Path, Patna more fully described in deed No. 1876 dated 29-3-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 5-10-1979  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 5th October 1979

Ref. No. III-364/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New holding No. 1292, Ward No. VII of Ranchi Municipality situated at Jail Road, East Tharpakna, Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 30-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sulat Sarkar W/o Shri Sushil Kumar Sarkar,  
Jail Road, Ranchi.

(Transferor)

- (2) Shri Gauri Shankar Prasad, Advocate,  
Shaheed Road, Near Post Office,  
Gaya.

(Transferee)

- (3) Shri Parasnath of State Bank of India,  
Upper Bazar, Ranchi.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kathas 8 Chattaks with double storeyed pucca building at Jail Road, East of Tharpakna, Ranchi more fully described in deed No. 3098 dated 30-3-1979 registered with the District Sub-Registrar, Ranchi.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 21-11-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE,  
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR  
NAGPUR

Nagpur, the 18th September 1979

No. JAC/ACQ/93/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 10/1 and 10/2, Mouja Dhudhalgaon Khurd, situated at Dhudhalgaon Khurd (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Buldhana on 15-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Bhagwat Onkar Bharambhe,  
At : Dudhalgaon Khurd,  
Post : Chikhali,  
Tah : Malkapur,  
Dist : Buldhana.

(Transferor)

(2) Shri Wasudeo Sawalram Kolhe,  
At : Dudhalgaon Khurd,  
Post : Chikhali,  
Tah : Malkapur,  
Dist : Buldhana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

13.28 Acre agricultural land bearing Survey No. 10/1, and 10/2, Mouja Dudhalgaon Khurd, Post : Chikhali, Tah : Malkapur, Dist. Buldhana.

S. K. BILLAYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 18-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
THAKKARS BUNGLOW, GIRIPETH,  
NAGPUR

Nagpur, the 25th September 1979

No. LAC/ACQ/94(1)/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Old Monda, Jalna Road, situated at Aurangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Aurangabad on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Aurangabad Ginning & Pressing Factory, Aurangabad.

(Transferor)

- (2) Shri Surendra Kumar Mahender Surana, Watch land Chowk, Aurangabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A piece of land 22204 Sq. Ft. out of Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Old Monda, Jalna Road, Aurangabad. (With Bungalow 396 Sq.m.)

S. K. BILLAIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 25-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
THAKKARS BUNGLOW, GIRIPETH,  
NAGPUR

Nagpur, the 25th September 1979

No. IAC/ACQ/54(2)/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Jalna Road, situated at Aurangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aurangabad on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Aurangabad Ginning & Pressing Factory, Aurangabad. (Transferor)
- (2) Smt. Vasantidevi Kantilal Surana, Watch land Chowk, Aurangabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A piece of land 46835 Sq. ft. out of Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Jalna Road, Aurangabad. (With building 193.04 Sqm.)

S. K. BILLAIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 25-9-1979  
Seal :

FORM ITNS— - -

(1) M/s. Aurangabad Ginning & Pressing Factory,  
Aurangabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Gautamkumar Surana,  
Watch land Chowk,  
Aurangabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
THAKKARS BUNGALOW, GIRIPETH  
NAGPUR

Nagpur, the 25th September 1979

No. IAC/ACQ/94(3)/79-80—Whereas, I. S. K.  
BILLAIYA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/-  
and bearing

Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960,

Jalna Road, situated at Aurangabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Aurangabad on March, 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said in-  
strument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, nameiv :—

27—366GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immova-  
ble property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A piece of land 33915 Sq. Ft. out of Municipal No.  
4-9-43, City Survey No. 12960, Jalna Road, Aurangabad  
(With Bungalow 251 Sqm.).

S. K. BILLAIYA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 25-9-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR  
THAKKARS BUNGLOW, GIRIPETH,  
NAGPUR

Nagpur, the 25th September 1979

No. IAC/ACQ/95/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Jalna Road, situated at Aurangabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aurangabad on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Aurangabad Ginning & Pressing Factory,  
Aurangabad.  
(Transferor)
- (2) Shri Jaiwantraj Hajarimal Surana,  
Watch land Chowk,  
Aurangabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A piece of land 46637 Sq. Ft. out of Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Jalna Road, Aurangabad. (With Bungalow 251 Sqm.)

S. K. BILLAIYA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 25-9-1979  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Aurangabad Ginning & Pressing Factory,  
Aurangabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
THAKKARS BUNGLOW, GIRIPETH,  
NAGPUR(2) Shri Kantilal Jaiwant Surana,  
Watch land Chowk,  
Aurangabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Nagpur, the 25th September 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.No. IAC/ACQ/94(5)/79-80.—Whereas, I, S. K.  
BILLAIYA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingMunicipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Old Monda,  
Jalna Road, situated at Aurangabad(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Aurangabad on March, 1979for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);EXPLANATION :—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

A piece of land 40625 Sq. Ft. out of Municipal No.  
4-9-43, City Survey No. 12960, Jalna Road, Aurangabad.  
(With bungalow 1000 Sq. Ft.).S. K. BILLAIYA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, NagpurNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 25-9-1979

Seal :

**FORM FINS**

(1) M/s. Aurangabad Ginning & Pressing Factory,  
Aurangabad,  
(Transferor).

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Vijayadevi Premchand Surana,  
Watch land Chowk,  
Aurangabad,  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,  
THAKKARS BUNGLOW, GIRIPETH,  
NAGPUR**

Nagpur, the 25th September 1979

No. IAC/ACQ/94(6)/79-80.--Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Old Monda, Jalna Road, situated at Aurangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aurangabad on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A piece of land 38675 Sq. Ft. out of City Survey No. 12960, Municipal No. 4-9-43, Jalna Road, Aurangabad.

**S. K. BILLAIYA**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 25-9-1979  
Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
THAKKARS BUNGLOW, GIRIPETH,  
NAGPUR

Nagpur, the 25th September 1979

No. IAC/ACQ/94(7)/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Old Monda, Jalna Road, situated at Aurangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aurangabad on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Aurangabad Ginning & Pressing Factory,  
Aurangabad.  
(Transferor)
- (2) Shri Peatapmalji Surana,  
Watch land Chowk,  
Aurangabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land 35625 Sq Ft. out of Municipal No. 4-9-43, City Survey No. 12960, Jalna Road, Aurangabad.

S. K. BILLAIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 25-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sardoolsingh Vishakasingh,  
Saddle, Ramdaspath, Nagpur.

(Transferor)\*

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Gurdeepkaur W/o Jaisingh Saddle,  
Ramdaspath, Nagpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
THAKKAR BUNGLOW GIRIPETH,  
NAGPUR

Nagpur, 25th September 1979

N.O. IAC/ACQ.95/79-80. —Whereas, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 10, Ramdaspath, C. No. 20 Div No. 8, Nagpur situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 2-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 10, Circle No. 20, Division No. 8, Wardha Road, Ramdaspath, Nagpur.

S. K. BILLAIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 25-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Shri Bijoy K. Samant, S/o late Shri Dr. D. Samant, Deputy District Officer, Orissa Govt. Bhubaneswar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1364 '79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jagdalpur, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on 19th March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Shri Kashi Nath Das S/o Shri Basudeonathdas, Bhairaganj Ward Jagdalpur

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One piece house with piece compound in Sheet No. 64, Plot No. 17/28 and 17/19 area 5060 sq ft at Nayapara Ward, Jagdalpur.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 5-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sant Kumar Singh, S/o Shri Gopal Singh, Agra, U.P.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mrityunjay Singh S/o Shri Satruhan Singh, Vill. Padaria, Teh. Janjgir, Distt. Bilaspur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1365/79-80.—Whereas, I K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Agri Land situated at Vill. Padaria, Bilaspur Dist., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Janjgir on 12th March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land in Vill. Padaria H. No. 9. L. No. 449. 394, 302 and 497 measuring 25.07 acres.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 5-11-1979  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri B. L. Saraf, Advocate S/o Permanand Saraf and Dr. Samrendra Saraf S/o Shri B. L. Saraf, Advocate, Laxmipura, Sagar.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Rajkumar S/o Kunjilal Kesharwani and Vijay Kumar S/o Kunjilal Kesharwani, Jawaharganj Ward, Sagar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

## BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1366/79-80.—Whereas I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Sagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sagar on 31st March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
28—366GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House in Galla Bazar, Tilakganj, Sagar.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 5-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri B. L. Saraf Advocate and Dr. Samrendra Saraf,  
Laxmipura, Sagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S/Shri Harishanker, Madan Mohan and Ashok  
Kumar, sons of Shri Kunjilal Kesharwani, Jawahar-  
ganj Ward, Sagar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

## BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1367/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. House situated at Sagar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
Sagar on 2nd April 1979,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the to pay tax under the said Act, in respect of  
any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

House in Galla Bazar, Tilakganj Ward, Sagar.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 5-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shanker Narhar, Bahallar, 20/1, Sikh Mohalla, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prakashchandra, S/o Laxminarayan Dasauriya, 11/1, Lodhi Pura, Indore and Smt. Gitabai, W/o Mohanlal, 33, Kagadipura, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1368/79-80.—Whereas, I K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

Indore on 2nd March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

House No. 20/1, Old No. 19, Back Portion situated at Sikh Mohalla, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 5-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1369/79-80.—Whereas, I K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2nd March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shankar Narhar Rahalkar, 20/1, Sikh Mohalla, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Arjun S/o Laxminarayan Rathore Rajendra Nagar, Main Road, Indore and Smt. Sushila W/o Ashok Kumar, 33, Kagadipura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Front portion of house No. 20/1, Old No. 19 situated at Sikh Mohalla, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 5-11-1979

Seal :



FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Dattatray Bapat S/o Shrikrishna Bapat, 78, Raoji Bazar, St. No. 2, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1370/79-80.—Whereas, I  
K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore.

(and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26th March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Mannulal, Narayan and Bhagirath (Minor) (Through L/H Smt. Pannabai, W/o Shankerlal) all sons of Shankerlal, 33, Reshamwala Lane, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 78 on Rakba 2630 sft. at Raoji Bazar, St. No. 2, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 5-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Laxmikant Mishra S/o Ayodhya Pd. Mishra,  
Karbala Para, Raipur.  
(Transferor)
- (2) Smt. Ganga Devi Sharma W/o Vijayram Sharma,  
Mahasamund, Distt. Raipur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

## BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1371/79-80.—Whereas, I  
K. K. ROY,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. House situated at Raipur,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Raipur on 23rd March 1979,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

House on Rakba 3810 sft. bearing No. 34/1 at Karbala  
Housing Society, Raipur.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 5-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Santosh Kumar S/o Biswanath Pd. Tiwari,  
Satna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S/Shri Parasram S/o Tahalmal Sindhi and Sachha-  
nand, S/o Tahalmal Sindhi and Sewakram S/o  
Gulabrai Sindhi, Satna.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1372/79-80.—Whereas, I  
K. K. ROY,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. House situated at Satna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Satna on 18th April 1979,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transfer; and /
- 
- or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
- 
- 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
- 
- 45 days from the date of publication of this notice
- 
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
- 
- the service of notice on the respective persons,
- 
- which period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
- 
- able property, within 45 days from the date of the
- 
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing Old No. 886/1, Ward No. 3 and 887 and  
New No. 1007 at Raghurajnagar, Satna.K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, BhopalDate : 5-11-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE****BHOPAL**

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1373/79-80.—Whereas, I K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Bilaspur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 3rd April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Prabhucharan Dube, S/o Late Shri Shyamacharan Dube, Vidisha and Vasantcharan Dube, S/o Late Shri Vidyacharan Dube, LIG Colony, Indore.  
(Transferor)

(2) S/Shri Shivkumar and Lakhankumar sons of Kuleshwarnath, Sadar Bazar, Bilaspur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House situated at Gondpara, Bilaspur, (H. No. 110-A).

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 5-11-1979  
Seal :

**FORM ITNS—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE  
BHOPAL**

Bhopal, the 6th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1374/79-80.—Whereas, I K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Raipur on 19th March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
29—366G1/79

(1) Shri Biharilal and Rameshkumar sons of Shri Virumal, Banjari Road, Raipur.  
(Transferor)

(2) Smt. Kanta Devi W/o Bhattulal; and Smt. Shanti W/o Manoharlal, Lakhenagar, Raipur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Part of House No. 12/12 on Rakba 1100 sft. (half portion) situated at Banjari Road, Raipur.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-11-1979  
Seal;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

## BHOPAL

Bhopal, the 6th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1375/79-80.—Whereas, I K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Raipur on 19th March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Biharilal and Rameshlal sons of Shri Birumal, Banjari Road, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Sakhi Devi W/o Gulabrai and Smt. Radha Devi W/o Achandmal, Lakhenagar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 12/12 on Rakba 1100. (Half portion) situated at Banjari Road, Raipur.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-11-1979

Seal :

## FORM TINS

(1) Shri Vikramsen Madhusudan Rao Matkar, 5, Race Course Road, Indore.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nandram S/o Dayaram, 26, Bakshi Gali, Indore.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

## BHOPAL

Bhopal, the 6th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1376/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Indore on 6th April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 26 situated at Bakshi Gali, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-11-1979  
Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Vikram Madhusudan Rao Matkar, 5, Race Course Road, Indore.

(Transferor)

(2) S/Shri Maganbhai Vikrambhai Patel, and Pravin-kumar Maganbhai Patel, 26, Bakshi Gali, Indore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

BHOPAL

Bhopal, the 6th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1377/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 13th April 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of house No. 26 situated at Bakshi Gali, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-11-1979

Seal :



## FORM ITNS

(1) S/Shri Devrajibhai and Jagjivanbhai sons of Shri Desabhai Soni, Bajajkhana, Indore

(Transferor)

(2) Smt. Chandrakantabai W/o Keshrimalji and Smt. Nirmalakumari W/o Narendrakumarji, 68, Bajajkhana, Indore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE

## BHOPAL

Bhopal, the 6th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1378/79-80.—Whereas, I K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 30th March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Municipal House No. 68 situated at Kasera Bazar, Bajajkhana, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1379/79-80.—Whereas, I  
K K. ROY,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer

Indore on 31st March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. Suganbai W/o Shri Kishan, Smt. Saraswatibai,  
Wd/o Late Tejkaraji and Shri Rajendra S/o Shri  
Tejkaran, 36/2, Jail Road, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Omprakash S/o Shri Ghanshyamdas 48/4,  
Bajajkhana, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 8 situated at Netaji Subhash Marg,  
Indore.

K. K. ROY

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 5-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

## BHOPAL

Bhopal, the 6th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1380/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 31st March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Suganbai, Wd/o Shri Kishanji, Smt. Saraswati-bai, Wd/o Shri Tejkarani and Shri Rajendra S/o Shri Lejkaran, 36/2, Jail Road, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Balkishan S/o Shri Ghanshyamdas Soni, 48/4, Bajaj Khana, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of house No. 8 situated at Netaji Subhash Marg, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-11-1979  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1381/79-80.—Whereas, I K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, at 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 31st March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sujanbai, W/o Shri Kishanji, Smt. Saraswattibai, Wd/s Shri Tejkaraji and Shri Rajendra S/o Shri Tejkaraji, 36/2, Jail Road, Indore.  
(Transferor)

(2) Shri Bhagwandas Soni, S/o Shri Ghanshyam Das Soni, 48/4, Bajaj Khana, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 8 situated at Netaji Subhash Road, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-11-1979  
Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Gangadhar s/o Krishnrao Bhatawadelar,  
H. No. 120, Tilak Path, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohanlal s/o Hirjiabhai Dhamecha,  
H. No. 32, Street No. 2, Jail Road,  
Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 6th November 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ./BPI/1382/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Indore on 30th March, 1979

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reasons to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said Instrument of transfer with the  
object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 120 on plot area of 1800 sft. situated at Tilak  
Path, Indore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
30—366GI/79

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-11-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Ramdulare Pathak,  
S/o Shri Mewaram Pathak,  
Bajrang Nagar, Indore.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.**

(2) Shri Nageshwar Rao s/o Ghonduji Chikle,  
9/8, Pardeshipura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 7th November 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ BPL/1383/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
House situated at Indore  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
Indore on 21st March, 1979  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and I  
have reasons to believe that the fair market value of  
the property as aforesaid exceeds the apparent con-  
sideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of—

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Southern portion of House No. 9, situated at Road No. 8,  
Pardeshipura, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 7-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1384/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 21st March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramdulare Pathak  
S/o Shri Mewaramji Pathak,  
Bajrang Nagar, Indore.

(Transferor)

- (2) Smt. Bhagirathi Bai,  
Wd/o Shri Pandurang Rao Chikile,  
9 '8, Pardeshipura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Northern portion of House No. 9, situated at Road No. 8, Pardeshipura, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1385/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on 19th March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Gopibai Wd/o Harivallabh Shukla, Brahmanpuri, Karmaveer Press Gali, Khandwa; and  
2. Shri Mahendrakumar s/o Mahashanker Purohit, Rajpura Badi-Ki-Fel, Burhanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri  
1. Sureshchand and  
2. Rameshchand  
S/o Bhagwandasji Gujrati,  
Ramganj, Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three-storeyed house on Rakba 2108 sft. at Hariganj (Karmaveer Press Gali), Khandwa.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-11-1979  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1386/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 31st March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sajjansingh S/o Hulasmal Mehta,  
P/o Joy Builders,  
208, Jawahar Marg,  
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ajay S/o Samrathmal Jain,  
27/1, Bairathi Colony,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open Plot No. 12, area 4280 sft. at Vallabh Nagar, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-11-1979  
Seal :

FORM ITNS— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1387/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17th March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Abdul Razzak S/o Bismillah, through Shri Yash Mohd. S/o Abdul Majid, 11/2, Ranipura, Indore. (Transferor)

(2) Noorayee Society, 50, Daulatganj, Indore through Shri Abdulla Ansari S/o Mohd. Shafi Ansari, 17, Daulatganj Main Road, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house No. 49 on Rakba 858 sft. at Daulatganj, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-11-1979  
Seal :

## FORMS ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1388/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 6th March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Banubai D/o Abdul Hussain, Mandsaurwala; and  
2. Shri Kalimuddin S/o Haji Mulla Rajabali Bohra, 280, Jawahar Marg. Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Sakinabai W/o Abid Hussain Bohra, 140, Ranipura, Indore. (Transferee)
- (3) S/Shri Fakruddin; Kilabhai Alibhai; and Devchand Ishwarchand. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 23 situated at South Toda, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bheosingh S/o Girdharisingh Ranawat,  
20/3, New Palasia, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri Narayan and Jagdish,  
Sons of Sewaramji Chhabriya,  
41, Jawahar Marg,  
Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1389/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and property on having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Open Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9th March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open Plot comprising area of 11,250 sft. bearing No. 33, at Palasia Hana, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1979  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1390/79-80—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 15th March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—  
31—366GI/79

(1) Shri Baburao S/o Govindrao Gaikwad,  
9, Bairathi Colony No. 1,  
Indore.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Durgabai W/o Narayan Rao Joshi; and  
2. Smt. Prabhadevi W/o Madhukar Joshi,  
Sagore, Distt. Dhar (Now at 6, Bairathi Colony  
No. 1, Indore).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three storeyed pacca house on Rakba 2000 sft. at 6, Bairathi Colony No. 1, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-11-1979

Seal :

FORM IINS

(1) Shri Dungarsingh S/o Bothlalji Surana,  
42, Koyala Bakhhal, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Surendrakumar S/o Moti Lal Bhandari  
59, Bada Sarafa,  
Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1391/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 26th March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Four storeyed house No. 42 on rakba 410 sft. at Koyala Bakhhal, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1392/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 30th March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Saraswati Devi Raj  
W/o Krishanchandra Raj Khatri,  
Raj Niwas, Camp Katni, Distt. Jabalpur  
At present at Naya Bazar, Lashkar.

(Transferor)

(2) Smt. Kamladevi W/o Shivnarayan Shivhare and  
Shri Subhashchandra Shivhare S/o Shivnarayan,  
R/o Khula Santhan, Morar.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of house situated at Dabra Mandi, Distt. Gwalior.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-11-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1393/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 31st March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Khushiram S/o Hiranand Kakwani, Nai Basti, Near Veterinary Hospital, Katni. (at present at Naya Bazar, Lashkar).  
(Transferor)

- (2) Smt. Kamla Devi W/o Shivnarayan Shivhare, & Shri Subhashchandra S/o Shivnarayan Shivhare, Khula Santhar, Murar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Half portion of house situated at Dabra Mandi, Gwalior.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-11-1979  
Seal :



FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1394/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 12th March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Panchulal Mayaram Kashyap,  
93, Tilak Path, Indore.  
(Transferor)
- (2) Shri Chandrakant Balkrishna Modak,  
15, Jati Colony, Indore (Now at Tilak Path, Indore).  
(Transferee)
- (3) Smt. Vidhyawati Khandelwal;  
Shri Om Prakash Pyarelal Khandelwal and  
Shri K. C. Nigam.  
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 93 on rakba 1800 sft. at Tilak Path, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 8-11-1979

Seal :

**FORM TINS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1395/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 28th March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sureshchandra S/o T. C. Gupta,  
13/36, Shakti Nagar, Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Arza Rajya Laxmi W/o Rammaya,  
E-3/100, Arera Colony, Bhopal.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House constructed on Plot No. 100, Private Sector, E-3, Arera Colony, Bhopal.

**K. K. ROY**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 8-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"  
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 23rd June 1979

Ref. No. L.C. 305/78-79.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calicut on 17-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri C. V. Khalid,  
2. Shri C. V. Moideen Bava,  
3. Shri C. V. Mustafa (by C. V. Khalid),  
Kalathikunnu Amson, Deozom, Calicut.  
(Transferor)
- (2) Smt. Safia, W/o P. K. Ahmed, Gandhi Road,  
Calicut.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

4/5th right over the property as per schedule attached to Doc. No. 230/19 dated 17-3-79 of SRO, Calicut.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 23-6-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 19th September 1979

Ref. No. I C. 341/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. N. as per schedule situated at Trivandrum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trivandrum on 8-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri T. P. Sukumaran,  
Gita Bhavan,  
Asramathu Cherry,  
Quilon-2.

(Transferor)

(2) M/s. Kanichai Hotels (P.) Ltd.,  
(by Mg. Director Babu Thomas),  
Kanichai House, Arangath Road, Cochin-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

50 cents of land in Sy. No. 646/2 of Vanchiyoore Village, Trivandrum.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-9-1979  
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 21st September 1979

Ref. No. L.C. 347/79-80.—Whereas, I, K. NARYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per scheduel situated at Calicut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at West Hill on 14-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

52—366G1/79

(1) Smt. K. Devaki Amma,  
Parayancheri, Kottoole,  
Kozhikode.

(Transferor)

(2) Shri V. C. Khader,  
'Tikkodi Cabin', Near Cheenadath Mosque,  
Puthiangady, Calicut-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9/10th right over 20 cents of land and building as per schedule attached to Doc. No. 566/79.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam:

Date : 21-9-79,

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramesh T. Shah,  
New Road, Cochin-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Kusum Ahamed, and 2. Smt. Firdaus Aslem,  
"Mehrab",  
Rameswaram East, Cochin-2.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
COCHIN-682 016

Cochin 682 016, the 12th October 1979

No. REF. L.C. 354/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269P of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Mattancherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Cochin on 16-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

13 cents of land with building as per Doc. No. 1010/79 dated 16-3-1979 of SRO, Cochin.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 12-10-1979

Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri K. J. George,  
S/o Kuzhithode Joseph,  
Nedanadukara,  
Nedamadu Village, Kottayam Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nyla,  
W/o Shri M. Raghavan,  
Sai Prabha, Cannanore-12.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 7th November 1979

No. REF. J C. 355/79-60.—Whereas I, K. NARAYANA  
MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Sy. No. 1 per schedule situated at Cannanore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer  
Cannanore on 27-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

13½ cents of land with buildings as per schedule attached  
to Doc. No. 780/79.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 7-11-1979

Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 7th November 1979

No. REF. L.C. 356/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 16-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Rosy, W/o late Shri E. T. Paul,  
2. Shri Thomas, S/o late Shri E. T. Paul,  
3. Shri Jacob S/o late Shri E. T. Paul,  
Kulangarathattuparambil,  
Thrikanarvattom, Ernakulam.

(Transferors)

- (2) Shri T. A. Mohammed, Blue Star Hotel,  
Thattanvecdu Road, Near Lisie Hospital,  
Cochin-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

18.520 cents of land with buildings in Sy. No. 2346/1, 2, 3 of Ernakulam village.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 7-11-1979  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"  
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 8th November 1979

No. REF. L.C. 357/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Punalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Punalur on 29-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Govinda Pillai,  
Krishna Vilas,  
Kandiar, Trivandrum.

(Transferor)

(2) Shri Abraham Chacko,  
Parakkamannil House,  
Eruvellipra, Thiruvalla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

12 acres of rubber estate with buildings thereon as per schedule attached to Doc. No. 82/79.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 8th November 1979

No. REF. L.C. 358/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. N. as per schedule situated at Punalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anchal on 26-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Govinda Pillai,  
Krishna Vilas.,  
Kavdiar, Trivandrum.

(Transferor)

(2) Shri Kurien Chacko,  
Parackamannil, Eruvelipra, Thiruvalla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

4 acres 88 cents of rubber estate as per schedule attached to Doc. No. 1178/79.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 8-11-1979  
Seal:

**FORM ITNS**(1) Shri Govinda Pillai,  
Krishna Vilas,  
Kavdiar, Trivandrum.

(Transferor)

(2) Smt. Annamma Abraham,  
Parackamunnil,  
Eruvilipra, Thiruvalla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"

ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 8th November 1979

No. REF. L.C. 359/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA  
MENON,being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value exceed-  
ing Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Punalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Anchal on 26-3-1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for the
- 
- purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11
- 
- of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
- 
- 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
- 
- 45 days from the date of publication of this notice
- 
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
- 
- the service of notice on the respective persons,
- 
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
- 
- able property, within 45 days from the date of
- 
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

4 acres 90 cents of rubber estate in Sy. No. 319/1/68 of  
Anchal Village.K. NARAYANA MENON,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, ErnakulamDate : 8-11-1979  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Saraswathy Krishna Moorthy,  
8/63, Tatabad, Coimbatore-12.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri K. N. Suryanarayan,  
M/s Trade Links, M. G. Road, Ernakulam,  
Cochin-682 011.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"  
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 9th November 1979

No. REF. L.C. 360/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA  
MENON,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-  
and baringSy. No. as per schedule, situated at Ernakulam  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ernakulam on 16-3-1979for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the  
transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

8.125 cnts of land with buildings in Sy. No. 1678/1, 2 of  
Ernakulam Village.K. NARAYANA MENON  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 9-11-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 9th November 1979

No. REF. L.C. 361/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 16-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

3—366GI/79

- (1) Smt. Saraswathy Krishna Moorthy,  
8/63, 11th Street, Tatabad, Coimbatore-12.  
(Transferor)
- (2) Smt. Meenakshy Suryanarayan,  
C/o Shri K. N. Suryanarayan,  
M/s Trade Links, MG Road, Cochin-682 011.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

10.825 cents of land with buildings in Sy. No. 1678/1 of Ernakulam Village.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 9-11-1979  
Seal :

FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"  
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 9th November 1979

No. REF. L.C. 362/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 16-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri A. Seetharama Iyer,  
Kovilvattom Desom,  
XXXIII/392, T.D. Road, Ernakulam.

(Transferor)

- (2) Shri Sreekantan Suryanarayan,  
C/o M/s Trade Links,  
M. G. Road, Cochin-682 011.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

7.725 cents of land with buildings in Sy. o. 1678/1, 2, 3, 4 of Ernakulam Village.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 9-11-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 9th November 1979

No. Ref. L.C. 363/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Palghat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kollengode on 27-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri L. Alagusundaram Chettiar & Others, (for Lakshmi Plantations, Nelliampathy, Seethargunda Post, Kerala) (Transferor)
- (2) Shri R. M. Muthupalaniappa Chettiar, & 15 others, 60, Navabathkana Street, Madurai-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

842 acres of coffee and cardamom estates as per schedule attached to Doc. No. 376/79.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 9-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)/604.—Whereas, I M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25A situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Udaipur on 19-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shyam Sunder s/o Shri Shobhalaji Gelda  
R/o Udaipur now E-73 Chitrangan Marg C-Scheme,  
Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s. Lake City Enterprise Udaipur partner firm  
c/o M/s. Taya & Sons Bara Bazar, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th share in the house property situated at plot No. 25A New Fatehpura Udaipur named as Gelda Kutir and more fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide registration No. 750 dated 19-3-79.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-11-79  
Seal :



**FORM ITN**

(1) Shri Roshanlal s/o Bherulaji Gelda  
R/o 64 Dhuleshwar Garden C-Scheme, Jaipur.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s. Lake City Enterprise Udaipur partner firm  
c/o M/s. Taya & Sons Bara Bazar, Udaipur.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/602.—Whereas, I M. R. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 25A situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udaipur on 19-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/6th share in the house property situated at plot No. 25A New Fatehpura Udaipur named as Gelda Kutir and more fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide registration No. 746 dated 19-3-79.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-11-79  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/601.—Whereas, I M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25A situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udaipur on 19-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Roshanlal s/o Bherulaji Gelda  
R/o 4 Thisil Court Tilson Burg Canada.  
(Transferor)
- (2) M/s. Lake City Enterprise Udaipur partner firm  
c/o M/s. Taya & Sons Bara Bazar, Udaipur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th share in the house property situated at plot No. 25A New Fatehpura Udaipur named as Gelda Kutir and more fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide registration No. 747 dated 19-3-79.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-11-79  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Roshunlal s/o Bherulaji Gelda  
R/o 64 Dhuleshwar Garden C-Scheme, Udaipur.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Lake City Enterprise Udaipur partner firm  
c/o M/s. Taya & Sons Bara Bazar, Udaipur.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/605.—Whereas, I M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25A situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Udaipur on 19-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/6th share in the house property situated at plot No. 25A New Fatehpura Udaipur named as Gelda Kutir and more fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide registration No. 749 dated 19-3-79.

M. R. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-79

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Roshanlal s/o Bherulaji Gelda  
R/o 27B Ambamata Scheme, Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Lake City Enterprise Udaipur partner firm  
c/o M/s. Taya & Sons Bara Bazar, Udaipur.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/606.—Whereas, I M. R.  
AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25A situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 19-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th share in the house property situated at plot No. 25A New Fatehpura Udaipur named as Gelda Kutir and more fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide registration No. 748 dated 19-3-79.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-11-79  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shrimati Sushil Bai w/o Shri Yaswant Singh Mehta  
Public park Hostel, Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Lake City Enterprise Udaipur partnership firm  
c/o M/s. Taya & Sons Bara Bazar, Udaipur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.Ref. No. Raj/AC (Acq.)/603.—Whereas, I M. R.  
AGGARWALbeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. 25A situated at Udaipur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Udaipur on 19-3-79for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th share in the house property situated at plot No. 25A  
New Fatehpura Udaipur named as Gelda Kutir and more  
fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur  
vide registration No. 745 dated 19-3-79.M. R. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-11-79

Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Shrimati Prem Bai w/o Shri Surajmalji Navakha  
Kundi Gari ke Bheeru ka Rasta Chowkari Ghat  
Gare, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagdish Pd. Jaipuria & Shri Sushil Kumar  
Jaipuria sons of Shri Gekul Chand B-9 Shiv Marg,  
Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.).—Whereas, I M. R.  
AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Show room situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Jaipur on 8-3-79

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
must be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Show room situated at S.M.S. Highway Opposite Prem  
Prakash Cinema Jaipur and more fully described in the sale  
deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 499  
dt. 8-3-79.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-11-79

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Parmanand s/o Shri Mohanlal Chak 3-E Chhoti, Sriganganagar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kaku Ram s/o Shri Nathuram Chak 3-E Chhoti, Sriganganagar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)—Whereas, I M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 55,000/- and bearing

No. — situated at 3-E Chhoti Sriganganagar

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 9-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid is more than the apparent consideration therefor by more than 20 per cent and that the apparent consideration and that the fair market value of the property as aforesaid has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 2 biswas and 3 biswas and situated at Chak 3-E Chhoti Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sriganganagar vide registration No. 664 dt. 9-3-79.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-11-79  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhagwandas s/o Shri Nirjuram Sharma  
Hanumangarh Town Distt. Sriganganagar.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Ram Chand s/o Shri Maldas Advocate  
Hanumangarh Town Distt. Sriganganagar.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)—Whereas, I M. R.  
AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceedings Rs.  
2,5000/- and bearing

No. — situated at Hanumangarh  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Hanumangarh on 16-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 3 bigha and 16 biswas situated  
at 15 HMH Hanumangarh Distt. Sriganganagar and more  
fully described in the sale deed registered by S. R. Hanuman-  
garh vide registration No. 357 dt. 16-3-79.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-11-79  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Shri Sarwan Kumar s/o Shri Bhagwandas Sharma  
R/o Hanumangarh Town Distt. Sriganganagar.  
(Transferor)(2) Shri Ram Chand s/o Shri Maldas Advocate  
Hanumangarh Town Distt. Sriganganagar.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th November 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)—Whereas, I M. R.  
AGGARWALbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. — situated at Hanumangarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Hanumangarh on 16-3-79for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to be undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons with a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 bighas and situated at 15  
HMH Hanumangarh Distt. Sriganganagar and more fully  
described in the sale deed registered by S.R. Hanumangarh  
vide registration No. 358 dt. 16-3-79.M. R. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, JaipurDate : 9-11-79  
Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
BOMBAY

Bombay, the 4th October 1979

Ref. No. ARII/2760/78-79.—Whereas I, P. L. ROONGTA, being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. NA 541 part of 232 situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-3-1979, Document No. R. 3871/72 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Prabhakar Ramchandra Petkar.

(Transferor)

(2) Shri R. K. Patkar Co-op. Housing Society Ltd.  
(Transferee)

1. Mr. Tribhuvan Chuni'el Gandhi.
  2. Mr. Shachikumar Gopal Wagh.
  3. Mrs. Sulochana Deshmukkar Joshi
  4. Dr. Surendra Mohan Banmajar.
  5. Mr. Indulal Ranchoddas Mody
  6. Miss Shaila Ganesh Vaidya
  7. Mr. Jekshman Subramaryam Aiyer.
  8. Mr. Vengala Rajaram Semant.
  9. Mls. Prabbandi Gopal Tuncare.
  10. Dr. Datt Shrinivas Veloskar.
  11. Mrs. Sharda Laxman Yellore.
  12. Mrs. Lilabai Ganpat Upgoni.
  13. Mr. Keshirath Tukaram Pandit.
  14. Mr. Indulal Jyotindra Mehta.
  15. Mrs. Kamalabai Dattatraya Nadkarni.
  16. Mr. Chandra Keshavnath Dasa.
  17. Mr. Prabhakar Ramchandra Patkar.
  18. Mr. Gajanan Mukund Desai.
  19. Mr. Dattaram Ganesh Manage
  20. Mr. Kishore Pravvellaibh Mehta.
  21. Mr. Sush'kant Vasant'esh Chowkhulkar.
  22. Mrs. Praopna Vasant'esh Deshmukh
  23. Mrs. Gajal Shamra'kshi Mehta
  24. Mrs. Surekha Avinash Rege.
  25. Mrs. Vitha Kharli.
  26. Mr. P. Vithal'ee Kamroth.
  27. Mr. T. T. Walawalkar.
  28. Mahabaleshwar Moriappa Teleng.
- (Person in possession of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. R-3871/72 Bom and Registered on 6-3-1979 with the Sub Registrar Bombay.

P. L. ROONGTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Bombay.

Date : 4-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.

BOMBAY

Bombay the 4th November 1979

Ref. No. ARIL/2767-3/78.—Whereas I, P. L. ROONGTA, being the Competent Authority under Section 119B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 26 Hiss No. 2 C.S. No. 634 situated at Malad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 26-3-1979 document No. S-906/75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Rajendraprasad N. Agarwal  
Laxmikant B. Poddar  
Jayantilal V. Sanghavi  
Smt. Usha R. Agarwal.

(Transferor)

- (2) Malad Bharat Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

- (3) 1. Smt. V. J. Soni  
2. M/s Powerlite  
3. Smt. S. D. Shah  
4. Shri J. R. Mehta  
5. Shri N. V. Shah  
6. Shri M. V. Shah  
7. Shri J. H. Bakhai  
8. Shri B. D. Parikh  
9. Shri E. Kotian  
10. Shri P. M. Shah  
11. Shri V. W. Aote  
12. Shri A. S. Murthy  
13. Smt. V. M. Shah  
14. Smt. C. M. Oarekh  
15. Shri K. R. Shah  
16. Shri M. R. Shah  
17. Smt. S. J. Kothari  
18. Shri A. J. Dhruv  
19. Smt. P. R. Asharpota  
20. Smt. P. N. Naidu  
21. Smt. R. T. Gandhi

22. Shri R. J. Shah
23. Smt. V. C. Bhatia
24. Smt. R. V. Doshi
25. Smt. B. R. Sharma
26. Shri D. J. Oza
27. Smt. K. R. Bhatt
28. Shri H. M. Vakil
29. Shri K. V. Vekharla
30. Smt. F. R. Sheety
31. Shri M. B. Joshi
32. Smt. D. S. Tank
33. Shri C. K. Ingle
34. Smt. K. J. Mehta
35. Smt. C. S. Vanjara
36. Shri A. M. Dere
37. Smt. V. M. Ratni
38. Shri I. D. Shastri
39. Smt. S. S. Sakhale
40. Shri R. M. Thakkar
41. Smt. R. P. Nambiar
42. Smt. S. G. Sane
43. Smt. V. G. Nair
44. Shri M. N. Chitre
45. Smt. H. M. Mehta
46. Smt. V. I. Raizada
47. Smt. R. R. Shah
48. Smt. K. G. Sharma
49. Smt. B. N. Bhatia
50. Shri R. R. Mohite
51. Shri R. S. Ghelani
52. Smt. K. J. Bhatia
53. Shri B. S. Patel
54. Smt. S. H. Bhatia
55. Smt. V. J. Kayal
56. Shri R. H. Kandhari
57. Shri M. P. Motivaras
58. Shri K. A. Mistry
59. Smt. R. S. Mehta
60. Shri J. Sehgal
61. Shri M. R. Gohil
62. Smt. Rama Menon
63. Dr. A. B. Mehta

(Person in occupation of the property)

(4) —do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S 906/75 / Bom and Registered on 26-3-79 with the Sub Registrar Bombay.

P. L. ROONGTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Bombay.

Date : 4-10-1979.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
BOMBAY

Bombay, the 21st November 1979

Ref. No. AR-II/2847-20/Mar.79.—Whereas I, P. L. ROONGTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. F/1045 T.P.S. No. IV Plot No. 45 situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bandra on 25-3-1979 Document No. 729/1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent value of the property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Bhawanishankar Diwakar Kulkarni  
(Transferee)
- (2) Ayesha Khatoon W/o Gulam Hassan  
(Transferee)
- (3) Gospel Literature Society  
East India Leather Industries  
Munirali Shivji  
Reserve Bank of India  
Ion Exchange India Ltd.  
Sunditta Foods & Fibres Ltd.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Schedule as mentioned in the Registered Deed no 729/1919/ Bandra and registered on 25-3-79 with the Joint Sub Registrar IV, Bandra.

P. L. ROONGTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Bombay.

Date : 21-11-1979.  
Seal :